RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 10 अंक 60
नई दिल्ली, बुधवार, 5 जनवरी, 2022
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

ठाकुर के सात विकेट से भारत ने मैच में की वापसी
स्पोर्ट्स-10

दिल्ली में वीकएंड पर कर्फ्यू लागू

- मेट्रो और बसों में सभी सीटों पर बैठ सकेंगी सवारियां
- आवश्यक सेवाओं को छोड़ सरकारी कर्मी घर से काम करेंगे
- निजी कार्यालय 50% क्षमता के साथ संचालित होंगे
- मंगलवार को कोरोना के 5481 नए मामले, तीन की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी में बेकाबू होते कोरोना को देखते हुए सरकार ने वीकएंड कर्फ्यू लागू कर दिया है। दिल्ली में हर रोज केस बढ़ रहे हैं। यहां मंगलवार को कोरोना वायरस के 5481 नए मामले सामने आए और तीन लोगों की मौत हुई। चिंता की बात यह कि संक्रमण दर एक दिन पहले 6.46 फीसदी से बढ़कर 8.37 फीसदी पहुंच गई है। कोरोना के नए वैरिएंट ओमीक्रोन के केस बेतहाशा वृद्धि हुई है और 80 प्रतिशत से अधिक केस इसी वैरिएंट के हैं। थोड़ी राहत की बात यह कि बसों और मेट्रो में सभी सीटों पर बैठकर सफर किया जा सकेगा। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप 'ओमीक्रोन' के प्रसार के कारण संक्रमण के तेजी से बढ़ते मामलों के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने सप्ताहांत पर कर्फ्यू लगाने का फैसला किया है।

आवश्यक सेवाओं को छोड़ अन्य सभी सरकारी अधिकारी घर से काम करेंगे। निजी कार्यालयों को 50 प्रतिशत क्षमता के साथ काम करने की अनुमति होगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) की बैठक के बाद सिसोदिया ने ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन में कहा कि शनिवार और रविवार दो दिन कर्फ्यू रहेगा। लोगों से अनुरोध है कि बेहद जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार को डर है कि बस स्टॉप और मेट्रो स्टेशन संक्रमण के तेजी से फैलने का केंद्र बन सकते हैं, क्योंकि बैठने की क्षमता आधी होने से वहां लंबी कतारें लग रही हैं। इसलिए, बसों और मेट्रो को पूर्ण क्षमता के साथ चलाने का फैसला किया गया है। हालांकि शर्त यह होगी कि किसी को भी बिना मास्क के यात्रा करने की अनुमति नहीं होगी। सिसोदिया ने बताया कि दिल्ली में अभी कोरोना वायरस संक्रमण के 11 हजार मरीज उपचाराधीन हैं, जिनमें से 350 मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। इनमें से 124 मरीजों को ऑक्सीजन की मदद दी गई, जबकि कम से कम सात मरीज वेंटिलेटर पर हैं। राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमण की दर के पांच प्रतिशत के पार चले जाने के बाद डीडीएमए ने 28 दिसंबर को 'येलो अलर्ट' की घोषणा की थी, जिसके तहत सिनेमाघर और जिम बंद कर दिए गए थे। गैर-आवश्यक सामान की दुकानों को सम-विषम आधार पर खोलने और मेट्रो तथा बसों में यात्रियों के बैठने की क्षमता 50 प्रतिशत करने का निर्देश भी दिया था। डीडीएमए की क्रमवार प्रतिक्रिया कार्य योजना (जीआरएपी) के अनुसार, पांच दिन तक लगातार संक्रमण दर पांच प्रतिशत से अधिक रहने पर 'रेड अलर्ट' की घोषणा की जाती है, जिसके तहत पूर्ण कर्फ्यू लागू किया जाता है और अधिकतर आर्थिक गतिविधियां ठप पड़ जाती हैं। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन का कहना है कि अधिकतर मरीजों में संक्रमण के लक्षण मामूली हैं या कोई लक्षण ही नहीं हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत नहीं पड़ रही है। इसलिए घबराने की जरूरत नहीं है।

केजरीवाल समेत कई दलों के नेता और मंत्री संक्रमित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी और कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला समेत कई अन्य दलों के वरिष्ठ नेता कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। मुख्यमंत्री केजरीवाल ने उन सभी लोगों से जांच कराने और दूसरों से खुद को पृथक करने की अपील की है, जो पिछले कुछ दिनों में उनके संपर्क में आए हैं।

कोविड-19 पॉजिटिव आने वालों की सूची में केंद्रीय मंत्री महेंद्र नाथ पांडे, टीएमसी नेता बाबुल सुप्रियो, राकांपा नेता सुप्रिया सुले, महाराष्ट्र की शिक्षा मंत्री वर्षा गायकवाड़, यशोमती ठाकुर, एचएएम अध्यक्ष जीतनराम मांझी, कांग्रेस नेता बालासाहेब थोराट, भाजपा नेता हरीश खुराना और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे का नाम शामिल है। अधिकारियों के अनुसार, केजरीवाल पहली बार कोरोना वायरस से संक्रमित हुए हैं।

पिछले साल अप्रैल में उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल को कोरोना हुआ था। सरकार के एक अधिकारी ने कहा कि पूरे परिवार की कोविड-19 संबंधी जांच की गई है। वह और उनका परिवार पृथकवास में है। केजरीवाल पिछले (शेष पेज 9)

देश में ओमीक्रोन के मामले 1,892 हुए

भाषा। नई दिल्ली

देश के 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के अब तक 1,892 मामले सामने आ चुके हैं, जिनमें से 766 लोग संक्रमण मुक्त हो चुके हैं या विदेश चले गए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, नए स्वरूप के महाराष्ट्र में सबसे अधिक 568 मामले सामने आए हैं। इसके बाद दिल्ली में 382, केरल में 185, राजस्थान में 174, गुजरात में 152, और तमिलनाडु में 121 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय की ओर से सुबह आठ बजे जारी किए गए अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक दिन में कोविड-19 के 37,379 नए (शेष पेज 9)

सैनिकों के लिए खोली गई जोजी-ला दर्रे की सड़क

- बीआरओ ने लद्दाख में एलएसी पर जनवरी में पहली बार खोली यह सड़क, आसानी से पहुंचाया जा सकेगा हथियार व रसद
- भारतीय सेना ने भी नए साल के पहले दिन गलवान घाटी में फहराया राष्ट्रीय ध्वज

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गलवान घाटी में तिरंगा लहराते भारतीय सेना के जवान

लद्दाख क्षेत्र में चीन से किसी भी खतरे का सामना करने के लिए सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) ने तैयार पर्वतीय जोजी-ला दर्रे की सड़क को पहली बार जनवरी में खोला है, ताकि वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर अग्रिम पंक्ति के सैनिकों को निरंतर हथियार और रसद पहुंचाया जा सके। पूर्वी लद्दाख में यह बड़ी उपलब्धि भारत और चीन के बीच लगभग पिछले दो वर्षों से जारी गतिरोध की पृष्ठभूमि में आई है।

लद्दाख को 11,649 फीट की ऊंचाई पर जोजी-ला दर्रा देश के बाकी हिस्सों से जोड़ता है। सर्दियों के दौरान बर्फ के चलते यह कम से कम तीन से चार महीने तक मार्ग बंद रहता है। एक अन्य घटनाक्रम में भारतीय सेना ने नए साल के दिन गलवान घाटी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। घटना की तस्वीरें मंगलवार को जारी की गईं, जिसके तीन दिन बाद चीन ने गलवान घाटी में अपने सैनिकों की ओर से अपना झंडा फहराते हुए तस्वीरें जारी की हैं। केंद्रीय कानून और न्याय मंत्री किरेन रिजिजू ने ट्विटर पर ध्वज पकड़े हुए भारतीय सैनिकों की तस्वीरें भी पोस्ट की, जिसका शीर्षक था नए साल 2022 के अवसर पर गालवान घाटी में भारतीय सेना के बहादुर जवान। भारतीय सुरक्षा में सूत्रों द्वारा जारी तस्वीरों में से एक में लगभग 30 भारतीय सैनिकों को राष्ट्रीय ध्वज के साथ देखा गया। वे डोगरा रेजीमेंट के थे। एक अन्य तस्वीर, जिसमें चार लोगों के समूह को राष्ट्रीय ध्वज पकड़े हुए दिखाया गया है और एक अन्य तिरंगा एक अस्थायी अवलोकन चौकी से ऊपर लगा हुआ है। सूत्रों ने बताया कि तस्वीरें गलवान घाटी की एक जनवरी की हैं। भारतीय और चीनी सैनिकों ने 1 जनवरी को पूर्वी लद्दाख और उत्तरी सिक्किम सहित एलएसी के 10 सीमा बिंदुओं पर मिठाइयों और शुभकामनाओं का आदान-प्रदान किया।

जोजी-ला दर्रे के बारे में जानकारी देते हुए अधिकारियों ने कहा कि यह लद्दाख क्षेत्र में रणनीतिक संपर्क को बढ़ावा देगा। 2 जनवरी को पहली बार 72 वाहनों ने पहाड़ी दर्रे को पार किया। यह विकास बीआरओ के लिए एक शानदार उपलब्धि है, क्योंकि यह चरम सर्दियों के मौसम में भी जम्मू और कश्मीर और लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश के बीच महत्वपूर्ण जुड़ाव प्रदान करेगा। बीआरओ कर्मियों को इसके निर्माण के लिए (शेष पेज 9)

कांग्रेस की मैराथन दौड़ में भगदड़

बरेली में कांग्रेस की मैराथन दौड़ में भगदड़ के बाद गिरी लड़कियां

भाषा। बरेली, लखनऊ

कांग्रेस द्वारा बरेली में आयोजित लड़की हूं, लड़ सकती हूं मैराथन दौड़ में भगदड़ मचने से तीन लड़कियां मामूली रूप से घायल हो गईं। कांग्रेस ने इस घटना के पीछे भारतीय जनता पार्टी द्वारा साजिश की आशंका जताई है। वहीं, भाजपा ने कांग्रेस पर अपनी ओछी राजनीति के लिए मासूम बच्चियों को मोहरा बनाने का आरोप लगाया है। सिटी मजिस्ट्रेट राजीव पांडेय ने बताया कि मैराथन दौड़ के दौरान घायल हुई तीन लड़कियों को जिला अस्पताल भेज दिया गया। उन्होंने कहा, किस कारण से भगदड़ जैसी स्थिति पैदा हुई, वहां बड़ी संख्या में बच्चे कैसे इकट्ठा हुए और उच्च शिक्षा विभाग द्वारा कैसे अनुमति दी गई? इन सब पहलुओं की जांच की जाएगी। पांडेय ने बताया कि इस आयोजन के लिए 200 बच्चियों को इकट्ठा होने की अनुमति दी गई थी लेकिन इससे कहीं ज्यादा छात्राएं आयोजन में शामिल हुईं। घायल बच्चियों का प्राथमिक उपचार कराया गया। शहर के बिशप मंडल इंटर कॉलेज मैदान में मंगलवार सुबह करीब नौ बजे बरेली जिले के विभिन्न स्कूलों की छात्राएं इकट्ठा हुई थीं। आयोजकों ने लड़की हूं, लड़ सकती हूं थीम पर मैराथन दौड़ का आयोजन किया, लेकिन (शेष पेज 9)

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग ने जांच को कहा

भाषा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) ने उत्तर प्रदेश के बरेली में आयोजित कांग्रेस की मैराथन दौड़ में भगदड़ जैसे हालात पैदा होने के मामले में जिला अधिकारी से जांच कराने को कहा है। कांग्रेस द्वारा बरेली में आयोजित लड़की हूं, लड़ सकती हूं मैराथन दौड़ में भगदड़ जैसी स्थिति पैदा होने के बाद तीन लड़कियां मामूली रूप से घायल हो गई थीं। एनसीपीसीआर ने बरेली के जिला अधिकारी को भेजे एक पत्र में कहा कि उसने मीडिया में आई खबरों के आधार पर मामले का स्वत: संज्ञान लिया है। उसने कहा, यह पता चला है कि (शेष पेज 9)

नीट-पीजी दाखिले पर याचिका सुनने को सुप्रीम कोर्ट राजी

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) दाखिले के संबंध में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए आरक्षण के मामले संबंधी याचिका की बुधवार को सुनवाई करने पर सहमत हो गया है। केंद्र ने न्यायालय से इस मामले की तत्काल सुनवाई किए जाने का आग्रह किया था। प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण और न्यायमूर्ति सूर्य कांत एवं न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने केंद्र की ओर से न्यायालय में पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के उन अभिवेदनों पर गौर किया कि यह मामला स्नातकोत्तर चिकित्सकीय पाठ्यक्रमों में दाखिले से जुड़ा है और छात्रों को मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा, यदि यह तीन न्यायाधीशों की पीठ का मामला है, तो इसे कल तीन न्यायाधीशों की पीठ के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली पीठ ने सोमवार को केंद्र से कहा था कि ईडब्ल्यूएस आरक्षण मामले पर तीन न्यायाधीशों की पीठ सुनवाई कर रही है, इसलिए प्रधान न्यायाधीश न्यायाधीशों की अपेक्षित संख्या वाली पीठ का गठन कर सकते हैं। नीट-पीजी 2021 काउंसलिंग में देरी को लेकर दिल्ली समेत देश के कई हिस्सों में विभिन्न अस्पतालों के रेंजीडेंट डॉक्टर फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (फोर्डा) के बैनर तले बड़े पैमाने पर प्रदर्शन कर रहे हैं। ईडब्ल्यूसी आरक्षण तय करने के मापदंड पर पुनर्विचार के केंद्र के फैसले के कारण नीट-पीजी की काउंसलिंग स्थगित कर दी गई थी।

उत्तराखंड से एक युवती गिरफ्तार इंजीनियरिंग छात्र पुलिस हिरासत में

बुली बाई ऐप मामला

भाषा। मुंबई

मुंबई साइबर पुलिस ने बुली बाई ऐप मामले के संबंध में उत्तराखंड से एक 19 वर्षीय युवती और बेंगलुरु से इंजीनियरिंग के एक छात्र को गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। माना जा रहा है कि गिरफ्तार युवती, इस मामले में मुख्य आरोपी है। इस बीच, मुंबई की एक स्थानीय अदालत ने बुली बाई ऐप मामले में गिरफ्तार 21 वर्षीय इंजीनियरिंग छात्र विशाल कुमार झा को मंगलवार को 10 जनवरी तक के लिए मुंबई पुलिस की हिरासत में भेज दिया।

एक अधिकारी ने बताया कि मुंबई पुलिस की टीम ने उत्तराखंड से आरोपी युवती श्वेता सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी कथित तौर पर एक-दूसरे को जानते हैं। उन्होंने बताया कि इस मामले में अभी और गिरफ्तारियां हो सकती हैं। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि झा को मुंबई की एक अदालत ने पुलिस हिरासत में भेजा है जबकि उत्तराखंड की एक अदालत ने मुंबई पुलिस को श्वेता सिंह की चार दिन की ट्रांजिट रिमांड दी है ताकि उसे यहां लाया जा सके। उन्होंने कहा कि आरोपी युवती को बुधवार को मुंबई की अदालत के समक्ष पेश किया जाएगा। मुंबई साइबर पुलिस ने छात्र विशाल कुमार झा को सोमवार को बेंगलुरु से पकड़ा था और बाद में उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने झा को 10 दिनों की हिरासत में देने और बेंगलुरु में उसके परिसरों की तलाशी लेने की अदालत से अनुमति मांगी।

पुलिस की दलील सुनने के बाद मजिस्ट्रेट ने आरोपी छात्र को 10 जनवरी तक के लिए पुलिस हिरासत में भेज दिया और पुलिस को उसके परिसरों की तलाशी लेने की भी अनुमति दे दी।आरोपी छात्र के वकील दिनेश प्रजापति ने पीटीआई-भाषा से कहा, मेरे मुवक्किल विशाल झा को इस मामले में झूठा फंसाया गया है। उसकी इस फर्जी ऐप या कोई फर्जी खाता बनाने में कोई भूमिका नहीं है। वह केवल एक छात्र है। प्रजापति ने इस बात से भी इंकार किया कि झा और संदिग्ध युवती एक-दूसरे को जानते हैं।

इससे पहले पुलिस ने, गिटहब मंच के ऐप पर नीलामी के लिए मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरें डाले जाने की शिकायत प्राप्त होने के बाद अज्ञात व्यक्तियों के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की थी। एक अधिकारी ने बताया कि उत्तराखंड से गिरफ्तार श्वेता सिंह पर इस ऐप से संबंधित कई खाते संचालित करने का संदेह है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि झा खालसा सुपरमासिस्ट नाम से एक ट्विटर खाता चला रहा था और उसने कुछ अन्य फर्जी ट्विटर हैंडल के नाम भी बदलकर इस तरह रखे थे कि ये सिख नाम प्रतीत हों। उन्होंने कहा कि पुलिस इस बात की भी जांच करेगी कि इस सबके जरिए पंजाब में धार्मिक तनाव पैदा करने के प्रयास किए गए या नहीं, जहां अगले साल की शुरुआत (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	59,855	↑ 672	
निफ्टी	17,805	↑ 179	
सोना	46,814	↓ 302	/10g
चांदी	60,625	↓ 597	/kg

क्विक न्यूज

मुठभेड़ में लश्कर के दो आतंकवादी ढेर

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के कुलगाम जिले में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में मंगलवार को लश्कर-ए-तैयबा के दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने कुलगाम जिले के ओके गांव की घेराबंदी कर वहां तलाश अभियान शुरू किया था, जो बाद में मुठभेड़ में बदल गया। उन्होंने बताया कि मुठभेड़ में दो आतंकवादियों की मौत हो गई। पुलिस महानिरीक्षक (कश्मीर) विजय कुमार ने बताया कि मारे गए दोनों आतंकवादी स्थानीय लोग थे और लश्कर से जुड़े थे। उन्होंने बताया कि वे कई आतंकवादी गतिविधियों में संलिप्त थे। उल्लेखनीय है जम्मू कश्मीर में सुरक्षा बल लगातार आतंकियों पर प्रहार कर रहे हैं।

उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व प्रमुख ने भाजपा नेताओं से भेंट की

- भगवा पार्टी में शामिल होने की अटकलें

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष किशोर उपाध्याय ने सोमवार रात यहां भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेताओं से भेंट की, जिसके बाद मीडिया में अटकलें लगाई जा रही हैं कि वह भाजपा में शामिल हो सकते हैं। यह मुलाकात प्रदेश भाजपा के संगठन महासचिव अजय कुमार के आवास पर हुई, जिसमें भगवा पार्टी के चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी भी मौजूद थे।

हालांकि, उपाध्याय ने उनके भाजपा में शामिल होने की अटकलों को अफवाह बताते हुए खारिज कर दिया और कहा कि वह अपने वनाधिकार आंदोलन के सिलसिले में विभिन्न लोगों से मुलाकात कर रहे हैं क्योंकि वह चाहते हैं कि उत्तराखंड का आगामी विधानसभा चुनाव पर्वतीय राज्य के मुद्दों को लेकर लड़ा जाए। उन्होंने लोगों से ऐसी अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की। उपाध्याय, वनाधिकार आंदोलन के प्रणेता हैं। यह आंदोलन राज्य के वन संसाधनों पर स्थानीय लोगों के अधिकार के लिए लड़ाई लड़ रहा है।

चुनावी मौसम में भाजपा नेताओं के साथ उनकी मुलाकात को लेकर उनके दल बदलने की संभावना से जुड़ी अटकलों को बल मिला। हाल में कई नेताओं ने दल-बदल किए हैं। उत्तरकाशी में पुरोला (सुरक्षित) सीट से भाजपा के पूर्व विधायक मालचंद और उत्तरकाशी के जिला पंचायत अध्यक्ष दीपक बिजलवान सोमवार को दिल्ली में कांग्रेस में शामिल हो गए, वहीं भारतीय पुलिस सेवा के पूर्व अधिकारी अनंत (शेष पेज 9)

सूर्य नमस्कार के विरोध में उतरा मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड

- कहा, इस प्रकार के कार्यक्रमों में शामिल न हों मुस्लिम बच्चे, सरकार दिशानिर्देश वापस ले

भाषा। नई दिल्ली

प्रतीकात्मक चित्र

ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने मंगलवार को कहा कि सूर्य नमस्कार के कार्यक्रमों में मुस्लिम समुदाय के बच्चों को शामिल नहीं होना चाहिए, क्योंकि सूर्य की उपासना करना इस्लाम धर्म के मुताबिक सही नहीं है। पर्सनल लॉ बोर्ड के महासचिव मौलाना खालिद सैफुल्लाह रहमानी ने यह भी कहा कि सरकार को इससे जुड़ा दिशानिर्देश वापस लेकर देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का सम्मान करना चाहिए। मौलाना रहमानी ने एक बयान में कहा, भारत एक धर्मनिरपेक्ष, बहु-धार्मिक और बहु-सांस्कृतिक देश है। इन्हीं सिद्धान्तों के आधार पर हमारा संविधान बनाया गया है।

संविधान हमें इसकी अनुमति नहीं देता है कि सरकारी शिक्षण संस्थानों में किसी धर्म विशेष की शिक्षाएं दी जाएं या किसी विशेष समूह की मान्यताओं के आधार पर समारोह आयोजित किए जाएं। उन्होंने दावा किया, यह अत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है कि वर्तमान सरकार इस सिद्धांत से भटक रही है और देश के सभी वर्गों पर बहुसंख्यक समुदाय की सोच और परंपरा को थोपने का प्रयास कर रही है। रहमानी के अनुसार, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने 75वें स्वतन्त्रता दिवस के अवसर पर 30 राज्यों में सूर्य नमस्कार की एक परियोजना चलाने का निर्णय किया है, जिसमें 30 हज़ार स्कूलों को पहले चरण में शामिल किया जाएगा।। जनवरी से 7 फरवरी 2022 तक के लिए यह कार्यक्रम प्रस्तावित है और 26 जनवरी को सूर्य नमस्कार पर एक संगीत कार्यक्रम की भी योजना है। उन्होंने कहा, सूर्य नमस्कार सूर्य की पूजा का एक रूप है, इस्लाम और देश के अन्य अल्पसंख्यक न तो सूर्य को देवता मानते हैं (शेष पेज 9)

मूर्खतापूर्ण बातों पर ध्यान न दे मुस्लिम समाजः विहिप

भाषा। नई दिल्ली

सूर्य नमस्कार के कार्यक्रमों में मुस्लिम समुदाय के बच्चों को शामिल नहीं होने के ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के आह्वान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए विश्व हिन्दू परिषद ने मंगलवार को कहा कि मुस्लिम समाज को ऐसी अंधेरी गलियों में ले जाने एवं अलगाववादी भाव वाली अपील को नजरंदाज करना चाहिए और जरूरत पड़ने पर ऐसे नेतृत्व को बदलना चाहिए।

विहिप के संयुक्त महामंत्री सुरेन्द्र जैन ने अपने बयान में कहा कि सूर्य नमस्कार के कार्यक्रमों में मुस्लिम समुदाय के बच्चों को भाग नहीं लेने से संबंधित ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बयान में जिस भाषा का प्रयोग किया गया है, वह न केवल अलगवाव का भाव पैदा करते हैं बल्कि केंद्र सरकार के प्रति नफरत का निर्माण भी कर सकते हैं। उन्होंने कहा, शायद यह उनकी मंशा भी है।

वे मुस्लिम समुदाय के हमदर्द नहीं बल्कि अपने अलगाववादी एजेंडे के माध्यम से उन्हें अंधेरी गलियों में ले जाना चाहते हैं। जैन ने कहा कि तीन तलाक के मामले में भी मुस्लिम पर्सलन लॉ बोर्ड ने उच्चतम न्यायालय में दाखिल हलफनामे में भी खतरनाक भाषा का प्रयोग किया था। उन्होंने कहा कि सूर्य नमस्कार एक ऐसा व्यायाम है जो सारे (शेष पेज 9)

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ कल आएंगे ग्रेटर नोएडा 400 करोड़ की परियोजनाओं का होगा लोकार्पण

● गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ और बागपत के 1,500 बच्चों को लैपटॉप और स्मार्टफोन वितरित करेंगे

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव की तैयारी काफी जोर-शोर से चल रही है। आगामी 6 जनवरी 2022 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा आएंगे। उनका यह कार्यक्रम प्रस्तावित हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा में आकर युवाओं को लैपटॉप और टैबलेट बाटेंगे। इसके अलावा काफी परियोजनाओं का शिलान्यास भी करेंगे। मिली जानकारी के अनुसार योगी आदित्यनाथ 6 जनवरी को गौतमबुद्ध नगर जनपद में आ रहे हैं।

योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा में स्थित गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय में मेरठ मंडल के 5 जिलों के 1500 बच्चों को लैपटॉप और स्मार्टफोन बाटेंगे। इसके अलावा योगी आदित्यनाथ यहां पर नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना प्राधिकरण की हजारों करोड़ की परियोजना का लोकार्पण भी करेंगे।

योगी आदित्यनाथ के स्वागत को लेकर तीनों प्राधिकरण, जिला प्रशासन और गौतमबुद्ध नगर पुलिस कमिश्नरेट तैयारियों में जुट गया है। जिले में योगी आदित्यनाथ के आने के लिए तैयारी जोर-शोर से चल रही है। कार्यक्रम के अनुसार योगी आदित्यनाथ ग्रेटर नोएडा में मेरठ मंडल के सभी 5 जिले गौतमबुद्ध नगर, गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़ और बागपत के 1,500 बच्चों को लैपटॉप और स्मार्टफोन वितरित करेंगे। इसके लिए सभी जिलों के 300-300 बच्चों को कार्यक्रम स्थल पर वहां के अधिकारी लेकर आएंगे।

उत्तर प्रदेश शासन की तरफसे यह जानकारी सभी पांचों जिले के जिलाधिकारियों और पुलिस अधिकारियों को दे दी गई है।

5 जिलों के अधिकारी को 300 बच्चों को गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय लाने के लिए जिम्मेदारी सौंपी गई है। बताया जा रहा है कि योगी आदित्यनाथ यहां पर नोएडा विकास प्राधिकरण की करीब 400 करोड़ से अधिक परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। नोएडा के सेक्टर-82 में बनने वाला 204 करोड़ की लागत से स्टेडियम और बस टर्मिनल का भी शिलान्यास होगा।

नोएडा में मिला ओमीक्रोन का पहला मरीज

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गौतमबुद्ध नगर में ओमीक्रोन का एक मामला सामने आया है, जिसका इलाज जिले के एक अस्पताल में किया जा रहा है।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी का कहना है कि ओमीक्रोन संक्रमित मरीज काफी तेजी के साथ ठीक हो रहा है। इस बात की जानकारी उत्तर प्रदेश शासन के स्वास्थ्य विभाग अधिकारी और संयुक्त निदेशक स्वास्थ्य निदेशालय डॉ आशु पांडे ने दी है। डॉ. आशु पांडे ने बताया कि उत्तर प्रदेश में इस समय ओमीक्रोन के एक्टिव मामलों की संख्या 8 है।

जिसमें से एक मामला नोएडा में भी है। ओमीक्रोन संक्रमित मरीज की स्थिति स्थिर है। उनका जिला स्वास्थ्य विभाग की निगरानी में इलाज किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि ओमीक्रोन संक्रमित व्यक्ति को अस्पताल में सिर्फइसलिए ही भर्ती किया है क्योंकि उनको आइसोलेट करना थाए अन्यथा व्यक्ति को कोई ज्यादा दिक्कत नहीं है। व्यक्ति की हालत बिल्कुल ठीक है। पांडे ने बताया कि नोएडा के पैरामाउंट सोसायटी में रहने वाले 35 वर्षीय व्यक्ति में ओमीक्रोन की पुष्टि हुई है। जांच के दौरान इस व्यक्ति की ट्रैवलर हिस्ट्री आउट ऑफ कंट्री मिली है। रिपोर्ट आने के बाद व्यक्ति को नोएडा के कोविड अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर व्यक्ति की हालत स्थिर बताई जा रही है। भारत में ओमीक्रोन के मामलों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडे की हालत स्थिर

चिकित्सा अधीक्षक डॉ अनुज अग्रवाल ने बताया कि डॉ महेंद्र नाथ पांडे की हालत स्थिर बनी हुई है और डॉक्टरों की टीम उनकी सघन निगरानी व इलाज कर रही है। अगले तीन-चार दिन महत्वपूर्ण है और डॉ आरके मणि, डॉ के के पांडे, डॉ अर्जुन खन्ना, डॉ अंकित सिन्हा, डॉक्टर सुमंतो चटर्जी एवं डॉ पी सिंह उनके स्वास्थ्य की देखभाल कर रहे हैं।

विधायक सुनील शर्मा को मिली हॉस्पिटल से छुट्टी

गाजियाबाद। साहिबाबाद के विधायक सुनील कुमार शर्मा को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है हालांकि उनकी कोविड-19 रिपोर्ट अभी पॉजिटिव है लेकिन उसकी संक्रामक वैल्यू पहले से काफी कम हो गई है और विधायक का इलाज कर रही डॉक्टरों की टीम ने उनके स्वास्थ्य में अच्छा सुधार देखा और उन्हें ओरल मेडिसिन एवं क्वॉटाइन रहने की हिदायत पर घर भेज दिया गया है। यह जानकारी यशोदा सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल कौशांबी गाजियाबाद के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अनुज अग्रवाल ने दी।

80 प्रतिशत कोरोना संक्रमण ओमीक्रोन के

ओमीक्रोन के ताजा हालात के बारे में प्रेस को संबोधित करते हुए वरिष्ठ स्वास रोग क्रिटिकल रोग विशेषज्ञ डॉ अर्जुन खन्ना ने कहा कि जैसा कि दिल्ली सरकार ने कोविड-19 के आ रहे मामलों के बारे में आंकड़े जारी किए हैं और यह स्पष्ट किया है कि 80 प्रतिशत से ज्यादा केस ओमीक्रोन के ही हैं। राहत की बात यह है कि अभी तक जो भी केस आ रहे हैं वह माइल्ड या मॉडरेट क़िस्म के ही हैं और अभी तक बहुत ज्यादा गंभीर बीमार मरीज हॉस्पिटल नहीं लाए गए हैं। जो बढ़े हुए कोविड-19 के मरीज आ रहे हैं इस बढ़ते हुए संक्रमण को फैलने से रोकना अत्यंत आवश्यक है।

प्राधिकरण का कर्ज 3 साल में 2600 करोड़ घटा

नोएडा। कर्ज और वित्तीय तरलता से जूझ रहे ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने कोरोना संकट के बावजूद अच्छा काम किया है। प्राधिकरण आर्थिक रूप से और मजबूत हुआ है।

इसकी पुष्टि इस बात से होती है कि बीते तीन वित्तीय वर्षों में ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण का कर्ज करीब 2,600 करोड़ रुपये कम हुआ है जबकि इसी अवधि में प्राधिकरण ने तमाम परियोजनाओं में खूब खर्च भी किए हैं। वहीं औद्योगिक निवेश के मामले में प्राधिकरण ने नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

पहली बार चालू वित्तीय वर्ष में तीन माह शेष रहते हुए औद्योगिक निवेश के जरिए शहर को 315 करोड़ रुपये की आमदनी हुई है। यह जानकारी प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण ने दी है। सीईओ नरेंद्र भूषण ने मंगलवार को वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ वित्तीय वर्ष 2020-21 के लिए अथॉरिटी की बैलेंस शीट की समीक्षा की। सीईओ ने कहा वित्त विभाग की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2017 में वित्तीय वर्ष समाप्ति के दौरान ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण पर करीब 7,000 करोड़ रुपये का कर्ज था।

Sale Notice

The under mentioned Assets will be sold through auction on **"AS IS WHERE IS BASIS"** and **"AS IS WHAT IS BASIS"** for recovery of dues as per court orders, in the following cases:-

Sr. No.	Case Details	Asset Details
1.	ICICI Bank Ltd Vs Jitendra Chaturvedi, CM (M) 22/2020	Vehicle No-UP14FT7814, Make & Model -CHEVROLET SAIL UVA LT, Manu Year-2016,Reserve Price Rs.40,000/-, DD/PO amount Rs.4000/-, DD/PO is to be made in favour of ICICI BANK LIMITED Payable at Delhi and bidder has to bring original DD/PO at site with KYC.
2.	ICICI Bank Ltd Vs Subodh Kumar, CM (M) 602/2020 & CM APPL.30659/2020	Vehicle No-UP14FT6208, Make & Model -RENAULT LODGY RXE, Manu Year-2016, Reserve Price Rs.1,25,000/-, DD/PO amount Rs.12500/-, DD/PO is to be made in favour of ICICI BANK LIMITED Payable at Delhi and bidder has to bring original DD/PO at site with KYC
3.	ICICI Bank Ltd Vs Ata Abbas, CS No. 3387/18	Vehicle No-DL1RTB2176, Make & Model -MARUTI WAGON R LXI, Manu Year-2016, Reserve Price- Rs. 90,000/-, DD/PO amount-Rs. 9,000/- DD/PO is to be made in favour of ICICI BANK LIMITED Payable at Delhi and bidder has to bring original DD/PO at site with KYC
4.	ICICI Bank Ltd Vs Dev Prakash. CS (COMM) 1121-20	Vehicle No-UP16BW6148, Make & Model -HYUNDAI I-20 SPORTZ CRDI, Manu. Year-2018

Auction Date: 12-January-2022 From 11:00 am to 2:00 pm.
Venue: Godara Yard, Khewat No: 166/1, Near Atul Kataria Chowk, Behind Gyan Devi School, Sec-17, Sukhrali, Gurugram- 122022.
Contact Person- Rajeev Ranjan (8584874809)/ Jitendra Kumar (7304914763)

Terms of Sale

The particulars of the said asset specified herein above have been stated to the best of the information and knowledge of the undersigned, who shall however not be responsible for any error, misstatement or omission in the said particulars. The interested participant/s are therefore requested, in their own interest, to satisfy himself / themselves/ itself with regard to the said asset and other relevant details pertaining to it before submitting the bids. All bidders are required to come at site with original KYC proofs to participate in the auction and also original DD of EMD wherein applicable.
Successfully approved bidder shall have to deposit sale amount (Excluding EMD amount if applicable) within 5 days from the auction date by the way of pay order/demand draft/RTGS/NEFT. In case if you fail to make the remaining sale amount within 5 days, your EMD amount will be forfeited wherein you have submitted EMD.
The intending bidders may visit at **ICICI Bank Ltd, 1st Floor, SD Tower, Community Center, Plot no-7, Rohini Sector-8, New Delhi-110085.**for details and inspection of the said hypothecated vehicle.

एक महीने बाद पटरी पर लौटा नोएडा प्राधिकरण का कामकाज

● किसानों के कारण प्रभावित हुआ था कार्य

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा प्राधिकरण पर लगभग 3 महीने से किसान अपनी मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। फिलहाल किसानों का आंदोलन समाप्त कर दिया गया है। किसानों के इस प्रदर्शन के कारण नोएडा प्राधिकरण में काम काफी प्रभावित हुआ।

नोएडा के किसानों ने प्राधिकरण में किसी भी कर्मचारी काफी अधिकारी को काम करने नहीं दिया।

अब एक महीने बाद फ्री से स्थिति सामान्य होने लगी है। एक महीने बाद नोएडा प्राधिकरण के अधिकारी और कर्मचारी दफ्तर में बैठे लगे हैं। सभी स्थिति सामान्य हो गई है। दरअसल किसानों ने पूरे दिसंबर प्राधिकरण के मुख्य गेट पर प्रदर्शन करके कामकाज प्रभावित कर रखा था लेकिन काफी दिनों बाद सोमवार को अथॉरिटी के सभी विभागों में अधिकारी और कर्मचारी पहुंचे। अब लोग दफ्तर में अपने कार्यों को करवाने के आ रहे हैं।

किसानों की तमाम मांगे बोर्ड बैठक में रखी जानी है। जिसके बाद पूरी रिपोर्ट शासन को जाएगी।

नारी निकेतन में रहने वाली युवती की मौत

नोएडा। राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) में रह रही एक महिला की मंगलवार को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।

नारी निकेतन में करीब 12 दिन में तीन महिलाओं की मौत ने इसकी प्रबंधक कमेटी को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। गौतम बुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं। पुलिस आयुक्त आलोक सिंह के प्रवक्ता ने बताया कि राजकीय महिला शरणालय में रह रही रूबी क गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत के सही कारणों का पता लगाने के लिए शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

देशभक्ति को जगाएगा 1971 का योद्धा टी-55 टैंक

● मेट्रो स्टेशन के सामने शहीद पार्क में केंद्रीय मंत्री ने किया लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

1971 के युद्ध में नैनाकोट, बसन्तर व गरीबपुर में पाक सेना को धूल चटाने वाले टैंक टी-55 मंगलवार को शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन के सामने शहीद पार्क में स्थापित कर दिया गया।

केंद्रीय राज्य मंत्री व स्थानीय सांसद जनरल वीके सिंह ने इसका लोकार्पण किया। साथ ही उन्होंने पार्क के सौंदर्यकरण का भी लोकार्पण कर दिया। इस अवसर पर जनरल वीके सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस युद्ध टैंक की खासियत यह थी कि इसमें चार जवान बैठते थे और अंधाधुंध गोलियां चलाकर दुश्मन को धूल चटा देते थे।

अंधाधुंध गोलियां चलाने के लिए इसमें एंटी एयरक्राफ्ट गन भी लगी हुई थी। उन्होंने कहा कि टैंक की खासियत एक यह भी थी कि 14 किलोमीटर दूर तक यह टैंक शत्रु सेना को तबाह करने में सक्षम था। उन्होंने कहा कि आम लोगों में सेना की गरिमा बढ़े और लोगों में देशभक्ति और राष्ट्रवाद की भावना उत्पन्न हो, इस मकसद से इस टैंक को शहीद स्थल पर स्थापित किया गया है।

डीएम राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शहीद स्थल मेट्रो स्टेशन पर लगभग शहर में आने वाले कई लाख लोग प्रतिदिन आवागमन करते हैं। शहीदों के सम्मान के साथ-साथ शहर की सुंदरता भी विजय स्मारक टी 55 टैंक यहां स्थापित करने पर बढ़ी है।

संक्षिप्त समाचार

एक मंच पर दिखे नरेंद्र भाटी, तेजपाल व श्रीचंद शर्मा

नोएडा। दादरी के विधायक तेजपाल नागर एमएलसी एवं पूर्व मंत्री नरेंद्र भाटी और शिक्षक एमएलसी श्रीचंद शर्मा ने ग्रेटर नोएडा निवासियों को एक बड़ा तोहफा दिया है। यह तोहफा एनटीपीसी के सीएसआर के पैसों से दिया गया। दरअसल, जीटी रोड पर स्थित मिहिर भोज इंटर कॉलेज में पब्लिक लाइब्रेरी का शिलान्यास किया गया। इस पब्लिक लाइब्रेरी के शिलान्यास के लिए पहली किस्त आ गई है। एनटीपीसी के सीएसआर के द्वारा इस पब्लिक लाइब्रेरी का निर्माण किया जाएगा। इस मौके पर दादरी के विधायक तेजपाल नागर ने बताया कि दादरी में बनने वाली इस लाइब्रेरी के निर्माण से युवाओं को आगे बढ़ने का मौका मिलेगा।

जिला अस्पताल की नई चिकित्सा अधीक्षक का स्वागत

गाजियाबाद। डॉ. वंदना जिला एमएमजी अस्पताल की नई मुख्य चिकित्सक अधीक्षक बनाई गई हैं। मंगलवार को उन्होंने अपना पदभार ग्रहण कर लिया। इस मौके पर चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी संघ के अध्यक्ष हेमकरण नागर के नेतृत्व में डॉ. वंदना को बुके देकर गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। इस मौके पर मोहन लाल, संजय वर्मा, इतवारी, अलीहसन, विनोद व इकबाल समेत अनेक कर्मचारी उपस्थित थे।

समस्याओं को लेकर जल विभाग से नोवरा की बैठक

नोएडा। नोएडा विलेज रेजिडेंट्स एसोसिएशन द्वारा जल विभाग के जनरल मैनेजर आर पी सिंह से मुलाकात की। रोहिल्लरपुर निवासियों की मांग है कि ग्राम शाहपुर गोवर्द्धन पुर की पानी की टंकी से ही उन्हें सप्लाई दी जाये, जहां से सालों से उन्हें जल मिल रहा है और जहां जल का टीडीएस सेक्टर 132 की टंकी से बेहद कम है, शाहपुर सेक्टर 128 का टीडीएस लगभग 700 है जबकि सेक्टर 132 का लेवल 2700 से भी अधिक है।

विपिन कुमार मल्हन एंव वीके सेठ पैनल निर्विरोध विजयी

नोएडा। नोएडा एन्ट्रेप्रिनियोर्स एसोसिएशन के चुनाव प्रक्रिया के अंतर्गत मंगलवार को दोपहर 3:00 बजे विपिन कुमार मल्हन एंव वीके सेठ पैनल के निर्विरोध चुने जाने पर विजयी उम्मीदवारों को चुनाव अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र वितरित किए गये। इस अवसर पर नव निर्वाचित अध्यक्ष विपिन कुमार मल्हन ने कहा कि इस बार चुनाव में प्रत्याशियों के लिए फीस आधी कर दी गयी थी परन्तु फिर भी कोई अन्य पैनल मैदान में नहीं आया।

सार्वजनिक सूचना

ICICI Bank | शाखा कार्यालय : आईसीआईसीआई बैंक लि., तृतीय तल, प्लॉट नंबर 23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली—110005

निम्नलिखित कर्जदार/रों ने उनके द्वारा बैंक से प्राप्त की गई ऋण सुविधाओं के मूलधन और ब्याज के भुगतान में चूक की है और ये ऋण अनार्जक आस्तियों (एनपीए) के रूप में श्रेणीबद्ध किए गए हैं। उनको, वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002 की धारा 13 (2) के अधीन एक सूचना उनके अंतिम ज्ञात पतों पर प्रेषित की गई थी, हालांकि यह सुपुर्द नहीं की जा सकी और इसलिए एतद्द्वारा उनको इस सार्वजनिक सूचना द्वारा अधिसूचित किया जा रहा है।

क्र. सं.	कर्जदार/सह–कर्जदार/गारंटर का नाम (ऋण खाता संख्या) एवं पता	प्रत्याभूत आस्ति/प्रवर्तित की जाने वाली आस्ति का सम्पत्ति पता	प्रेषित सूचना की तिथि/सूचना की तिथि तक बकाया राशि	एनपीए तिथि
1.	श्री सालासर ओवरसीज, संजय कुमार गुप्ता, ज्ञान चंद अग्रवाल, नारायण कालोनाइजर्स प्रा. लि., नाउवीयू मल्टीमीडिया लि., संजय कुमार गुप्ता, बी14, हीरा नगर, गंगा जमुना क्रॉसिंग, मानसरोवर, जयपुर, राजस्थान / खाता नंबर एलबीजीयूआर00001329278	एन–2/32, एन–2/32, डीएलएफ सिटी फेज–II, गुरूग्राम, हरियाणा	01–11–2021 रू. 76,15,156.11	09.08. 2021
2.	शालिनी शर्मा, संजय दधीच, एक्सप्लो मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, अपार्टमेंट नंबर 1619–ए, दि मंगोलियाज डीएलएफ गोल्फ कोर्स गुरूग्राम, हरियाणा / खाता नंबर एलबीजीयूआर00003957467 एवं एलबीजीयूआर00004776573	फ्लैट नंबर पीएल–1/2101, 21वां तल, टावर पीएल–1, हाईएंड–1, पारस क्वार्टियर, ग्राम ग्वाल पहाड़ी, सेक्टर–2, गुरूग्राम, हरियाणा	28–10–2021 रू. 4,12,68,326.9 एवं रू. 19,71,395.92	31.01. 2021
3.	राम चंदर मीना, माया', फ्लैट नंबर 100, सेक्टर–19, पाकेट–2, द्वारका, नई दिल्ली / खाता नंबर एलबीडीईएल00001094280	फ्लैट नंबर 533, 9वां तल, पाकेट–8, द्वारका, दिल्ली	04–08–2021 रू. 10,30,652.22	31.03. 2021
4.	रमा कांत बेहेरा, मिनाटी लता साहू, मकान नंबर ए–1/124, न्यू कोंडली, दिल्ली/ खाता नंबर एलबीडीईएल00002380953 एवं एलबीडीईएल00002354573	फ्लैट नंबर 50, द्वितीय तल, डीडीए एलआईजी, ब्लॉक बी–2, पाकेट–5, सेक्टर–35, रोहिणी, दिल्ली	20–08–2021 रू. 64,472/– एवं रू. 11,18,799.7	11.01. 2021
5.	विपिन कुमार, देवेन्द्र, कृष्णा देवी, मकान नंबर 151 जे–ब्लॉक, मेफील्ड गार्डन, गुरूग्राम, हरियाणा, खाता :– एलबीडीईएल00005133691	शोरूम रूम–1397/29, प्लॉट नंबर 245 आर, बाटा शोरूम, माडल टाउन, दिल्ली रोड, रोहतक, हरियाणा	23–07–2021 रू. 61,60,864/–	31.12. 2020
6.	आकाश मिश्रा, इंद्रा मिश्रा, फ्लैट नंबर बी 1/26, एसएफ–2, डीएलएफ अंकुर विहार, गाजियाबाद खाता संख्या :– एलबीएनओडी00004979181	फ्लैट नंबर 140199, 12वां तल, टावर वी, 14वां एवेन्यू, प्लॉट नंबर जीसी 12 तथा जीसी 14, जीएच–03, सेक्टर–16सी, ग्रेटर नोएडा, नोएडा–201307	28–06–2021 रू. 1,27,494/–	31.01. 2021
7.	अक्षय ग्रोवर, इंदर मोहन, बी–30, ब्लॉक बी, न्यू कृष्णा पार्क, विकास पुरी, दिल्ली/खाता नंबर एलबीडीईएल00001951008 एवं एलबीएनओडी00001953710	फ्लैट नंबर एफ–2, प्रथम तल (एचआईजी) बैक साइड (छत का अधिकार नहीं), प्लॉट नंबर नीति खंड–II/458, इंदिरा पुरम, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	28–06–2021 रू. 20,44,896/– एवं रू. 60,293.7	31.01. 2021
8.	धनलक्ष्मी बेहेरा, गारा रजनीकांत राव, फ्लूमेक इंजीनियरिंग प्रा. लि., एफ–10, एफ ब्लॉक, विकास पुरी, दिल्ली/खाता नंबर एलबीडीईएल00002282447	प्लॉट नंबर 10, ब्लॉक नंबर एफ, विकासपुरी, नई दिल्ली	28–06–2021 रू. 20,42,392/–	31.01. 2021
9.	कुशा चरण स्वैन, श्रंद्धांजलि स्वैन, मकान – 6/2/29, भू तल, सेक्टर–6, वैशाली, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश/ खाता नंबर एलबीजीएचजैड00002360284	फ्लैट नंबर 1602, 16वां तल, ब्लॉक बी, गायत्री ऑरा टावर, प्लॉट नंबर जीएच–011, सेक्टर–01, ग्रेटर नोएडा, नोएडा	17–07–2021 रू. 17,94,858/–	11.01. 2021
10.	पारूल गोयल, इंडियन एम्ब्रोइडर्स, विकल्प गोयल, 22/1, पटपड़गंज ग्राम, तृतीय तल, मयूर विहार फेज–1, दिल्ली /खाता नंबर एलबीडीईएल00003296851	फ्लैट नंबर 702, ब्लॉक बी, 7वां तल, दिव्यांश फैबियो, प्लॉट नंबर जीएच–5ए, क्रॉसिंग रिपब्लिक, एनएच–24, डूंडाहेड़ा, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश	17–07–2021 रू. 54,18,130/–	31.10. 2020
11.	प्रदीप जैन, वंदना जैन, 17/31, ब्लॉक 17, शक्ति नगर, दिल्ली/ खाता नंबर एलबीडीईएल00001932676	टी–15–203, द्वितीय तल, टावर 15, पार्श्वनाथ प्रिविलेज, ग्रेटर नोएडा, नोएडा	17–07–2021 रू. 26,13,762.2/–	31.01. 2021

सूचना प्रदान करने हेतु वैकल्पिक कदम उठाए जा रहे हैं। उपरोक्त कर्जदार/रों तथा/अथवा उनके गारंटरों (जैसा लागू है) को बकाया राशि का भुगतान इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 60 दिन के भीतर करने की सलाह दी जाती है, अन्यथा आगे वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम, 2002, के प्रावधानों के अनुसार आगे कदम उठाए जाएंगे।

तिथि : 05–01–2022
स्थान : दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड

पहचान की अपील

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति जिसका नाम **नामालूम पुत्र नामालूम** निवासी नामालूम आयुः 30 वर्ष, कदः 5'7'', रंग गेहूंआ, अंडाकार चेहरा, सामान्य शरीर जो अस्पताल के कपड़े पहने हुए था जो दिनांक 06.06.2020 को जीटीबी अस्पताल, दिल्ली में मृत पाया गया। इस संदर्भ में डीडी संख्या 87–ए दिनांक 06.06.2020 थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली में दर्ज है।

यदि किसी सज्जन को इस मृत व्यक्ति के बारे में कोई भी जानकारी या सूचना हो तो निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थाना प्रभारी
थाना जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली
फोनः **7065036031, 9873322997**

DP/684/SHD/2022

पहचान की अपील

आम जनता को सूचित किया जाता है कि एक व्यक्ति जिसका **नामः** नामालूम, **पुत्रः** नामालूम, **पताः** नामालूम, **उम्रः** 30–35 साल, **कदः** 5', **लिंगः** पुरूष, **रंगः** सांवला, **शरीरः** मध्यम, **चेहराः** लम्बा, **पहनावाः** हल्के नीले रंग की टी–शर्ट, पीले रंग का गमछा एवं नंगे पैर था, **बरामदी स्थलः** जो पी.एस. जी.टी.बी. एन्कलेव, दिल्ली क्षेत्र में मृत पाया गया।

इस सम्बंध में **DD No. 2A, दिनांक 26.02.2017 पुलिस स्टेशन, जी.टी.बी. एन्कलेव, दिल्ली** में दर्ज है। यदि इसके बारे में कोई सुराग या जानकारी मिले तो इसकी सूचना तुरंत निम्नलिखित पते पर दें।

थाना प्रमुख
पुलिस स्टेशन, जी.टी.बी. एन्कलेव,, दिल्ली
फोन नं.: 011-22580947

DP/673/SHD/2022

भौतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर –23, शाल टॉवर, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली –110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तिय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह–कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा भौतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पति का विवरण/ भौतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	सुनील कुमार / अमित कुमार वर्मा खाता नंबर– LBDEL00002367176	फ्लैट नंबर 55, ब्लॉक– सी 7, पॉकेट–3, तीसरी मंजिल, सेक्टर जी8, नरेला, दिल्ली/ 03–जनवरी–2022	नवम्बर 30, 2019 ₹ 12,23,945/-	दिल्ली

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह–कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 05, 2022
स्थान: दिल्ली/एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

सांकेतिक कब्जे की सूचना

ICICI Bank | **शाखा कार्यालय:** आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड, तीसरी मंजिल, प्लॉट नंबर–23, न्यू रोहतक रोड, करोल बाग, दिल्ली –110005

जबकि

अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण एवं पुनर्निर्माण तथा प्रतिभूति हित प्रवर्तन अधिनियम 2002 के अंतर्गत आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रुप में तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियमावली 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13 (12) के अधीन प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में नीचे वर्णित कर्जदारों को मांग सूचनाएं निर्गमित की थी जिसमें उक्त सूचना के प्राप्ति की तिथि से 60 दिनों के अंदर सूचना में वर्णित राशि को प्रतिभुगतान करने को कहा गया था।

कर्जदार/सह–कर्जदार/जमानतदार राशि का प्रतिभुगतान करने में विफल रहे है अतएव एतद् द्वारा कर्जदार तथा जनसाधारण को सूचित किया जाता है कि अधोहस्ताक्षर दाता द्वारा सांकेतिक अधिग्रहण किया गया है जो कि उक्त अधिनियम धारा 13(4) के तहत नियम 8 में दर्शाया गया है। संपत्ति तथा अधिग्रहण की तिथि नीचे दर्शाई गई है एतद् द्वारा विशेष रुप से कर्जदार एवं जनसाधारण को सम्पत्ति के संव्यवहार नहीं करने के लिए सचेत किया जाता है तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी संव्यवहार इसमें वर्णित राशि तथा उस पर आगे ब्याज हेतु आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड के प्रभार के अधीन होगा।

क्र.	कर्जदार/ सह–कर्जदार का नाम/ खाता क्र.	सम्पत्ति का विवरण/ सांकेतिक कब्जे की तिथि	डिमांड नोटिस की तिथि/ डिमांड नोटिस में राशि (रु.)	शाखा का नाम
1.	एस.के. नंदा एफ और बी फूड सेंटर राम नंदा/ विजय प्रकाश नंदा/ वीणा नंदा/ नरेंद्र प्रकाश नंदा/ प्रतीक नंदा/ सुरिंदर प्रकाश नंदा/ LBDEL00004713455/ LBDEL00005314811	ग्राउंड और पहली मंजिल, प्लॉट नंबर–सी–2, विशाल एन्क्लेव राजौरी गार्डन, नई दिल्ली/ 01 जनवरी, 2022	अगस्त 24, 2021/ ₹ 1,68,94,644/-	दिल्ली/ एनसीआर

उपरोक्त दर्शाये गये कर्जदार/सह–कर्जदार एवं जमानतदारों को सूचित किया जाता है कि इस सूचना के प्रकाशन से 30 दिनों के अंदर राशि का भुगतान करें अन्यथा 30 दिनों की समाप्ति के पश्चात अधिग्रहित संपत्ति की नीलामी कर दी जायेगी जो पूर्णतः नियम 8 और 9 सुरक्षित ब्याज 2002 के अंतर्गत है।

दिनांक: जनवरी 05, 2022
स्थान: दिल्ली/ एनसीआर

प्राधिकृत अधिकारी
आईसीआईसीआई बैंक लि.

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक नरेन्द्र कुमार द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाषः 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। कार्यकारी संपादकः नवीन उपाध्याय, स्थानीय सम्पादकः प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

ऑक्सीजन टैंकों में लगेंगे टेलीमेट्री डिवाइस

सरकारी-निजी अस्पतालों के सभी टैंकों की हो सकेगी मेडिकल ऑक्सीजन की रियल-टाइम मॉनिटरिंग

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के सरकारी व निजी अस्पतालों में मेडिकल ऑक्सीजन की आपूर्ति सुचारू करने और रियल-टाइम मॉनिटरिंग के लिए सभी ऑक्सीजन टैंकों में टेलीमेट्री डिवाइस लगाए जा रहे हैं। इससे लाइव मॉनिटरिंग की जा सकेगी और आपदा के वक्त रहते ऑक्सीजन का इंतजाम हो सकेगा। वॉर रूम से इसकी लाइव मॉनिटरिंग की जाएगी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के निर्देश पर दिल्ली के 53 बड़े निजी और सभी सरकारी अस्पतालों के लिए एक्शन प्लान जारी किया है।

कोविड-19 महामारी की दूसरी लहर में दिल्ली समेत देश भर में अचानक से अस्पतालों में ऑक्सीजन की किल्लत होने लगी थी। कई अस्पतालों ने अपने यहाँ ऑक्सीजन खत्म होने का आपातकालीन अलार्म बजाना शुरू कर दिया था। सरकार के लिए यह सुनिश्चित करना मुश्किल हो रहा था कि किस अस्पताल को पहले ऑक्सीजन पहुंचाई जाए और कौन से अस्पताल को इसकी सबसे ज्यादा जरूरत है। उस समय केंद्र सरकार द्वारा ऑक्सीजन के आवंटन की प्रक्रिया को नियंत्रित किया जा रहा था, जिस कारण सभी राज्यों के लिए ऑक्सीजन का इंतजाम कर पाना बहुत मुश्किल हो गया था।

इस मुश्किल दौर से सबक लेते हुए दिल्ली सरकार ने ऑक्सीजन की आपूर्ति की समीक्षा करते हुए और कोविड-19 की तीसरी लहर को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया है कि वह सभी निजी और सरकारी अस्पतालों में मौजूद लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंको में टेलीमेट्री डिवाइस लगाना शुरू कर दिया है। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि किस अस्पताल में कितनी मात्रा में ऑक्सीजन उपलब्ध है, ताकि आपातकालीन स्थिति में समय रहते उस अस्पताल तक ऑक्सीजन पहुंचाया जा सके।

फाइल फोटो

टेलीमेट्री डिवाइस टैंकों के लिए क्यों है जरूरी

एलएमओ यानी की लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन कुछ और नहीं, बल्कि उच्च शुद्धता वाली ऑक्सीजन है, जिसका इस्तेमाल चिकित्सा उपचार के लिए किया जाता है। गंभीर कोविड ??-19 के मरीजों के इलाज के लिए ऑक्सीजन बहुत जरूरी है। क्योंकि कोरोना वाइरस फेफड़ों की कार्य प्रणाली को प्रभावित करता है और धीरे-धीरे फेफड़े बाहर से ऑक्सीजन लेने में असक्षम हो जाते हैं और इससे शरीर के विभिन्न हिस्सों में ऑक्सीजन की आपूर्ति बाधित होती है। इससे कोविड-19 मरीजों में सांस लेने जैसी तकलीफ के साथ-साथ शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम होने जैसी समस्याएँ आने लगती हैं। मरीज को ऑक्सीजन थेरेपी की जरूरत पड़ती है, जिसकी आपूर्ति एलएमओ टैंकों में रखे मेडिकल ऑक्सीजन के जरिए की जाती है। यह मेडिकल ऑक्सीजन अस्पतालों के बाहर बड़े टैंकरों में रखे जाते हैं और जरूरत पड़ने पर पाइप लाइन के जरिए या फिर ऑक्सीजन सिलेंडर के माध्यम से मरीजों तक पहुंचाए जाते हैं। टेलीमेट्री डिवाइस इन लिक्विड मेडिकल ऑक्सीजन टैंको में लगाए जाते हैं, ताकि रियल-टाइम में इसकी निगरानी की जा सके।

वैक्सीन की एक खुराक लेने वाले कर्मियों को ही जामिया में मिलेगा प्रवेश

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण बढ़ने पर जामिया मिल्लिया इस्लामिया के प्रशासन ने निर्देश दिया है कि केवल उन कर्मचारियों को ही विश्वविद्यालय परिसर में आने की अनुमति होगी, जिन्होंने कोविड-19 रोधी टीके की कम से कम एक खुराक ली होगी। यह फैसला विश्वविद्यालय परिसर में कोविड संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए लिया गया है।

विश्वविद्यालय ने 31 दिसंबर को जारी एक आदेश में कहा कि जिन कर्मचारियों ने टीके की एक भी खुराक नहीं ली है उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी और उन्हें अपने कार्यालयों में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाएगी। आदेश में कहा गया है कि ऐसे कर्मचारियों की ड्यूटी से अनुपस्थिति की अवधि को कोविड-19 टीके की पहली खुराक लेने तक 'अवकाश पर' माना जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन कर्मचारियों के टीकाकरण की स्थिति की जांच भी करेगा।

कोरोना की चपेट में आने लगे अस्पतालों के डॉक्टर्स

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● एम्स प्रशासन ने अपने संकाय सदस्यों की सर्दियों की छुट्टियां की रद्द

कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के साथ अब अस्पतालों में काम करने वाले डॉक्टर समेत अन्य स्वास्थ्य कर्मी भी बड़ी संख्या में संक्रमित होने लगे हैं। अभी तक जिन छह बड़े अस्पतालों के डॉक्टर्स कोरोना की चपेट में आए हैं उनमें सफदरजंग, एम्स ट्रॉमा सेंटर, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, राम मनोहर लोहिया अस्पताल आदि के डॉक्टर भी शामिल हैं।

जानकारी के मुताबकि सफदरजंग अस्पताल के 23, लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज अस्पताल के 15, आरएमएल के 5, एम्स ट्रॉमा सेंटर के 6, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल के 04 और एलएनजेपी अस्पताल के 05 डॉक्टर अब तक कोरोना संक्रमति हो चुके हैं। इसके चलते शहर के स्वास्थ्य ढांचे को संकट की स्थिति का सामना करना पड़ सकता है।

सूत्रों ने बताया कि हिंदू राव अस्पताल के 20 चिकित्सक संक्रमित हो गये हैं। वहीं, दिल्ली सरकार द्वारा संचालित लोकनायक जयप्रकाश (एलएनजेपी) अस्पताल की उप चिकित्सा अधीक्षक डॉ ऋतु सक्सेना ने कहा कि संस्थान के सात चिकित्सक संक्रमित हुए हैं, उनमें से तीन को विशेष वार्ड में रखा गया है जबकि शेष घर पर पृथकवास में हैं। दिल्ली सरकार ने बार-बार इस बात पर जोर दिया है कि इस बार ज्यादातर मामले हल्के लक्षण वाले या बगैर लक्षणों के हैं। आंकड़ों से यह प्रदर्शित होता है कि अस्पतालों में कोविड मरीजों की संख्या और जिन्हें ऑक्सीजन एवं वेंटिलेटर सहायता की जरूरत है, उनकी संख्या बढ़ी है।

ग्रामीण क्षेत्र में खेल प्रतिभाएं निखारेगा निगम

एसडीएमसी के विद्यालयों में शुरू होगा ग्रासरूट फुटबॉल प्रशिक्षण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दक्षिणी निगम ने ग्रामीण क्षेत्रों में खेल प्रतिभाओं को निखारने एवं उन्हें प्रोत्साहन देने के लिए एक पॉयलेट प्रोजक्ट आरंभ किया है जिसके अंतर्गत स्पोर्ट्स सेल स्थापित किया गया है। यह जानकारी निगम आयुक्त ज्ञानेश भारती ने दी।

उन्होंने बताया कि नजफगढ़ क्षेत्र से स्पोर्ट्स सेल एवं ग्रासरूट फुटबॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ करने की रूपरेखा तैयार की है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने स्कूली बच्चों में खेलों एवं शारीरिक शिक्षा को बल देने के लिए 'खेलो इंडिया' कार्यक्रम आरंभ किया था। एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क निवास करता है इसी परिकल्पना को आधार मानकर दक्षिणी दिल्ली नगर निगम ने छात्रों में खेलों के प्रति रुचि उत्पन्न करने एवं उन्हे उच्च कोटि का प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए एक स्पोर्ट्स सेल का गठन करने का निर्णय लिया है तथा इसी कड़ी में नजफगढ़ क्षेत्र में ग्रासरूट फुटबॉल प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आरंभ किया जायेगा, जिसके लिए अनुबंध आधार पर फुटबॉल प्रशिक्षकों के लिए दक्षिणी निगम ने आवेदन मंगाए हैं।

आयुक्त भारती ने प्रस्तावित स्पोर्ट्स सेल के गठन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि निगम विद्यालयों के छात्रों के लिए खेलों का किसी भी प्रकार का आधारभूत ढांचा उपलब्ध नहीं है। इस कमी को पूरा करने के लिए निगम का शिक्षा विभाग स्पोर्ट्स काम्पलेक्स/स्टेडियम एवं बड़े खेल के मैदानों के डिजाइन, निर्माण, संचालन एवं हस्तांतरण आधार पर विकसित करने की योजना पर कार्य कर रहा है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी निगम के विद्यालयों में ग्रामीण एवं वंचित वर्ग के छात्रों के लिए खेल सुविधाओं का निर्माण करना वक्त की मांग है तथा प्राथमिक स्तर पर पाठ्यक्रम में खेलों को सम्मिलित करने से छात्रों का शारीरिक विकास भी अच्छा होगा वहीं दूसरी ओर देश में पेशेवर खेलों के क्षेत्र में भी विकास होगा।

घोघा डेयरी में कंप्रेस्ट बायो गैस प्लांट लगाने को लेकर उत्तरी निगम के साथ हुए करार के दौरान उपस्थित आईजीएल के अधिकारी।

घोघा डेयरी में बनेगा कंप्रेस्ड बायो गैस प्लांट

उत्तरी निगम ने इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ किया समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अपने अधिकार क्षेत्र में कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र और एकीकृत सीबीजी-सीएनजी फ्यूल स्टेशन की स्थापना के लिए इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। इस अवसर पर निगम आयुक्त संजय गोयल, प्रमुख निदेशक, पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं, प्रदीप बंसल, निदेशक वाणिज्यिक आईजीएल, पवन कुमार, उपाध्यक्ष आईजीएल, संजीव कुमार भाटिया व निगम के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। निगम की ओर से प्रमुख निदेशक, पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं, प्रदीप बंसल और आईजीएल की ओर से निदेशक वाणिज्यिक पवन कुमार ने डॉ. एसपीएम सिविक सेंटर में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

इस अवसर पर आयुक्त ने बताया कि निगम इस परियोजना के लिए घोघा डेयरी में लगभग 3 एकड़ भूमि प्रदान करेगी, जिसमें लगभग 11000 वर्ग मीटर बायोगैस संयंत्र की स्थापना के लिए व लगभग 1000 वर्ग मी. एकीकृत सीबीजी-सीएनजी ईंधन स्टेशन के लिए शामिल है।

आईजीएल अधिकारियों ने साइट का निरीक्षण कर इस स्थान को परियोजना के लिए उपयुक्त पाया है। उन्होंने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2016 के तहत प्लांट को बायो-डिग्रेडेबल वेस्ट (गीला कचरा) उपलब्ध कराएगी।

प्रमुख निदेशक, पर्यावरण प्रबंधन सेवाएं, प्रदीप बंसल ने बताया कि 100 टीपीडी के जैव-मिथेनेशन के बाद उत्पन्न विभिन्न घटकों के अपेक्षित उत्पादन में 4000 किलोग्राम सीबीजी प्रति दिन, 15 टन प्रति दिन सिटी कम्पोस्ट, 50 केएल प्रति दिन शामिल हैं। उन्होंने बताया कि निगम इस संयंत्र से उत्पन्न जैव खाद / उर्वरक का उपयोग अपने क्षेत्र में नर्सरी, उद्यान, हरित पट्टी को विकसित करने के लिए करेगी और आईजीएल निर्धारित लागत पर इसे खुले बाजार में बेचेगी।

सिसोदिया के जवाब के विरोध में भाजपा का सदन से वॉकआउट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● विधानसभा सत्र के दूसरे दिन उठाया था कोविड से जान गंवाने वालों का मुद्दा

दिल्ली विधानसभा सत्र के दूसरे दिन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने आरोप लगाया कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कोविड से जान गंवाने वाले लोगों को मुआवजा देने की दिल्ली सरकार की शक्ति छीन ली है, तो भाजपा विधायकों ने इसका विरोध करते हुए सदन से वॉकआउट किया।

सिसोदिया ने भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता को निरर्थक बात नहीं करने को लेकर आगाह भी किया। गुप्ता ने पूछा था कि महामारी से मृत लोगों के आश्रितों को दिल्ली सरकार अनुकंपा के आधार पर नौकरी क्यों नहीं दे रही है। सिसोदिया ने इसके जवाब में भाजपा की आलोचना की और कहा कि उन्हें इसके लिए गृहमंत्री अमित शाह और तथा उपराज्यपाल के पास जाकर सवाल करना चाहिए।

उपमुख्यमंत्री सिसोदिया ने कहा कि केजरीवाल सरकार, ड्यूटी पर तैनात किसी भी कर्मचारी के देहांत के बाद उसके परिजन को नौकरी देने के पक्ष में है लेकिन यह सेवा विभाग के अंतर्गत आता है जो दिल्ली के उपराज्यपाल के अधीन है।

इस मामले में शाह का नाम लिए जाने पर नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने सदन में अमित शाह जिंदाबाद के नारे लगाए और भाजपा के अन्य विधायकों के साथ बहिर्गमन किया।

बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र का नाम एपीजे अब्दुल कलाम रखने की मांग

नई दिल्ली। भाजपा विधायक अजय महावर ने विधानसभा सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को दिल्ली के बाबरपुर विधानसभा क्षेत्र का नाम पूर्व राष्ट्रपति एवं वैज्ञानिक एपीजे अब्दुल कलाम के नाम पर रखे जाने की मंगलवार को मांग की। भाजपा के एक और विधायक अभय वर्मा ने भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टेशन का नाम बदलकर लक्ष्मी नगर-शकरपुर मेट्रो स्टेशन रखने का अनुरोध किया।

उन्होंने कहा कि शकरपुर उनके निर्वाचन क्षेत्र का एक पुराना गांव है और स्थानीय लोगों की भावनाओं का सम्मान करने के लिए नाम बदला जाना चाहिए। महावर ने कहा कि मुगल सम्राट बाबर एक आक्रमणकारी था और उसने देश पर कब्जा करने और उस पर शासन करने के लिए अपनी तलवार का इस्तेमाल किया।

बाबरपुर निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक एवं दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय करते हैं। भाजपा के दोनों विधायकों ने विधानसभा सत्र के दौरान विशेष उल्लेख के तहत अपनी मांगों को रखा।

विस सत्र से मुख्यमंत्री की दूरी पर कौन देगा जवाब : कांग्रेस

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पूर्व विधायक ने दिल्ली में बढ़ते कोविड संक्रमण पर उठाए सवाल

दिल्ली में कोविड संक्रमण के बढ़ते प्रसार और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की बदहाल स्थिति के लिए कांग्रेस ने दिल्ली सरकार पर सवाल उठाते घेरा है। कांग्रेस ने दो दिवसीय सत्र के दौरान मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल की दूरी पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह कर्तव्य निर्वहन करने में पूरी तरह से विफल साबित हुए।

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के कम्यूनिकेशन विभाग के चैयरमेन एवं पूर्व विधायक अनिल भारद्वाज ने मंगलवार को कहा कि कोविड संक्रमण और आर्थिक संकट के दौर से जूझ रही दिल्ली के विधानसभा सत्र में लोगों के कल्याणकारी हितों का एजेंडा कही नजर नही आया, सिर्फ दिल्ली के करदाताओं का पैसा बर्बाद किया गया।

उन्होंने कहा कि केजरीवाल मौजूदा समस्याओं का समाधान करने में विफल रहे है, सरकार भ्रष्टाचार में डूबी है, विफलताओं के लिए केंद्र सरकार पर आरोप लगाते है, दिल्ली को भगवान भरोसे छोड़ दूसरे राज्यों में राजनीति जमाने के लिए कोविड मापदंडों का उल्लंघन करके चुनाव प्रचार कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कम्युनिटी सेंटर के लोकार्पण के दौरान उपस्थित निगम और डीडीए के अधिकारी।

सामुदायिक भवन का किया लोकार्पण

नई दिल्ली। मंगलवार को भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी को शास्त्री पार्क स्थित डिस्ट्रिक्ट सेंटर में डीडीए द्वारा निर्मित दो मंजिला सामुदायिक भवन का लोकार्पण करना था लेकिन अचानक कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उन्होंने कार्यक्रम में आना स्थगित किया उनकी अनुपस्थिति में पूर्वी दिल्ली नगर निगम शाहदरा उत्तरी क्षेत्र के जोन चेयरमैन प्रवेश शर्मा, उत्तर पूर्वी दिल्ली के जिला अध्यक्ष मोहन गोयल द्वारा लोकार्पण किया गया। इस अवसर पर दिल्ली विकास प्राधिकरण के पूर्वी क्षेत्र के असिस्टेंट इंजीनियर आर के चौधरी, कंवर पाल सिंह, कनिष्ठ अभियंता रिजवान, सहायक अभियंता इलेक्ट्रिकल मनोज कुमार, कनिष्ठ अभियंता मनीष गौड़, सुपरिटेंडिंग इंजीनियर कार्यालय के अधिकारी पवन शर्मा, भाजपा पूर्वांचल मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कौशल मिश्रा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष आनंद त्रिवेदी, सचिन मावी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

दिलशाद गार्डन स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल में लगाया गया आईसीयू बेड।

स्वामी दयानंद अस्पताल में मेडिकल आईसीयू सुविधा शुरु

नई दिल्ली। कोरोना संक्रमण को देखते हुए पूर्वी दिल्ली नगर निगम ने दिलशाद गार्डन स्थित स्वामी दयानंद अस्पताल में 10 आईसीयू बेड की सुविधा शुरू कर दी है। कोविड-19 संक्रमण की दूसरी लहर के दौरान स्वामी दयानंद अस्पताल में आईसीयू बेड की सुविधा उपलब्ध नहीं थी। इसके चलते बहुत सारे मरीजों को स्वामी दयानंद अस्पताल से अन्य अस्पतालों में रेफर करना पड़ा था जिससे मरीजों को काफी असुविधा हुई थी। स्वामी दयानंद अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक, डॉ. रजनी खेडवाल ने बताया कि कोविड-19 की तीसरी संभावित लहर को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार द्वारा पूर्वी दिल्ली नगर निगम के एकमात्र बड़े अस्पताल को आईसीयू बेड तैयार करने के निर्देश दिए गए थे। अस्पताल प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू की व अस्पताल के वार्ड नंबर 4 को 10 बेड वाले मेडिकल आईसीयू में विकसित किया।

पचास लाख रुपए लूटने वाला आरोपी धरा

नई दिल्ली। दिल्ली में एक व्यवसायी के दो कर्मचारियों से 50 लाख रुपये लूटने के आरोप में 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक दिल्ली के ही कराला इलाके का रहने वाला आरोपी मनप्रीत सैनी (27) लूटपाट और झपटमारी समेत 25 से अधिक मामलों में शामिल रहा है। पुलिस लूटपाट की ताजा वारदात में शामिल उसके दो साथियों को तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना 27 दिसंबर को पश्चिम दिल्ली के तिलक नगर इलाके में हुई।

नई दिल्ली के एक टीकाकरण केंद्र पर एक किशोरी को कोविड वैक्सीन लगाती स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : रंजन डिमरी

दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी को विस में मिली मंजूरी

मेरठ में बनने वाले स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का मॉडल दिल्ली खेल विवि जैसा : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सर्वसम्मति से पास हुआ विधेयक 2022

विधानसभा ने मंगलवार को दिल्ली शिक्षक विश्वविद्यालय विधेयक पास कर दिया। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने इस विधेयक पर हुई चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी से निकले टीचर भारत को विश्वगुरु बनाएंगे।

किसी भी देश को विश्वगुरु वहां के नेता नहीं बना सकते बल्कि वहां के टीचर उस देश को विश्वगुरु बनाते हैं। विधेयक इस विधानसभा से पास हो कर जा रहा है। इस यूनिवर्सिटी से देश में टीचर की गुवत्ता इतनी बढ़िया हो जायेगी कि उसकी चर्चा दुनिया भर में होगी।

मनीष सिसोदिया ने कहा कि दिल्ली टीचर्स यूनिवर्सिटी बेहतरीन गुरु बनाएगी जो इस देश को विश्व गुरु बनाएंगे। साथ ही ये विवि देश में टीचर्स ट्रेनिंग का एक नया मानदंड खड़ा करेगी। देश में जब तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्विद्यालयों में चाणक्य जैसे शिक्षक थे तब पूरी दुनिया में अपने देश की धाक थी। यहां के शिक्षा की चर्चा होती थी। एक बार फिर से वो दिन वापस लौटेगा और हमारा भारत विश्व गुरु कहलाएगा। यहां से निकले शिक्षक देश भर में एक ऐसी पीढ़ी खड़ा करेंगे जो अपने ज्ञान विज्ञान की बदौलत देश को दुनिया में सबसे आगे खड़ा कर देंगे।

उपमुख्यमंत्री कहा कि केजरीवाल सरकार की नीतियों की चर्चा आज देश दुनिया में भी हो रही है। देश की दूसरी सरकारें तो केजरीवाल मॉडल की नकल करने में लगी हैं। प्रधानमंत्री ने मेरठ में स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी का शिलान्यास किया।

मादक पदार्थ की आपूर्ति करने के आरोप में युवती गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● महिला के पास से कुल 2,065 ग्राम गांजा किया गया जब्त

दक्षिण-पूर्वी दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन क्षेत्र से 22 वर्षीय एक महिला को मादक पदार्थ की आपूर्ति करने के आरोप में युवती ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि युवती के पास से कुल 2,065 ग्राम गांजा जब्त किया गया।पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान हजरत निजामुद्दीन निवासी आसमा उर्फ नसीमा के रूप में की गई है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि रविवार को पुलिस को सूचना मिली थी कि एक महिला स्कूटर से भोगल में किसी व्यक्ति को मादक पदार्थ बेचने आएगी। उन्होंने बताया कि पुलिस ने जाल बिछाकर महिला को पकड़ लिया। अधिकारी ने बताया कि महिला के पास से कुल 2,065 ग्राम गांजा जब्त किया गया। पुलिस ने बताया कि आसमा विधवा है। पुलिस के अनुसार उसके पति की पिछले साल एक पुरानी बीमारी के कारण मौत हो गई थी।

सिंगल मदर के बच्चों के लिए बना पहला जाति प्रमाण पत्र

राजधानी में पहली बार माता के प्रमाण पत्र के आधार पर दिए गए सर्टिफिकेट : सिसोदिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी अब एससी, एसटी वर्ग की सिंगल मदर्स के बच्चों को अब जाति प्रमाण पत्र मिल सकेगा। दिल्ली में पहली बार बच्चों को उनकी माता के प्रमाण पत्र के आधार पर अनूसूचित जाति/जनजाति के प्रमाण पत्र दिए गए। करोल बाग से आम आदमी पार्टी के विधायक के प्रयासों के बाद यह सम्भव हुआ है। इस श्रेणी के प्रमाण पत्र दिए जाने की प्रक्रिया में संशोधन किया गया है। उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने विधायक विशेष रवि की मौजूदगी में गीता देवी को उनके बेटे का जाति प्रमाण पत्र दिया है।

दिल्ली सरकार के अनुसर, सिंगल मदर वो महिलायें होती है, जिन्हें उनके पति द्वारा निष्काषित कर दिया जाता है या फिर जिन्हें पति ने तलाक दे दिया हो या फिर उनके पति ने किसी दूसरी महिला से शादी कर ली हो। ऐसी महिलाओं के बच्चों को अब अपनी माता के एससी/एसटी वर्ग प्रमाण पत्र के आधार पर एससी/एसटी वर्ग का प्रमाण पत्र मिल सकेगा। अभी तक एससी/एसटी वर्ग का प्रमाण पत्र केवल पिता के एससी/एसटी वर्ग के प्रमाण पत्र के आधार पर ही मिला करता था। जिसकी वजह से सिंगल मदर्स अपने बच्चों को यह अधिकार नहीं दिलवा पाती थी। अगर वह ऐसा करने की पहल भी करती थीं तो उनको अपने ससुराल वालों की प्रताड़ना सहनी पड़ती थी। इस वजह ऐसे बच्चे अपने संवैधानिक अधिकारों से वंचित रह जाते थे।

इससे पहले कोर्ट ने भी माना की अगर बच्चे ने समाज का दुर्व्यवहार सहा है तो वह अपनी माता की जाति पर जाति प्रमाण पत्र बनवा सकता है। गीता देवी एससी वर्ग की एक ऐसी महिला है जो की सिंगल मदर है। जिन्होंने अपने बच्चे को एससी वर्ग का प्रमाण पत्र दिलवाने के लिए 8 वर्षों तक संघर्ष किया है। उनके आवेदन को कई बार यह कहते हुए रद्द कर दिया जाता था कि बच्चे के पिता का एससी वर्ग का प्रमाण पत्र संलग्न नहीं है। लगभग एक साल पहले गीता देवी अपनी इस समस्या का समाधानन पाने के लिए विधायक विशेष रवि के कार्यालय पहुंची और उनसे इस समस्या को सुलझाने की गुहार लगायी।

मांगें पूरी नहीं हुई तो 11 से 14 जनवरी तक हड़ताल कर सकते हैं डॉक्टर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज के आश्वासन पर 12 दिसम्बर 2021 को 13 व 14 दिसम्बर की हड़ताल स्थगित करने वाले हरियाणा के सरकारी डॉक्टर्स अब एक बार फिर से हड़ताल के मूढ़ में हैं। ऐसा इसलिए कि उनकी मांगों पर सरकार ने कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया है। अगर जल्द ही मांगे पूरी नहीं की जाती हैं तो प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों के डॉक्टर 11 से 14 जनवरी तक हड़ताल पर चले जाएंगे।

स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को ज्ञापन भेजकर दी सूचना

कई मांगों को पूरा करने का फिर से भेजा गया है ज्ञापन

इस बाबत हरियाणा सिविल मेडिकल सर्विसिज एसोसिएशन (एचसीएमएसए) के उपाध्यक्ष डा. एमपी सिंह ने बताया कि पूर्व के आश्वासन पर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जाने के बाद स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज को ज्ञापन भेजा गया है। जिसमें कहा गया है कि पूर्व में हड़ताल के ठीक एक दिन पहले उनके द्वारा एसोसिएशन को मांगें 31 दिसम्बर 2021 तक पूरी करने का आश्वासन देकर 13 दिसम्बर सोमवार की हड़ताल को स्थगित करवा दिया गया था। करीब एक माह बीतने को है, लेकिन डॉक्टर्स की मांगों पर कुछ खास ध्यान नहीं दिया गया। सीधे एसएमओ भर्ती नहीं करने की फाइल पर हस्ताक्षर होने की सूचना एसोसिएशन को मिली है, लेकिन इसकी कोई अधिसूचना जारी नहीं की गई है।

डॉ. एम. पी. सिंह।

एसोसिएशन ने 10 जनवरी 2022 तक का दिया है समय

एसो. को उम्मीद थी कि नये साल तक सभी मांगों को पूरा कर दिया जाएगा। इसलिए मजबूर होकर एसोसिएशन ने बैठक करके आगामी रणनीति तय की है। जिसमें निर्णय लिया गया है कि अगर 10 जनवरी 2022 तक सभी मांगें पूरी नहीं होती हैं तो चिकित्सक मजबूर होकर 11 जनवरी से 14 जनवरी तक हड़ताल पर चले जाएंगे। इसे आगे भी बढ़ाया जा सकता है।

ये हैं चिकित्सकों की मांगें

चिकित्सकों की मांग है कि स्वास्थ्य विभाग में सीधे तौर पर की जा रही एसएमओ की भर्ती ना हो। पीजी पॉलिसी में बदलाव लाकर पहले की तरह हरियाणा सरकार के डॉक्टर्स को 40 प्रतिशत आरक्षण दिया जाए और प्रदेश में स्पेशलिस्ट चिकित्सकों का कैडर बनाया जाए। डाक्टर पीजी करने के बाद स्वास्थ्य विभाग में कार्यरत रहेंगे। मरीजों को और बेहतर सेवाएं देने व वर्क लोड कम करने के लिए अस्पतालों में डॉक्टर्स की कमी को दूर किया जाए।

संक्षिप्त समाचार

किसानों को वित्तीय नुकसान से बचाएगी बागवानी बीमा योजना

गुरुग्राम। किसानों की आय को दोगुना करने व फसल विविधिकरण के तहत लगाई गई बागवानी फसलों में होने वाले नुकसान की भरपाई के लिए प्रदेश सरकार द्वारा बागवानी बीमा योजना चलाई जा रही है। यह योजना किसानों को सब्जियों, फलों व मसालों को प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले जोखिम से मुक्त कर फसल लागत की भरपाई करने में कारगर साबित होगी। डीसी डॉ. यश गर्ग के मुताबिक मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा चलाई गई बागवानी बीमा योजना, बागवानी किसानों के लिए एक अभूतपूर्व योजना है। उन्होंने कहा कि बागवानी किसानों को विभिन्न कारणों से भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ता है। फसलों में बीमारी लगने, असमय वर्षा, तूफान, सूखा और तापमान बढ़ने जैसी आपदाओं से उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। लेकिन अब इस योजना के तहत सब्जियों, फल और मसाले की फसलों को सुरक्षा कवर उपलब्ध करवाया जा रहा है। डीसी ने बताया कि इस योजना के तहत फसलों जिनमें सब्जियों में टमाटर, प्याज, आलू, फूल गोभी, मटर, गाजर, भिंडी, घीया, करेला, बैंगन, हरी मिर्च, शिमला मिर्च, पत्ता गोभी, व मूली वहीं फलों की फसलों में आम, किन्नू, बेर व अमरुद सहित मसालों में हल्दी व लहसुन की फसलों को योजना के तहत सूचीबद्ध किया गया है।

विश्वविद्यालयों में फिजिकल कक्षाओं के तुरंत रोक लगाने के आदेश

गुरुग्राम। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के चेयरमैन एवं उपायुक्त डा. यश गर्ग ने जिला में दिन-प्रतिदिन बढ़ते कोरोना संक्रमण के मामलों के दृष्टिगत विश्वविद्यालयों में फिजिकल कक्षाओं के संचालन पर पूर्णतया: रोक लगा दी है। जारी आदेशों में विद्यार्थियों को होस्टल में रहने की अनुमति दी गई है बशर्ते इस दौरान विद्यार्थियों द्वारा कोविड अप्रोप्रिएट बिहेवियर तथा सोशल डिस्टेंसिंग की पालना की जानी अनिवार्य है। उपायुक्त द्वारा जारी इन आदेशों में कहा गया है कि जिला में पिछले कुछ दिनों में कोरोना संक्रमण के मामलों में इजाफा हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि जिला प्रशासन द्वारा कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए समय रहते आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि जिला में ओमिक्रोन वेरिएंट तथा कोरोना संक्रमण के बढते मामलों के चलते तथा राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी दिशा निर्देशों की पालना में विश्वविद्यालयों में फिजिकल कक्षाओं के संचालन पर पूर्णतया: प्रतिबंध लगाया गया है।

आवासीय खेल अकादमी के लिए सात जनवरी से होंगे ट्रायल

गुरुग्राम। सिविल लाईन्स स्थित नेहरू स्टेडियम में खिलाड़ियों की आवासीय खेल अकादमी के लिए 25 कुश्ती (लड़के) तथा 25 एथलैटिक्स (लड़के) खिलाड़ियों के ट्रायल किए जा रहे हैं। इसके लिए खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग गुरुग्राम द्वारा अलग-अलग तिथियां निर्धारित करते हुए ट्रायल लिए जाएंगे। इस चयन प्रक्रिया में 12 से 19 वर्ष आयु वर्ग के खिलाड़ियों का चयन किया जाएगा। खेल एवं युवा अधिकारी राज यादव ने बताया कि कुश्ती के खिलाड़ियों के लिए 7 व 8 जनवरी को गांव दौलताबाद स्थित श्री पवन पुत्र व्यायामशाला में प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक ट्रायल होगा, जबकि एथलैटिक्स के लिए 10 व 11 जनवरी को सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल खेल परिसर में प्रात: 9 बजे से सायं 5 बजे तक ट्रायल होगा। उन्होंने बताया कि इस चयन प्रक्रिया में खिलाड़ियों का चयन स्पीड, स्पैट एवं गेम टैस्ट के माध्यम से किया जाएगा।

भौंड़सी-बादशाहपुर-धुनेला-लाखुवास में चलेगा तोड़फोड़ अभियान

सोहना। सोहना शहरी क्षेत्र के साथ-साथ भौंड़सी, लाखुवास, धुनेला, बादशाहपुर, सेक्टर-पैंसठ, मानेसर, बिलासपुर समेत विभिन्न गांवों में कृषि योग्य भूमि पर बिना तकसीम, बिना एनओसी, बिना लाइसेंस, बिना अनुमति के अवैध रूप से काटी गई अवैध कॉलोनियों और इनमें बने प्लॉटों पर किए गए अवैध निर्माणों को ढहाने के लिए डीटीपी के तोड़फोड़ दस्ता लगातार आठ दिनों तक जबरदस्त तरीके से तोड़फोड़ अभियान चलाएगा। तोड़फोड़ की यह कारवाई 11 जनवरी से शुरू होगी। तोड़फोड़ के दौरान डयूटी मजिस्ट्रेट और भारी पुलिसबल, मेनपावर, जेसीबी रूपी पीले पंजे वाली मशीनों के साथ-साथ महिला पुलिस भी विशेष रूप से मौजूद रहेगी। डीटीपीई आरएस बाठ ने डिस्ट्रिक्ट मैजिस्ट्रेट से आग्रह किया है कि तोड़फोड़ की कार्रवाई के दौरान डयूटी मजिस्ट्रेट के साथ-साथ कम से कम एसीपी रैंक के अधिकारी की मौजूदगी सुनिश्चित बनाई जाए ताकि अवैध कॉलोनियों में किए गए अवैध निर्माणों को बिना किसी व्यवधान के प्रभावी तरीके से अच्छे से तोड़ा जा सके।

नागरिक अस्पताल में 500 लोगों का हो रहा कोरोना टेस्ट

सोहना। नागरिक अस्पताल में एक दिन में 500 लोगों का कोरोना टेस्ट किया जा रहा है। कोरोना की पहली और दूसरी डोज का टीका लगवाने पहले टेस्ट जरुरी कर दिया है। नागरिक अस्पताल प्रशासन ने ओमिक्रॉन के रोगियों की पहचान करने के लिए पहले से ही कदम उठा लिए हैं। बीते एक सप्ताह में 2500 से 3000 लोगों का कोरोना टेस्ट किया है, लेकिन एक भी मामला कोरोना का नहीं आया है। कोरोना की पहली और दूसरी डोज लगवाने वाले सुबह 7 बजे ठिठरन भरी सर्दी में अस्पताल परिसर में पहुंच लाइन में खड़े हो रहे हैं। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बातया कि कोरोना का बीतें करीब तीन माह में कोरोना का एक भी मामला नहीं आया है। जबकि तीन माह में 5500 से 6000 लोगों को टेस्ट किया गया है। कोरोना सक्रमित की बारिकी से तलाश की जा रही है।

सोहना में दिन में भी जल रही है लाइटें

सोहना। क्षेत्र के किसान नेता चौधरी विजय सिंह डागर का कहना है कि यहां पर नगरपरिषद द्वारा जगह-जगह लगवाई गई एलईडी लाइटें रात में चाहे बंद रहें, लेकिन दिन के उजाले में जरूर जल रही हैं। बता दें कि नगर परिषद की तरफ से शहर में सीनियर सैकेंडरी बाल विद्यालय के सामने और चिल्डप्वाइंट से शहीद भगत सिंह फब्बारा चौक पर और महाराजा अग्रसेन पार्क से बाईपास चौक, नागरिक अस्पताल मार्ग, चुंगी नंबर एक पर सड़क किनारे रात के वक्त छाए रहने वाले अंधेरे को दूर करने के लिए एलईडी लाइटें लगाई गई लेकिन देखने में आ रहा है कि यह एलईडी लाइटे चाहे रात में न जलें, लेकिन पूरा-पूरा दिन जल रही हैं। जिससे बिजली की बर्बादी हो रही है। अफसोस इस बात का है कि विभाग बिजली बचत के लिए खुद ही जागरूक नहीं है।

वायरल सच सपोर्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम में नेताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच हुआ वाक युद्ध

चिंता खुले में नमाज की नहीं शहर के विकास की होना चाहिए...

नमाज के मुद्दे पर समर्थन, भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विरोधी स्वर

बीजेपी नेता सूरजपाल अम्मू और बीजेपी से निष्कासित कुलभूषण भारद्वाज के बीच हुई नोंकझोक

वायरल सच सपोर्ट फाउंडेशन के कार्यक्रम में चर्चा करते नेता और सामाजिक कार्यकर्ता।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

अवसर था वायरल सच सपोर्ट फाउंडेशन की लांचिंग का। यहां नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच वाक युद्ध हुआ। किसी के मत धर्म-कर्म को लेकर थे तो किसी ने शहर के विकास को प्रमुख बताया। भ्रष्टाचार पर भी यहां नेता आपस में भिड़ गए।

एमजी रोड स्थित एक होटल में मंगलवार को वायरल सच सपोर्ट फाउंडेशन की लांचिंग और समाज के अग्रणी लोगों, पत्रकारों, संस्थाओं के सम्मान समारोह में नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं के बीच शहर के विकास का एक सत्र आयोजित किया गया। इसमें भाजपा की ओर से सूरजपाल अम्मू, सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में एक आवाज संस्था के संयोजक एडवोकेट अभय जैन, खुले में नमाज को लेकर आंदोलनरत भाजपा से निष्कासित नेता एडवोकेट कुलभूषण भारद्वाज, कांग्रेस से पंकज डावर और राजेश यादव को आमंत्रित किया गया।

शहर के विकास के सवाल से शुरू हुई बातचीत खुले में नमाज तक जा पहुंची। सूरजपाल अम्मू व कुलभूषण भारद्वाज ने खुले में नमाज पर पूरी तरह से रोक लगाने की बात कही। विरोध जारी रखने को कहा। उनकी बातों को नकारते हुए एडवोकेट अभय जैन ने कहा कि विरोध खुले में नमाज का है तो फिर खुले में, गलियों में जागरण का भी हो। किसी एक धर्म पर बंदिश ठीक नहीं। कांग्रेस के पंकज डावर ने भी अभय जैन की बात का समर्थन करते हुए कहा कि वक्फ बोर्ड की जमीनों पर कब्जे हो चुके हैं। उन कब्जों को भाजपा हटवाए तो लोग वहां पर नमाज पढ़ लेंगे।

साथ ही कहा कि कहीं का भी मुसलमान कहीं भी नमाज पढ़ सकता है। उन्होंने भाजपा को राजनीतिक फायदे लेने के लिए अपने हिसाब से काम करने वाली पार्टी बताया। कुलभूषण भारद्वाज ने कहा कि रेलवे के बाद सबसे अधिक जमीन वक्फ बोर्ड के पास ही है। उसका इस्तेमाल नमाज के लिए हो। कांग्रेस नेता राजेश यादव ने अम्मू से सवाल किया कि जब बच्चों पर करणी सेना ने हमला किया था, तब क्या वे बच्चे हिंदुओं के नहीं थे। तब वे क्यों चुप रहे। शहर के विकास पर अपनी बात में एडवोकेट अभय जैन ने कहा कि मेट्रो के विस्तार की खूब बातें इस सरकार में हुई हैं, लेकिन मेट्रो एक कदम भी आगे नहीं बढ़ी है। कुलभूषण भारद्वाज ने यहां भ्रष्टाचार की पोल खोलनी शुरू की। उन्होंने सेक्टर-12 की जमीन, मानेसर में हुड्डा सरकार के समय अधिग्रहित की गई जमीन का मुद्दा यहां उठाया। साथ ही कहा कि आज ना तो ढींगरा आयोग का कुछ पता है और ना ही उनकी रिपोर्ट का।

मुख्यमंत्री मनोहर लाल तक व्यक्तिगत तौर पर उन्होंने इस मुद्दे को पहुंचाया था, लेकिन हुआ कुछ नहीं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने वारे-न्यारे किये। कई तरह से उन्होंने भ्रष्टाचार पर सरकार को घेरा। उनके आरोपों का खंडन करते हुए सूरजपाल अम्मू ने कहा कि वे बीजेपी से निकाले गये हैं, इसलिए ऐसी बातें बोल रहे हैं। वहीं कांग्रेस नेता पंकज डावर ने कहा कि बीजेपी के अंदर की बातें बीजेपी में रहने वाले ही जान सकते हैं, भले ही कुलभूषण) आज बाहर हैं।

रोजाना 11 से 12 बजे तक आमजन से मिलेंगे निगम के अधिकारी

नगर निगम में अधिकारियों की बैठक लेते निगमायुक्त मुकेश कुमार आहुजा।

नगर निगम कार्यालय में जनता से मिलने के समय का होगा पूर्ण पालन

गुरुग्राम। नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा ने मंगलवार को सभी अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में कहा कि नगर निगम कार्यालयों में आने वाली जनता से मिलने एवं उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए निर्धारित समय की पूर्ण पालना सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि आम जनता से मिलने एवं उनकी समस्याएं सुनने के लिए प्रतिदिन 11 बजे से 12 बजे तक का समय निर्धारित किया हुआ है। अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि वे इस समय के दौरान अपने कार्यालयों में उपस्थित रहें। अधिकारी यह भी सुनिश्चित करें कि मिलने वाला व्यक्ति उनकी ब्रांच में किसी क्लर्क या अन्य कर्मचारी से मिलने की बजाए सीधे अधिकारी से ही मिले। उन्होंने सेक्टर-34 स्थित निगम कार्यालय की प्रत्येक मंजिल पर वेटिंग एरिया एवं सिक्योरिटी गार्ड की तैनाती करने के निर्देश भी दिए। इसके साथ ही इस प्रकार की व्यवस्था सिविल अस्पताल के सामने स्थित कार्यालय, सेक्टर-42 कार्यालय तथा सैक्टर-39 कार्यालय में भी की जाए। निगमायुक्त ने यह भी निर्देश दिए कि सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों की नेम प्लेट होनी चाहिए तथा उनके गले में उनका आईडी कार्ड टंगा होना चाहिए। निगमायुक्त ने सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों के आईडी कार्ड बनवाने के निर्देश एडीशनल म्यूनिसिपल कमिशनर रोहताश बिश्नोई को दिए। इसके साथ ही कार्यालय में कोविड-19 से बचाव की के दोनों टीके लगे हुए व्यक्तियों को ही प्रवेश की अनुमति होगी।

निगमायुक्त ने कहा कि जिस भी अधिकारी एवं कर्मचारी को जिस काम की जिम्मेदारी सौंपी गई है, वह उसे पूरी ईमानदारी एवं सत्यनिष्ठा से करें। काम को लंबित नहीं रखा जाना चाहिए। अगर कोई कर्मचारी काम में कोताही बरतता है, तो उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

कोरोना वैक्सीनेशन कराने के लिए युवाओं में भारी उत्साह

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

कोरोना की पहली डोज लगवाने के लिए 15 से 18 उम्र वाले किशोर जोश और उत्साह के साथ आगे आ रहे हैं। अभिभावक भी बच्चों में जोश देखकर उन्हें वैक्सीनेशन सेंटर तक लेकर पहुंच रहे हैं।

देश में 15 से 18 वर्ष की उम्र वाले किशोर बच्चों को कोरोना महामारी से सुरक्षित करने के लिए वैक्सीनेशन अभियान शुरू किया गया है। किशोर लड़कियां अपने सहेलियों को या अभिभावकों को लेकर कोरोना की डोज लगवाने के लिए पहुंच रही हैं। बच्चे स्वयं ही ऑन लाइन अपने वैक्सीनेशन के लिए बुक कर रहे हैं।

क्या कहती हैं किशोरियां : शहर के राजकीय संस्कृति मॉडल स्कूल में कक्षा 11वीं में पढ़ने वाली छात्रा चहल ने बताया कि बच्चों को टीकाकरण करने की जानकारी हुई तभी से वह काफी उत्साहित है। जीवन सुरक्षित करने के लिए वैक्सीनेशन कराना बहुत जरूरी है। डीपीएस स्कूल की छात्रा छवि ने बताया कि महामारी से बचाव के लिए वैक्सीनेशन ही सबसे बड़ा उपाय है। युवाओं को इससे घबराना नहीं चाहिए। उसने वैक्सीन लगवाई है और उसे किसी प्रकार की परेशानी नहीं हो रही है। वह अपने कक्षा में पढ़ने वाले किशोरों को भी वैक्सीनेशन कराने के लिए उत्साहित करेगी। राजकीय संस्कृति मॉडल सीनियर सैकेंडरी स्कूल में मंगलवार को 400 विद्यार्थियों को कोरोना का टीका लगा। प्रधानाचार्य सुरेन्द्र वर्मा ने बताया कि उनके स्कूल में कक्षा 9 से 12वीं में 1500 के लगभग विद्यार्थी हैं। सभी विद्यार्थी टीकाकरण के लिए उत्साहित हो रहे हैं।

रवि कालरा की स्मृति में भेंट किए दो सोलर गीजर

पंजाबी बिरादरी महासंगठन ने दी अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन के संस्थापक को श्रद्धांजलि

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

पंजाबी बिरादरी महासंगठन की ओर से द अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन बंधवाड़ी को फाउंडेशन के संस्थापक कर्मयोगी रवि कालरा की याद में दो सोलर गीजर भेंट किए गए। एक-एक हजार लीटर के इन गीजर से वहां रहने वाले बुजुर्गों को ठंड में गर्म पानी उपलब्ध कराने के काम आएंगे। उन्हें सुविधा होगी।

संगठन के प्रवक्ता के अनुसार इस कार्य के अलावा आगामी 14 जनवरी को मकर संक्रांति के दिन शहर के विभिन्न मंदिरों में पंजाबी संस्कृति के अनुसार खिचड़ी प्रसाद वितरित किया जाएगा। इसके बाद 15 जनवरी को कुटिया मंदिर श्री संत शिरोमणि सम्राट स्वामी गंगागिरी महाराज बसई रोड स्थान पर आंखों का शिविर लगाया जाएगा।

वहां मुफ्त चश्में भी वितरित किए जाएंगे। इसकी स्पोंसरशिप राजकुमार कथूरिया (एडवोकेट) करेंगे। रोगियों का ऑपरेशन निरामया चेरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से किया जाएगा। जिसका संयोजन नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. त्रिलोक आहूजा द्वारा किया जाएगा।

महासंगठन के अध्यक्ष बोधराज सीकरी के मुताबिक सोलर गीजर सुरेन्द्र खुल्लर, रमेश चुटानी, रामलाल ग्रोवर, सुभाष गांधी, सुभाष डुडेजा, अनिल कुमार आदि ने भेंट किया। श्री सीकरी ने बताया कि तीन सप्ताह पूर्व गठित पंजाबी बिरादरी महासंगठन समाज के प्रति पूर्ण समर्पण भाव से समाजसेवा में जुटा है। इस समय अन्तराल में महासंगठन ने गरीबों को कम्बल बांटना, झुग्गी-झोपड़ियों में जाकर जरुरी वस्तुएं पहुंचाना, राजकीय प्राथमिक विद्यालय सदर बाजार में गरीब बच्चों को कम्बल देना, गरीब परिवारों के घर-घर जाकर जैकेट वितरित करना एवं नववर्ष पर गरीबों को मिठाइयां वितरित करने का काम किया है।

गुरुग्राम के बंधवाड़ी स्थित अर्थ सेवियर्स फाउंडेशन में सोलर गीजर भेंट करने पहुंचे पंजाबी बिरादरी महासंगठन के सदस्य।

बोधराज सीकरी।

कार्स24 और बजाज फाइनेंस लिमिटेड, यूज्ड कार खरीदारों को सुगम फाइनेंसिंग प्रदान करने के लिए साथ आये

पायनियर समाचार सेवा। मेरठ

प्री-ओन्ड वाहनों के लिए भारत के प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म कार्स24 ने प्रि-ओन्ड कारों के वित्तपोषण के लिए शानदार और सुव्यवस्थित खरीदारी की सुविधा के लिए बजाज फाइनेंस लिमिटेड के साथ सहयोग किया है।

यह कदम दिसंबर 2021 में घोषित सीरीज-जी फंडिंग राउंड का अनुसरण करता है, जिसके तहत प्रि-ओन्ड कारों के ई-कॉमर्स प्लेयर - कार्स24 ने 400ड जुटाए। जहां प्री-ओन्ड वाहनों के लिए उपभोक्ता मांग आसमान छू रही है, वहीं भारतीय यूज्ड कारों के उद्योग में उपभोक्ता वित्तपोषण की पैठ केवल 15 प्रतिशत ही है। कार में निवेश करते समय फाइनेंसिंग की प्रमुख भूमिका को समझते हुए, कार्स24 और बजाज फाइनेंस लिमिटेड अब उपभोक्ताओं को अपने वित्तीय लचीलेपन में सुधार करके और कार का मालिकाना हक प्राप्त करने में सक्षम बना रहे हैं। इस रणनीतिक साझेदारी पर टिप्पणी करते हुए, अनूप साहा, डिप्टी सीईओ,

बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने कहा, आसान और सुलभ वित्त समाधान प्रदान करना बजाज फाइनेंस का ध्येय है। यह सिनर्जिक पार्टनरशिप साझेदारी प्रि-ओन्ड कार खरीदने के लिए ज्यादा खरीदारों को वित्त लेने में सहायता देती है। हमारा मानना है कि यूज्ड कार सेगमेंट में काफी संभावनाएं हैं और सही वित्तीय समाधान ग्राहकों को इस विकल्प की खोज में सही निर्णय लेने में मदद करेंगे। ग्राहक अब पूरी तरह से निर्बाध खरीदारी की उम्मीद कर सकते हैं, जिसमें क्विक अप्रूवल, न्यूनतम दस्तावेज और अन्य वैल्यू एडेड सेवाएं और ऑफर शामिल हैं। कार्स24 फाइनेंशियल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड, कार्स24 सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, पुराने कार खरीदारों को उधार देने को सरल, सुरक्षित, तेज और अधिक सुलभ बनाने के लिए कार ऋण प्रदान करती है। इस पारस्परिक रूप से लाभकारी साझेदारी से यूज्ड कारों के उद्योग में पैठ बढ़ेगी और उपभोक्ताओं को बजाज फाइनेंस लिमिटेड के वित्तीय समाधानों के साथ कार्स24 के स्मूथ ग्राहक अनुभव का आनंद लेने में सक्षम बनाएगा।

रुचित अगरवाल, सह-संस्थापक और सीएफओ, कार्स24 ने कहा, कार्स24 इंडस्ट्री के रूल्स को नए सिरे से लिखने के लिए तैयार हैं। हम अपने उपभोक्ताओं को पूरी तरह से निर्बाध वित्तपोषण समाधान प्रदान करने पर ध्यान केंद्रित करके कार खरीदने के लिए और अधिक भारतीयों के सपने को पूरा करने के मिशन पर हैं। इस प्रक्रिया में, हमें यकीन है कि बजाज फाइनेंस लिमिटेड के साथ हमारी साझेदारी एक आदर्श उत्पाद बाजार के लिए उपयुक्त साबित होगी। कार्स24, बी?फएल के साथ, यूज्ड कार खरीद के लिए फाइनेंसिंग की बात करते समय उपभोक्ता को सबसे पहले महत्व।

निगमायुक्त व अतिरिक्त निगमायुक्त ने किया विभिन्न क्षेत्रों का दौरा

गुरुग्राम के सेक्टर-10 में रोबोटिक सीवर सफाई का निरीक्षण करते निगमायुक्त मुकेश कुमार आहुजा।

गुरुग्राम। मंगलवार को नगर निगम आयुक्त मुकेश कुमार आहुजा ने शहर के दौरे के दौरान रोबॉटिक सीवर सफाई कार्य का निरीक्षण किया, वहीं दूसरी ओर अतिरिक्त निगमायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालयों की व्यवस्था का जायजा लिया।

मंगलवार को निगमायुक्त अधिकारियों की टीम के साथ शहर के कई क्षेत्रों में गए। उन्होंने सेक्टर-10ए में रोबोट से सीवर सफाई व्यवस्था को देखा। यहां पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि मेनहॉल की सफाई के समय उसमें से निकलने वाले कचरे को उसी समय ही उठाना सुनिश्चित करें, ताकि गंदगी ना फैले। उनके साथ एडीशनल म्यूनिसिपल कमिशनर रोहताा बिश्नोई, चीफइंजीनियर टीएल शर्मा, एसई राधेश्याम शर्मा व निगम पार्षद अश्विनी शर्मा उपस्थित रहे।

अतिरिक्त निगमायुक्त डा. वैशाली शर्मा ने मंगलवार को सफाई शाखा से जुड़े अधिकारियों को साथ लेकर सार्वजनिक एवं सामुदायिक शौचालों की व्यवस्था का जायजा लिया।

ईकॉम एक्सप्रेस ने देश में अपना पहला ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर शुरू किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ई-कॉमर्स इंडस्ट्री को टेक्नोलॉजी-इनेबल्ड एंड-टू-एंड लॉजिस्टिक्स सॉल्यूशंस प्रोवाइडर्स में एक प्रमुख नाम, ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड ने आज दिल्ली में अपना पहला ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर (महिला वितरण केंद्र) शुरू करने की घोषणा की। ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ ही कंपनी की डायवर्सिटी और इनक्लूशन (विविधता और समावेशन) एजेंडे को मजबूत करते हुए उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता प्रदान करने की दिशा में एक पहल है।

डिलीवरी सेंटर में महिलाओ को पहले ही उनके काम में लगाया जा चुका है। कंपनी में यह पहली बार होगा कि जब, एक्सक्लूसिव रूप से डिलीवरी सेंटर हेड से लेकर डिलीवरी एसोसिएट्स तक, महिलाओं की 10 सदस्यीय टीम सभी ऑपरेशनल एक्टिविटीज में शामिल होगी। ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर का उद्घाटन करते हुए, ईकॉम एक्सप्रेस लिमिटेड की को-फाउंडर, मंजू धवन ने कहा, हमारे ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर का शुभारंभ एक सजग एजेंडा है। यह अवसर मुहैया कराकर महिलाओं को सशक्त बनाने के हमारे निरंतर प्रयास का विस्तार है जो उन्हें आगे बढ़ने और आर्थिक रूप से मजबूत बनने में मदद करता है। हमारा उद्देश्य हर तरह के रोल में टीम के महिला सदस्यों के लिए अधिक से अधिक अवसर पैदा करना है, जिसमें फ्रंट-लाइन डिलीवरी भूमिका भी शामिल है क्योंकि हम उनको सपोर्ट करने और उनके करियर को आगे बढ़ाने के अपने एप्रोच में अटल हैं।

ईकॉम एक्सप्रेस की निकट भविष्य में और अधिक ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर खोलने की भी योजना है। फर्म समय की मांग और बिजनेस मॉडल की आवश्यकता के अनुसार लीक को तोड़ने पर काम कर रही है। आज, ईकॉम एक्सप्रेस के साथ देश भर में इसके प्रोसेसिंग सेंटर्स, हब्स, सेंटर्स, फुलफिलमेंट्स सेंटर्स पर और डिलीवरी एसोसिएट्स के रूप में अनेक महिला बाइकर्स के साथ करीब 2000 महिलाएं काम कर रही हैं।

ईकॉम एक्सप्रेस के ऑल-वुमेन डिलीवरी सेंटर से जुड़ी डिलीवरी एसोसिएट, कुसुम जैन ने कहा, मैं अभी ग्रेजुएशन कर रही हूं और भविष्य में एक अच्छा करियर बनाना चाहती हूं। मैं इस फील्ड को एक्सप्लोर करने को लेकर रोमांचित थी और सोच रही था कि अगर पुरुष सामान की डिलीवरी का काम कर सकते हैं तो महिलाएं क्यों नहीं। मुझे हमेशा सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और एक साल की अवधि में, ईकॉम एक्सप्रेस में मेरा रोलदृ पार्ट-टाइम डिलीवरी पार्टनर से फुल टाइम ऑन-रोल एंप्लाई तक पहुंच चुका है। ईकॉम एक्सप्रेस, अपनी सप्लाई चेन में विविधता बढ़ाने इसे और अधिक समावेशी बनाने पर विचार कर रहा है। देश भर में इसकी कई बड़ी फेसिलिटीज में जनरल शिफ्ट का संचालन पूरी तरह से महिलाओं द्वारा किया जा रहा है।

पायनियर
नई दिल्ली, बुधवार, 5 जनवरी , 2022

मास्क और सर्टिफिकेट के नियम को तवज्जो नहीं

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पॉजिटिव आने से हरियाणा के नेता से लेकर चिकित्सक सभी सर्तक हो गए है। लेकिन कुछ सरकारी दफ्तरों में प्रशासन के नियम मास्क और सर्टीफिकेट नहीं, तो एंट्री नहीं को तवज्जो नहीं दी जा रही है। स्वास्थ्य अधिकारियों के दफ्तरों में इस नियम का पालन सख्ती से किया जा रहा है। जिला सिविल सर्जन डॉ. विनय गुप्ता के कार्यालय के बाहर देखने को मिला। जहां बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के किसी भी स्वास्थ्य कर्मी और आम नागरिक को एंट्री नहीं दी जा रही थी।

जानकारी के मुताबिक जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए निर्देशों के अनुरूप अब जिले के कुछ सरकारी कार्यालयों में काम किया जा रहा है। जिसके तहत दोनों डोज का सर्टिफिकेट वालों को ही सरकारी दफ्तरों में एंट्री दी जा रही है। ऐसे में बिना सर्टिफिकेट के सरकारी दफ्तरों में एंट्री न मिलने से लोग परेशान होकर लौट रहे और वैक्सीनेशन को बढ़ावा मिल रहा है।

बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के सीएमओ दफ्तर में जाने से रोकता स्वास्थ्य कर्मी।

नहीं मिली एंट्री

जिला सिविल सर्जन के कार्यालय के बाहर एक व्यक्ति की ड्यूटी सर्टिफिकेट जांच के लिए लगाई गई। जहां उन्होंने बिना सर्टिफिकेट के एक आशा वर्कर को अंदर जाने से रोक दिया।

आशा वर्कर ने कई बार गुहार लगाई, लेकिन कर्मचारी ने आदेशों का पालन करते हुए उसे बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के अंदर नहीं जाने दिया। आशा वर्कर ने अपने बेटे से फोन करके सर्टिफिकेट मंगवाया। आधे घंटे तक उसे बाहर ही खड़े रहना पड़ा। सर्टिफिकेट आने पर ही उसे अंदर जाने की अनुमति मिली। वहीं दूसरी तरफ यहां पहुंचे अन्य लोगों को भी कर्मचारी द्वारा वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट देखने के बाद ही अंदर जाने की अनुमति दी गई।

आदेश हुए जारी

मौके पर मौजूद कर्मचारी ने कहा कि उसे सीएमओ ने आदेश जारी किए हैं कि नियमों के मुताबिक बिना वैक्सीनेशन सर्टिफिकेट के किसी भी एंट्री न दें। ऐसे में स्वास्थ्य कर्मियों से लेकर चिकित्सकों और आम जनता सभी के सर्टिफिकेट देखकर ही अंदर भेज रहे हैं।

शेष दफ्तरों में पालन नहीं

जिले में सीएमओ के अलावा अन्य ज्यादातर सरकारी दफ्तरों में जिला प्रशासन द्वारा जारी किए गए आदेशों का पालन नहीं हो रहा है। ऐसा ही नगर निगम के भीतर देखने को मिला। जहां बिना मास्क के भी लोग घूमते हुए दफ्तरों में आ- जा रहे थे। वहीं बड़खल तहसील के बाहर भी ऐसी कोई रोक टोक जा भी दिखाई नहीं दी।

92 बच्चों ने मानव भवन पर लगवाई कोवैक्सीन

फरीदाबाद। ईएसआई सेक्टर 8 के सहयोग से मानव भवन सेक्टर 10 में लगाए जा रहे वैक्सीनेशन कैंप के दूसरे दिन 92 बच्चों ने कोवैक्सीन की पहली डोज लगवाई।

पहली डोज लगवा कर अपने परिजनों के साथ बाहर आए सभी बच्चों ने कहा कि वैक्सीन लगवाने पर हमारे मन में जो एक अनजाना डर था वह दूर हो गया है और हम अपने आपको बहुत सुरक्षित महसूस कर रहे हैं। परिजन भी बहुत खुश दिखे। कैंप संयोजक रमा सरना ने कहा है जिला प्रशासन की सख्ती को देखते हुए बड़े लोग भी पहली और दूसरी डोज लगवाने के लिए आ रहे हैं मंगलवार को सेक्टर 8 ईएसआई और मानव भवन में 248 लोगों ने सेकेंड डोज लगवाई। इसके अलावा 41 लोगों ने प्रथम डोज लगवाई।

महामारी अलर्ट के दौरान जमकर हो रहा नियमों का उल्लंघन

शाम पांच बजे के बाद कई जगह शराब ठेके भी खुले रहते हैं

पाबंदी के बाद भी बढ़ रहा जिले में कोरोना

कविता। फरीदाबाद

दिल्ली में ऑड ईवन के तहत खुली रात 9 बजे दुकानें। फरीदाबाद में एनएचपीसी चौक के निकट रात 8 बजे खुला शराब का ठेका।

कोरोना संक्रमित मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए जिला में पांच बजे के बाद आवश्यक वस्तुओं को छोड़कर सभी दुकाने बंद करने के निर्देश जारी हुए हैं, लेकिन सभी दुकानें बंद नहीं हो रही है। जिन स्थानों पर दुकानें बंद हो जाए, तो देर शाम तक बाजारों में लोगों की भीड़ लगी रहती है। ऐसे में जिले में कोरोना के नियमों का जमकर उल्लंघन हो रहा है। ऐसे में जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या भी रोज बढ़ती जा रही है। यहां तक कई शहर में कई स्थानों पर शराब के ठेके और फास्ट फूड की दुकानें भी देर शाम तक खुली हुई देखी जा रही हैं, लेकिन इन सबके बाद भी जिला प्रशासन की तरफ से किसी तरह का कोई सख्त कदम नहीं उठाया जा रहा है। वहीं दिल्ली में ऑड इवन के तहत दुकानें खुल रही है। जिस कारण वहां दुकानों पर भीड़ न के बराबर नजर आई।

तय समय के बाद भी खुल रही दुकानें

शहर की विभिन्न कॉलोनियां, जहां पुलिस नहीं पहुंच रही, वहीं रात आठ बजे के बाद भी गैर आवश्यक वस्तुओं की दुकानें खुल रही हैं। जिसमें कपड़ों, जरनल स्टोर की दुकानों से लेकर शराब के ठेके तक खुल रहे हैं। उन पर देर शाम तक लोगों की भीड़ लगी रहती है। जिससे कोरोना को बढ़ावा मिल रहा है। सोमवार को जहां एक तरफ 110 मरीज सामने आए थे। जिसमें दो ऑमिक्रॉन पॉजिटिव मरीज भी शामिल थे।

वहीं दूसरी तरफ मंगलवार को जिले में 141 मरीज कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। जिससे जिले में कोविड-19 के एक्टिव केसो की संख्या का आंकड़ा 572 पर पहुंच गया है। शहर के लोगों का कहना है कि सिर्फ बाजार बंद करने से नहीं बल्कि आम लोगों को जागरूक होने के साथ साथ प्रशासन को भीन सख्त कदम उठाने पड़ेंगे। तभी कोरोना की रफ्तार को ब्रेक लगाई जा सकती है।

कहीं भी मास्क नहीं

जिले में हर जगह बाजार हो या अस्पताल बिना मास्क लगाए लोगों को आम देखा जा सकता है। वहीं दूसरी तरफ सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां लोग उड़ाते नजर आ रहे हैं। इस कारण भी जिले में कोरोना के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। वहीं जिले में वैक्सीनेशन सेंटरों पर और कोरोना प्रयोगशालाओं में भी जांच के लिए आ रहे लोगों की भीड़ के बीच सोशल डिस्टेंसिंग की धज्जियां उड़ती रहती है।

बाल भवन में बच्चों को लगाई गई कोवैक्सीन की पहली डोज

फरीदाबाद। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए व ओमिक्रोन खतरे के मद्देनजर सरकार ने 1 जनवरी से 15 से 18 वर्ष की आयु वर्ग के सभी युवाओं के लिए टीकाकरण लगाने के निर्देश जारी किए हैं। सरकार की इन्हीं निर्देशों को देखते हुए हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, चंडीगढ़ की जिला शाखा फरीदाबाद के द्वारा एनआईटी स्थित बाल भवन में स्वास्थ्य विभाग, फरीदाबाद के संयुक्त तत्वावधान में निशुल्क कोविड-19 टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया।

मुख्यमंत्री के मीडिया कोऑर्डिनेटर मुकेश वशिष्ठ नई बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की व जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ मानसिंह बतौर विशिष्ट अतिथि के तौर पर मौजूद रहे। टीकाकरण शिविर की अध्यक्षता जिला बाल कल्याण अधिकारी कमलेश शास्त्री ने की। कार्यक्रम में पहुंचे अतिथियों ने टीकाकरण करवा रहे लोगों का हौसला अफजाई किया और उनसे आसपास के लोगों को टीकाकरण करवाने में जागरूक करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुकेश वशिष्ट ने अपने संबोधन में कहा कि टीकाकरण ही कोरोना जैसी महामारी को खत्म करने का एकमात्र हथियार है। केवल

टीकाकरण करवाकर ही व्यक्ति अपने आपको, परिवार को तथा समाज को बचाने का कार्य कर सकता है तथा समाज व देश की प्रगति में अपनी भागीदारी निभा सकता है। सरकार द्वारा पूरे देश में लगभग 145 करोड़ लोगों का टीकाकरण करवाया जा चुका है। उन्होंने युवाओं को संदेश देते हुए कहा कि आप सभी ही समाज के हर वर्ग के युवा को टीकाकरण के लिए प्रेरित व जागरूक कर सकते हैं। युवा ही देश की रीढ़ हैं, जो देश के विकास को नए आयाम तक ले जा सकते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने 15 वर्ष से 18 वर्ष के बच्चों के लिए टीकाकरण अभियान की शुरुआत की है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के तौर पर पहुंचे वैक्सीनेशन के नोडल अधिकारी कम जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ मानसिंह ने बताया कि यह वैक्सीनेशन सभी सरकारी अस्पतालों प्राइवेट अस्पतालों वैक्सीनेशन शिविरों आदि पर करवाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन

तेरापंथ भवन में आयोजित विकास कार्यशाल के अवसर पर मुख्य अथिति के साथ जैन समाज के लोग।

फरीदाबाद। दो दिवसीय वर्कशॉप नव वर्ष का आगाज फरीदाबाद द्वारा 'मै कौन हूं से मैं हूं' विषय पर व्यक्तित्व विकास कार्यशाला का जैन संस्कार विधि से तेरापंथ भवन में शानदार आगाज हुआ। अभातेयूप से व्यक्तित्व विकास कार्यशाला के प्रभारी दिनेश बुरड़, तेयुप शाखा के प्रभारी, जैन संस्कारक जतन श्यामसुखा आर अभातेयुप समिति सदस्य विकास चोरड़िया की उपस्थिति में आयोजित हुआ। कार्यशाला में लगभग 1500 कार्यशालाओं का अनुभव रखे वाले आनंद मेहता के रूप में कुशल कार्यशाला प्रशिक्षक का साथ मिला। कार्यशाला में 18 वर्ष से प्लस तेयुप, किशोर मंडल, महिला मण्डल व कन्या मंडल से 31 सहभगियों ने हिस्सा लेकर अपने जीवन के भीतर झांकने और स्वयं को परिवर्तित करने का अनुभव प्राप्त किया। सभी ने संगठन तथा समाज में रहने के लिए आवश्यक गुण जैसे विश्वास, टीम वर्क, सहयोग, समय प्रबंधन, योजना और शिक्षा तथा विजुअलाइजेशन का विभिन्न एक्टिविटी के माध्यम से अनुभव कर सीखा, साथ ही उसे अपने जीवन में उतारने की प्रेरणा ली। सभी सहभागियों ने कार्यक्रम से प्राप्त अपने अनुभव से अपने जीवन के लिए व्यक्तिशन मिशन वक्तव्य (पीएमएस) भी लिखा। इस करुषाला में सबने अपने अंदर की प्रतिभा को जाना और अनुभव किया कि कैसे इसे सभी के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।

जिले में 29570 लोगों को लगा बचाव का टीका

फरीदाबाद। जिले में जहां एक तरफ कोरोना के मामले सामने आ रहे है। मंगलवार को जिले में 144 नए संक्रमित सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 एक्टिव केसों की संख्या का आंकड़ा 572 पर पहुंच गया है। वहीं दूसरी तरफ जिले में वैक्सीनेशन को बढ़ावा दिया जा रहा है। जिसके तहत 15 से 60 प्लस आयुवर्ग के लोगों को वैक्सीन लगाई जा रही है। जिसके तहत मंगलवार को 29570 लोगों को कोरोना से बचाव की वैक्सीन लगाई। जिले के वैक्सीनेशन सेंटरों पर जमकर भीड़ देखने को मिली। लम्बी लाइन में लगकर बच्चों और लोगों ने वैक्सीन लगवाई। जिसमें 15 वर्ष से अधिक के किशोरों को प्रथम डोज सरकारी में 5254 ने और निजी में 258 ने लगवाई। 18 प्लस आयुवर्ग में प्रथम डोज सरकारी में 6747 को और निजी में 30 ने प्रथम डोज लगवाई। वहीं सैकेंड डोज सरकारी में 10401 ने और निजी में 229 लोगों ने टीका लगवाया। 45 प्लस आयुवर्ग में सरकारी में प्रथम डोज 2971 को और निजी में सात लोगों को लगी। सैकेंड डोज सरकारी में 2857 को और निजी में 10 लोगों को डोज लगाई गई। 60 प्लस आयुवर्ग में प्रथम डोज सरकारी में 251 को और निजी में एक बुजुर्ग को डोज लगी। सैकेंड डोज सरकारी में 542 को और निजी अस्पताल में 12 लोगों को डोज लगाई गई। टोटल 29023 ने प्रथम और 547 ने दूसरी डोज लगवाई।

जजपा नेता ने सिटी पार्क में लोगों को बांटे फेस मास्क

सिटी पार्क में लोगों को मास्क बांटते जननायक जनता पार्टी के कार्यकर्ता।

बल्लभगढ़। जननायक जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता मनोज गोयल ने अपनी टीम के साथ बल्लभगढ़ स्थित सिटी पार्क में लोगों को फेस मास्क वितरण के दौरान जागरूक भी किया गया। जहां पर सिटी पार्क में नौजवानों के अलावा बच्चे और महिलाएं शामिल थीं। मुख्य रूप से वहां पर जिम्मेदार बुजुर्ग लोगों से अपील करते हुए उन्हें बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सावधानी आवश्यक है। जननायक जनता पार्टी के नेता मनोज गोयल ने सिटी पार्क के नजदीक दुकानदारों को भी जागरूक करते हुए वितरण किए उन्होंने बताया कि कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए सरकार के दिशा-निर्देशों की अनुपालना अवश्य करें और जिला पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को सहयोग करें। उन्होंने लोगो को जागरूक करते हुए बताया कि वंचित रोग वैक्सीन अवश्य करवाएं बल्कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों में अभियान जारी है। सभी लोग घरों से पड़ोसियों को भी जागरूक करें पहली और दूसरी डोज अवश्य लगवाएं। जहां पर उनके साथ मुख्य रूप से श्रवण करहाना, रामबहादुर, चौधरी खेमचंद डागर, नेपाल सिंह, परमाहंस सिंह के अलावा नौजवानों की टीम में रिहान खान.आदिल खान भी शामिल थे।

केक काटकर मनाया दीपेंद्र हुड्डा का जन्मदिन : बादल

फरीदाबाद। नेशनल एसोसिएशन फॉर ब्लाइंड स्कूल में सन्नी बादल ने पहुंच कर राज्यसभा सांसद दीपेंद्र सिंह हुड्डा के नाम के अक्षरों का केक काटकर मनाया नेत्रहीन छात्रों के साथ जन्मदिन। वही सुनी नेत्रहीन छात्रों की समस्या। इस मौके पर इंडियन यूथ कांग्रेस के दिग्गज नेता सन्नी बादल ने कहा कांग्रेस सरकार आने पर भाई दीपेंद्र हुड्डा द्वारा ब्लाइंड छात्रों के लिये पुस्तकालय खोले जाएंगे व सभी नेत्रहीन छात्रों को टैबलेट मुहैया कराए जाएंगे और आने जाने के लिये नि:शुल्क सेवा मुहैया कराई जाएगी। वही सन्नी बादल ने दीपेंद्र हुड्डा के द्वारा किये गये कार्य पर प्रकाश डालते हुए कहा की देश दुनिया मे आई सबसे बडी आपदा मे कोरोना मरीजों के मसीहा बने सांसद दीपेंद्र हुड्डा हरियाणा के हर जिले में टीम दीपेंद्र के लोग सक्रिय हैं। हरियाणा में प्लाज्मा डेटा बैंक के जरिए मदद की है। कोरोना महामारी के बीच देश की राजधानी दिल्ली से सटे हुए हरियाणा में कांग्रेस से राज्यसभा सांसद दीपेंद्र हुड्डा लोगों को राहत पहुंचाने में जुटे रहे थे। कोरोना संक्रमण से जूझ रहे लोगों को बचाने के लिए दीपेंद्र हुड्डा अपने सैकड़ों वॉलंटियर के साथ प्रदेश में ऑक्सीजन सिलेंडर से लेकर अस्पतालों में बेड और रेमडेसिविर जैसी दवाओं की मदद पहुंचा गया था इतना ही नहीं प्लाज्मा उपलब्ध कराने के लिए दीपेंद्र हुड्डा ने बाकायदा प्लाज्मा डेटा बैंक भी बनाया है, जिसके जरिए कोरोना मरीजों को मदद पहुंचाई जा रही गयी थी और किसानों की आवाज लगातार सड़कों से लेकर संसद तक आवाज उठाने काम किया दीपेंद्र हुड्डा ने आखिर में किसानों को जीत दिलाकर ही मानें।

सुरक्षा उपकरणों के उपयोग करने के प्रति किया जागरूक

फरीदाबाद। हरियाणा पुलिस द्वारा मनाए जा रहे सड़क सुरक्षा सप्ताह के अंतर्गत फ़रीदाबाद में आज चौथे दिन एसीपी ट्रैफिक के मार्गदर्शन तथा ट्रैफिक इंस्पेक्टर इंदु बाला, एडिशनल एसएचओ ट्रैफिक तथा ट्रैफिक ताऊ वीरेंद्र की अगुवाई में ट्रैफिक पुलिस की टीम द्वारा अजरोंदा चौक पर वाहन चालको को सुरक्षा उपकरणों की महत्वता को बताते हुए उन्हें यात्रा करते समय इनका उपयोग करने के बारे में जागरूक किया। इस अवसर पर आरएसओ अधिकारी संजय भारद्वाज, कुलदीप भाटिया, कमल कुकरेजा तथा पंकज अरोड़ा भी मौजूद रहे। ट्रैफिक पुलिस फरीदाबाद द्वारा मनाए जा रहे 33 में सड़क सुरक्षा सप्ताह का आज चौथा दिन है जो 1 जनवरी से 7 जनवरी 2022 तक मनाया जाएगा। इंस्पेक्टर इंदु बाला व उनकी टीम ने वाहन चालकों को जागरूक करते हुए बताया कि वाहन चालक यात्रा करते समय सुरक्षा उपकरणों का उपयोग नहीं करते जिसकी वजह से सड़क दुर्घटनाएं घटित होने पर उन्हें शारीरिक रूप से बहुत बड़ी हानि का सामना करना पड़ सकता है। वाहन चालकों द्वारा की जाने वाली यह लापरवाही कई बार उनकी जान भी ले सकती है। नवयुवक मोटरसाइकिल पर यात्रा करते समय अक्सर हेलमेट नहीं लगाते क्योंकि इससे उनका हेयर स्टाइल खराब हो जाता है लेकिन उनको मालूम होना चाहिए की उनकी यह लापरवाही कितनी बड़ी हानि का सबब बन सकती है। कुछ लोग गाड़ी में यात्रा करते समय सीट बेल्ट नहीं लगाते परंतु किसी भी प्रकार की दुर्घटना में सीट बेल्ट सबसे ज्यादा लाभदायक साबित होती है।

विश्व की 18 प्रतिशत आबादी को सिर्फ चार फीसदी पानी

गांव कटोड़ा में लोगों को पानी की गुणवत्ता के बारे में जानकारी देते जिला सलाहकार दीपक कुमार।

फरीदाबाद। राजौंद खंड के गांव कटोड़ा के में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के जिला सलाहकार दीपक कुमार ने लोगों को जल संरक्षण को लेकर जानकारी दी।

जिला सलाहकार दीपक कुमार ने बताया कि विश्व की 18 प्रतिशत आबादी हमारे देश में रहती है। वही हमारे पास मात्र 4 प्रतिशत पानी उपलब्ध है और बारिश के पानी का मात्र 8 फीसद पानी ही हम संचय कर रहे हैं। भारत में 1911 अरब क्यूबिक मीटर पानी उपलब्ध है। दीपक कुमार ने बताया कि विश्व के 20 शहर जहां पानी की किल्लत है। उस सूची में भारत के 5 शहर शामिल है। नंबर दो पर दिल्ली, छठे स्थान पर कोलकाता, 18वें स्थान पर चेन्नई, 19वें स्थान पर बेंगलुरु और 20वें स्थान पर हैदराबाद है। वहीं अगर हम कैथल जिले की बात करें तो कैथल जिले के सात खंडों में से 2 खंड राजौंद और गुहला को केंद्रीय भू-जल विभाग द्वारा डार्क जोन घोषित कर दिए गए हैं।

स्कूलों में लगाई जाएगी बूस्टर डोज : डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि जिला के सभी स्कूलों में 15 से 18 वर्ष तक आयु के किशोरों को कोविड-19 वैश्विक महामारी कोरोना के संक्रमण के बचाव के लिए सभी विद्यार्थियों के लिए शिक्षा विभाग के अधिकारी, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों के साथ तालमेल करके स्कूलों में वैक्शीनेशन कैम्प आयोजित करें। जहां पर हर 15 से 18 वर्ष आयु के किशोर को वैक्सीनेशन लगवाना सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने कहा कि इसी कड़ी में 60 वर्ष आयुवर्ग से अधिक के बुजुर्गों व फ्रंटलाईन वर्कर्स तथा हेल्थवर्कर्स को 10 जनवरी से प्रीकॉशन डोज लगाएंगे। जिसकी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि पहली डोज नहीं लगवाने वालों को कहीं भी आवाजाही की अनुमति नहीं देंगे। दूसरी डोज की प्रतीक्षा वालों को समय सीमा (28 दिन व 84 दिन) के अनुसार ही छूट मिलेगी।

उपायुक्त जितेन्द्र यादव।

जिला में गत सोमवार से 15 से 18 वर्ष आयुवर्ग के किशोरों को वैक्सिनेशन लगाने का कार्य सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार शुरू कर दिया गया है। उपायुक्त जितेन्द्र यादव ने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार यदि किसी ने मास्क लगाने, सोशल डिसटेंश निर्देशों की अनुपालना नहीं की तो उनके चालान किए जाये। इसी प्रकार निर्धारित प्रोटोकॉल की अनुपालना न करवाने वाले संस्थानों के विरुद्ध भी जुर्माना लगाने की कड़ी कार्रवाई अमल में लाई जाए। सार्वजनिक स्थानों पर जांच के लिए विशेष कदम उठाये। शिक्षण संस्थानों में किशोरों को वैक्शीनेशन लगवाना सुनिश्चित करें। सरकारी और गैर सरकारी संस्थानों में नो मास्क-नो सर्विस के तहत की कार्रवाई करना भी सुनिश्चित करें।

उपायुक्त ने कहा कि अब पूर्ण सावधानी बरतने का समय है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर गठित की गई लोकल कमेटियों को भी पुन: सक्रिय कर दिया गया है। सबके हितों के लिए निर्देशों की अनुपालना ईमानदारी से करनी होगी। डीसी ने कहा कि नोवल कोरोना वायरस के फैलाव को रोकने के लिए टीकाकरण एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्शीन की डोज के लिए फरीदाबाद की जनता को बिना किसी डर के वैक्सीनेशन करवाना चाहिए। टीकाकरण से स्वास्थ्य पर कोई बुरा प्रभाव नही पड़ता। जिला चिकित्सा अधिकारी डॉं विनय गुप्ता ने बताया कि पहली वैक्शीनेशन लगवाने पर ईम्युनिटी पावर ओर भी बेहतर कारगर साबित हो रही है।

लिंगानुपात और पोषण अभियान को लेकर बैठक

फरीदाबाद। उपायुक्त जितेन्द्र यादव के दिशानिर्देशों पर सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार एसडीएम फरीदाबाद परमजीत चहल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग फरीदाबाद ग्रामीण एवं शहरी ब्लॉक के द्वारा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ योजना के अंतर्गत ब्लॉक टास्क फार्स एवं पोषण अभियान एवं प्रधान मंत्री मात्तृ वंदना योजना के अंतर्गत त्रैमासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। सम्बंधित विभागों स्वास्थ्य एवं शिक्षा विभाग के साथ एक्शन प्लान के तहत विभिन्न मुद्दों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला संयोजक गीतिका सभरवाल द्वारा बैठक में बतायाा कि फरीदाबाद को कुपोषण मुक्त बनाने की कड़ी में जिला के कुपोषित बालक एवं बालिकाओं को विशेष पोषित आहार व एनआरसी से स्वास्थ्य लाभ दिलाया जा रहा है।

गंभीर अपराधों में 4515 आरोपी गिरफ्तार

जिले की पुलिस ने किया बेहतरीन प्रदर्शन, 52 ईआरवी गाड़ियों से पुलिस व्यवस्था हुई मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस द्वारा किए गए सराहनीय कार्यों की बदोलत वर्ष 2021 फरीदाबाद पुलिस के लिए उपलब्धियों भरा रहा। हरियाणा सरकार द्वारा राज्य में कानून व्यवस्था को सदृढ़ करने के लिए प्रोजेक्ट डायल 112 शुरू किया गया था जिसमें पुलिस मुख्यालय पंचकुला की तरफ से फरीदाबाद को 52 ईआरवी गाड़ियां मुहैया कराई गई।

इन गाड़ियों का उपयोग नागरिकों की शिकायत प्राप्त होने के 5 से 15 मिनट में, उनतक पुलिस की पहुंच उपलब्ध कराना तथा शहर में पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने के साथ साथ मेडिकल सेवाओं के लिए किया जा रहा है।

सीपी (विकास कुमार अरोड़ा)

इसी की बदोलत अपराधियों में पुलिस का भय तथा आम नागरिक के मन में पुलिस के प्रति विश्वास कायम हुआ है। फरीदाबाद पुलिस ने अपराध पर अंकुश लगाते हुए अवैध हथियार, नशे का कारोबार, जुवा, शराब और पीओ, बेल जंपर इत्यादि के आरोपियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। यदि आंकड़ों पर गौर किया जाए तो क्राइम ब्रांच ने वर्ष 2021 में लूट, डकैती, स्नैचिंग, चोरी आदि के 164 मामलों में शामिल 30 गैंग का पर्दाफाश करते हुए इन गैंग के 75 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है जिनमें आरोपियों के कब्जे से करीब 2 करोड़ 2 लाख रुपये बरामद किए गए है।

पुलिस ने फरीदाबाद में दर्ज मामलों में मोस्ट वांटेड 43 आरोपियो को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है जिसमे जिलों में हत्या के मुकदमों के मुख्य आरोपी 5 लाख के इनामी बदमाश काला जठेड़ी तथा 2 लाख के इनामी बदमाश मनोज मान्गरिया का नाम शामिल है। इसके अलावा रॉकी हत्याकांड में शामिल 50 हजार के इनामी बदमाश आरोपी विनोद उर्फ बिन्नी व 25-25 हजार के इनामी बदमाश राहुल उर्फ नुन्नु, अजीत व कपिल, लूट के मामले में 25 हजार के इनामी बदमाश जाकिर, अवैध शराब व नशा तस्करी में 50 हजार के इनामी बदमाश लाला तथा 25 हजार के इनामी बदमाश अमित उर्फ अपला, हेमंत, जितेन्द्र तथा तारीफ, ओएलएक्स पर विज्ञापन डालकर लूट करने वाले आरोपी राकेश, गोरक्षकों की हत्या के प्रयास में 25-25 हजार के इनामी बदमाश चीनी, शाहरुख, राशिद, भल्ला और आबिद का नाम शामिल है। आरोपी आबिद को क्राइम ब्रांच 65 ने हाल ही में गिरफ्तार किया था।

कागज उद्योग संगठन आईपीएमए के अध्यक्ष बने एएस मेहता

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जेके पेपर लिमिटेड के प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर एएस मेहता को इंडियन पेपर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) का प्रेसिडेंट और नैनी पेपर्स लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर पवन अग्रवाल को वाइस प्रेसिडेंट चुना गया है। आईपीएमए की 22वीं वार्षिक आमसभा (एजीएम) में नियुक्तियों का एलान किया गया।

एजीएम के दौरान 2019-20 के लिए आईपीएमए अवार्ड्स का भी एलान किया गया। आईपीएमए पेपर मिल ऑफ द ईयर का अवॉर्ड सेशासायी पेपर एंड बोर्ड्स लिमिटेड, इरोड को दिया गया। आईपीएमए अवार्ड फॉर एनर्जी कंजर्वेशन के लिए आईटीसी लिमिटेड (पीएसपीडी), भद्राचलम को चुना गया। आईपीएमए एनवायरमेंट अवॉर्ड तमिलनाडु न्यूजप्रिंट एंड पेपर्स लिमिटेड, कगितापुरम को दिया गया।

आईपीएमए अवॉर्ड्स पूरे उद्योग जगत का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इन पुरस्कारों के लिए भारत के सभी छोटे-बड़े पेपर मिल को प्रतिभाग का मौका दिया जाता है। तकनीकी रूप से दक्ष और उद्योग जगत के विशेषज्ञों की ज्यूरी नामांकनों का मूल्यांकन कर पुरस्कारों के लिए विजेताओं का चयन करती है। राष्ट्रीय स्तर पर पेपर उद्योग की सर्वोच्च ईकाई इंडियन पेपर मैन्यूफैक्चरर्स एसोसिएशन (आईपीएमए) भारत में कागज उद्योग के संगठित स्वरूप का प्रतिनिधित्व करता है। आईपीएमए के सदस्यों में निजी एवं सरकारी क्षेत्रों के पल्प एवं पेपर मिल शामिल हैं। इनमें सभी श्रेणी के कागज (राइटिंग, प्रिंटिंग, पैकेजिंग, पेपरबोर्ड, स्पेशियलिटी एवं न्यूजप्रिंट) उत्पाद से जुड़ी और देश के सभी क्षेत्रों में कार्यरत कंपनियां शामिल हैं, जो पारंपरिक फाइबर जैसे वुड एवं बांस का प्रयोग करती हैं और साथ ही अपारंपरिक कच्चा माल जैसे रीसाइकिल किया हुआ फाइबर, रिकवर्ड पेपर, कृषि अवशेष जैसे गन्ने की खोई आदि का प्रयोग करती हैं।

लोकप्रिय अवधारणा

घर से काम

एक चोटी की मानव संसाधन कंसल्टेंसी कंपनी का कहना है कि भारत में किसी भी समय कहीं से काम करने वाले सीमाहीन कार्यबल की प्रवृत्ति उभर रही है। इसका प्रमाण दूसरे दर्जे के शहरों में बढ़ते वेतन स्तरों के रूप में सामने है। इस श्रेणी में अहमदाबार सबसे ऊपर है और इसके बाद चंडीगढ़, भुवनेश्वर, कोची, जयपुर, नागपुर, लखनऊ, इंदौर व कोयंबटूर उन गैर मैट्रो शहरों की सूची में शामिल हो रहे हैं जो काम पाने के पसंदीदा केंद्र हैं। जूनियर, मध्य व उच्च श्रेणी स्तर के वेतन अब यहां प्रथम श्रेणी के शहरों से ज्यादा कम नहीं हैं। कंसल्टेंसी फर्म के अनुसार काम के लिए कौशल की तलाश होती है और कोविड-19 से पैदा अनिश्चितता जारी है। इससे वर्क फ्राम होम 2022 में कहीं से काम में बदल सकता है। अब सेवायोजक गैर-विनिर्माण विभागों का कामकाज आनलाइन कर रहे हैं तथा दो में से एक चीज पसंद कर रहे हैं। पहला, ऐसे कर्मचारियों की तलाश जो दूसरे शहरों और कस्बों में अपने घरों से काम करने में सहज अनुभव करते हैं तथा दूसरा, भविष्य में भर्तियां मुख्यालयों से दूर छोटे शहरों में की जाएंगी। कंसल्टेंसी का दृढ़ विश्वास है कि दूसरी श्रेणी के शहर भावी 'टेलेंट हब' तथा 'रोजगार सृजन केन्द्र' हैं। शहरीकरण के कारण नए ढांचागत विकास पर ध्यान देने से दूसरी श्रेणी के शहर भावी कामकाज के वारिस बन रहे हैं। इनमें से अधिकांश शहर उद्योग के केन्द्र बन रहे हैं जिनमें ई-कामर्स, आईटी सेवायें, टेक्सटाइल, उपभोक्ता वस्तुएं, इंजीनियरिंग, शिक्षा, खाद्य पदार्थ, वित्त एवं स्वास्थ्य शामिल हैं। अनेक प्रकार की सेवायें उपलब्ध हैं जिनमें विनिर्माण, बिक्री, ग्राहक सेवायें, तकनीक, वित्त व आपरेशन्स शामिल हैं।

इस प्रक्रिया में वे न केवल भीतरी व बाहरी प्रतिभा आकर्षित करते हैं, बल्कि वे महानगरीय शहरों की शानोशौकत वाली जीवनशैली के आयामों को भी आकर्षित करते हैं। ऐसे में सेवायोजक खर्च कम होने के कारण दूसरी श्रेणी के शहरों से कामगार चुनना पसंद करते हैं। यहां महानगरों की तुलना में किराया व अन्य रूटीन खर्च बहुत कम हैं। कर्मचारी सहज अनुभव करते हैं तथा काम में बेहतर तरीके से बनाए रखे जा सकते हैं। कंपनियों को अपने बिजनेस के लिए बेहतर संसाधन वितरण मिलता है। कर्मचारियों के लिए यह जीवन खुदरा श्रृंखलाओं व मालों, रेस्टोरेंटों, विशेष रेस्टोरेंटों, सैलून व गैजेट स्टोरों के कारण यह जीवन आकर्षक लगता है जहां छोटे शहरों में भीड़ लगी रहती है। बात केवल इतनी ही नहीं है, यहां यात्रा कम करनी पड़ती है, किराए उचित हैं तथा लोगों को रहने व काम करने के लिए ज्यादा बड़े स्थान मिलते हैं। यहां प्रदूषण बहुत कम या नहीं होता है, भीड़ कम होती है, पार्किंग की समस्यायें नहीं होती हैं तथा परिवार के निकट रहने का अवसर मिलता है। वैश्विक महामारी ने दुनिया भर में कार्यसंस्कृति बदली है। वर्क फ्राम होम के बाद अब हाइब्रिड वर्क शैलियां, जैसे हाफ्टाइम वर्क व रिमोट वर्क सामने आ रही हैं। ये भी भारत में लोकप्रिय हो जाएंगी। कम तनाव तथा उच्च उत्पादकता स्तर सामने आ रहे हैं। थोड़े ही समय में यह प्रवृत्ति नई अवधारणाओं, जैसे सचमुच किसी समय कहीं से काम करने के लिए को-वर्किंग स्पेस जेसी अवधारणाओं को जन्म देगी। ये तटस्थ स्थान होते हैं जहां विभिन्न कंपनियों के कामगार सुविधाओं, साझा ढांचागत संरचना तथा सचिवालयी सुविधाओं का साझा करते हैं। पश्चिम में लाखों कामगार इन स्थानों में काम करते हैं। ये लचीलापन प्रदान करते हैं, सस्ते होते हैं तथा महत्वपूर्ण रूप से कामगारों को लगातार वर्क फ्राम होम की थकावट से मुक्ति दिलाते हैं। भारत को भी ऐसी कार्यसंस्कृति क्रांति संभव बनानी चाहिए।

बड़े बिजली सुधार टलने के कारण

डीबीटी तथा बिजली वितरण को लाइसेंस से मुक्त करना इस क्षेत्र को मुसीबतों से निकालने तथा उपभोक्ताओं को सस्ती बिजली देने के लिए जरूरी है।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक एवं स्तम्भकार हैं)

बिजली संशोधन विधेयक, 2021 के प्रारूप में चार मुख्य प्राविधान हैं। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण-डीबीटी, बिजली वितरण बिजनेस को लाइसेंस से मुक्त करना, अनुबंधों में विवादों के समाधान के लिए बिजली अनुबंध क्रियान्वयन अधिकरण-ईसीईए का गठन तथा राज्य व केन्द्रीय दरें निर्धारित करने वाले नियामक के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति हेतु एक समिति का गठन। कहा जाता है कि केन्द्र सरकार ने इन चारों को स्थगित कर दिया है। हालांकि, तीसरे और चौथे प्रस्ताव का संबंध प्रक्रिया उन्मुख तथा अनुबंधों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, वहीं पहले दो क्रांतिकारी सुधार हैं। यदि इनका ठीक से क्रियान्वयन किया जाए तो वे भारतीय बिजली परिदृश्य में आमूल सुधार की क्षमता रखते हैं। इनसे होने वाले सुधारों और होने वाले लाभों पर विचार करने के पहले चूंकि इन प्रस्तावों को छोड़ दिया गया है, इसलिए यह विचार करना जरूरी हो जाता है कि इस क्षेत्र की क्या समस्यायें हैं। लगभग दो दशक से भारतीय बिजली क्षेत्र को मुख्यत: चार समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। अनुपयुक्त उपलब्धता व सप्लाई में लगातार आने वाली बाधा, बिजली वितरण कंपनियों-पीडीसी पर वित्तीय दबाव, स्वतंत्र बिजली उत्पादकों-आईपीपी पर बढ़ता बकाया तथा उद्योगों व बिजनेसों को मिलने वाली महंगी बिजली। सरकार ने समस्याओं को संबोधित करने के प्रयास किए, पर वह इसमें सफल नहीं हुई। इस बीच समस्या भयानक आकार धारण करती रही। समस्या की गंभीरता समझने के लिए कुछ कटु तथ्यों पर गौर करें। 31 मार्च, 2021 तक डिस्काम पर 4,50,000 करोड़ रुपये से अधिक कर्ज हो गया था। यह केन्द्र सरकार द्वारा नवंबर, 2015 में उदय परियोजना के अंतर्गत बेलआउट पैकेज देने के बावजूद था जिसमें 4,00,000 करोड़ कर्ज माफ कर दिया गया था। उन पर बिजली उत्पादकों का 1,00,000 करोड़ रुपया भी बाकी है जिनमें आईपीपी के अलावा सार्वजनिक क्षेत्र की एनटीपीसी जैसी कंपनियां शामिल हैं। ऐसा पिछले साल आत्मनिर्भर भारत अभियान-एबीए के अंतर्ग तदी गई 1,30,000 करोड़ रुपये की रियायत के बावजूद है। अधिकांश राज्यों में उद्योगों व बिजनेसों को बिजली सप्लाई 10 रुपये प्रति यूनिट से अधिक दर पर होती है। उपलब्धता को देखते हुए पूरा नेटवर्क आईपीपी-पीएसयू उत्पादकों से डिस्काम को भारी प्राप्तियों पर निर्भर है। लेकिन पैसे के लिए वे केन्द्र पर निर्भर हैं। उदाहरणार्थ, 2020-21 में बिजली वित्त निगम-पीएफसी व ग्रामीण विद्युतीकरण नियम-आरईसी को डिस्काम को 1,30,000 करोड़ कर्ज देने के लिए तैयार किया गया ताकि वे आईपीपी-पीएसयू को किसी भी समय बिजली सप्लाई में बाधा से बचने के लिए बकाया अदा कर सकें। इस समस्या की जड़ कहां है अथवा यह पूछा जा सकता है कि बिजली क्षेत्र की लगातार अव्यवस्था का क्या कारण है?

बिजली का एक बड़ा हिस्सा परिवारों व किसानों को खरीद व वितरण खर्च के बहुत कम हिस्से पर या लगभग मुफ्त सप्लाई किया जाता है। कुछ राज्यों में सब्सिडी डिस्काम राजस्व का 30-40 प्रतिशत तक है। ऐसी सप्लाई इसलिए संभव है क्योंकि राज्य सरकारें डिस्काम को अपने स्वामित्व व नियंत्रण में होने के कारण इन पसंदीदा उपभोक्ताओं को कम दरों पर या मुफ्त सप्लाई के लिए कह सकती हैं। इसके बदले वे अतिरिक्त खर्च की प्रतिपूर्ति का वादा करती हैं और सब्सिडी देती हैं। लेकिन अधिकांश राज्य यह प्रतिपूर्ति नहीं करते हैं या काफी विलंब के बाद केवल आंशिक रूप से करते हैं। इसके परिणामस्वरूप उपभोक्ताओं को सस्ती या मुफ्त बिजली देने के कारण डिस्काम को भारी नुकसान होता है। राजनेताओं के संरक्षण में बिजली चोरी के कारण समस्या और गंभीर हो जाती है। एक कास्ट-प्लस फार्मूले के अंतर्गत घाटे की पूर्ति उपभोक्ताओं से अधिक दरों पर वसूली से होती है। कम वसूली तथा राज्य सरकारों के आदेश से डिस्काम उद्योगों को अधिक कीमत पर बिजली सप्लाई करते हैं। बिजली लेने की मजबूरी के कारण उद्योगों को भुगतान करना पड़ता है।

लेकिन इस क्रास-सब्सिडी के बावजूद डिस्काम को भारी घाटा होता है। इस प्रकार समस्या की जड़ सभी पार्टियों का लोकरंजक दृष्टिकोण है। अपने अलग-अलग राजनीतिक जुड़ाव के बावजूद वे किसानों तथा गरीब परिवारों को सस्ती या मुफ्त बिजली देने का वादा करते हैं क्योंकि इसका लाभ उनको चुनावों में मिलता है। इसके लिए डिस्काम का प्रयोग किया जाता है। वर्तमान समय में पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के पहले राजनीतिक पार्टियां मुफ्त बिजली देने या बकाया बिल माफ करने की घोषणाओं में एक-दूसरे से प्रतियोगिता कर रही हैं। विभिन्न सरकारों ने इस स्थाई समस्या से निपटने के लिए कोई खास प्रयास नहीं किए हैं। वे केवल डिस्काम को वित्तीय सुधार पैकेज-एफआरपी देती हैं जो कर्ज माफ करने का दूसरा नाम है। पिछले दो दशकों में चार एफआरपी दिए गए हैं जिनसे केन्द्रीय व राज्यों के खजानों का सैकड़ों-हजारों करोड़ रुपया बरबाद हुआ है।

ऐसे में आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता पसंदीदा ग्राहकों को डिस्काम से सब्सिडी देना बंद करना है। राज्य सरकारें सीधे लाभार्थियों को प्रत्यक्ष सब्सिडी हस्तांतरण-डीबीटी से सब्सिडी दे सकती हैं। यह एलपीजी सब्सिडी देने के तरीके से किया जा सकता है। इसके साथ ही डिस्काम अपनी बिजली दरें खरीद, वितरण व पारेषण खर्च के आधार पर कर सकेंगी। बाद में निजी फर्मों को वितरण बिजनेस में आने तथा डिस्काम से प्रतियोगिता की अनुमति होगी। इससे सुनिश्चित होगा कि ग्राहक का नुकसान न हो। वर्तमान समय में बिजली पारेषण, वितरण तथा ग्राहक तक पहुंचाने का पूरा ढांचा डिस्काम के स्वामित्व व नियंत्रण में है। समान आधार सुनिश्चित करने के लिए इस ढांचे को डिस्काम से अलग कर एक स्वतंत्र संस्था को देना जरूरी है। सभी सप्लायरों की पारदर्शी व बिना भेदभाव की इस 'साझा कैरियर' तक पहुंच होनी चाहिए। डिस्काम को राज्यों के नियंत्रण से हटा कर स्वायत्त उद्यम बनाना जरूरी है। उनको 'कार्पोरेट उद्यम' बना कर एक निजी फर्म की तरह काम करने की अनुमति होनी चाहिए। इससे वे स्वतंत्र रूप से व पेशेवर तरीके से दरें तय करने तथा बिजली खरीद समझौतों में सक्षम होंगे। इन कदमों से बिजली खरीद की कीमत घटेगी, बिजली बिक्री से अधिक पैसा मिलेगा तथा चोरी रोकने में सहायता मिलेगी। इन प्रयासों से डिस्काम मुनाफे वाले उद्यम बन जाएंगे। इसके साथ ही वे किसानों व परिवारों को सस्ती या मुफ्त बिजली देने के लिए बाध्य नहीं होंगे। इसके कारण बिजली का पूरा पैसा मिलेगा तथा उद्योगों का बिजनेसों को बिजली पर भारी खर्च नहीं करना पड़ेगा।

संक्षेप में कहा जाए तो डीबीटी व बिजली वितरण को लाइसेंस से मुक्त करना ऐसे दो सुधार हैं जिनसे यह क्षेत्र वर्तमान संकट से निकल सकता है। इससे एक ओर बिजली उत्पादकों तथा वितरकों की स्थिति सुधरेगी तथा दूसरी ओर उपभोक्ताओं को सस्ती व प्रतियोगी दरों पर प्रयोग के लिए ढांचा उपलब्ध होगा। इनको बिजली संशोधन विधेयक, 2021 में शामिल करना यह लक्ष्य प्राप्त करने की दिशा में पहला कदम होगा। लेकिन अब सरकार ने ये प्रस्ताव छोड़ दिए हैं। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार इन पर आगे बढ़ने की इच्छुक नहीं है तथा कोई राज्य सरकारें 'सोने का अंडा देने वाली मुर्गी' छोड़ने को तैयार नहीं हैं। वे वोट बटोरने के लिए डिस्काम का प्रयोग करती हैं।

लेकिन आखिर राज्यों को सीधे किसानों या परिवारों को सब्सिडी देकर चुनाव जीतने से कौन रोकता है? डिस्काम के माध्यम से सब्सिडी की वर्तमान व्यवस्था के बजाय डीबीटी के अंतर्गत राज्य सरकारों को चुस्ती से काम करना होगा। इसी कारण वे डीबीटी का घोर विरोध कर रही हैं। बिजली वितरण बिजनेस में निजी क्षेत्र की सहभागिता से भ्रष्ट डिस्काम प्रभावित हो सकती है। ऐसे में बिजली सुधार दूर का सपना हैं।

जीवन-चक्र दृष्टिकोण के तहत संयोजित औषधियां

लेखकगण नीति आयोग में कार्यरत सिविल सेवक हैं।

राकेश सरवाल **शोभित कुमार**

जहां एक ओर कोविड-19 महामारी ने स्वास्थ्य प्रणाली की खामियों को उजागर करके उसे चुनौती दी है, वहीं इसने लचीली स्वास्थ्य प्रणालियों को डिजाइन करने का अवसर भी प्रदान किया है। स्वास्थ्य प्रणाली को मजबूत करने का एक तरीका है आधारभूत कार्यों के लिए विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों से उपलब्ध संसाधनों को एकत्रित करना। उदाहरण के लिए, विश्व स्वास्थ्य संगठन के मानदंडों के अनुसार प्रति 1000 जनसंख्या पर एक डॉक्टर की आवश्यकता के विपरीत, जनसंख्या अनुपात में एलोपैथिक डॉक्टर केवल 0.76 (12.68 लाख पंजीकृत एलोपैथिक डॉक्टरों की 80 प्रतिशत उपलब्धता मानते हुए) है, जिसे प्रति 1000 पर 0.48 आयुष चिकित्सकों द्वारा पूरक किया जा सकता है। जनसंख्या (पंजीकृत 7,99,879 आयुष चिकित्सकों की 80 प्रतिशत उपलब्धता मानकर) कुल 1.24 डॉक्टरों को 1000 लोगों तक ले जाना, जो अनुशंसित मानदंड से ऊपर है। संयोग से, आयुष जनशक्ति का उपयोग विभिन्न राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों द्वारा कोविड-19 के शमन में विभिन्न पहचानी गई भूमिकाओं के लिए किया गया था, आयुष अवसंरचना का उपयोग कोविड देखभाल केंद्र, कोविड स्वास्थ्य केंद्र और टीकाकरण केंद्र आदि के रूप में किया गया था। इसके अलावा, आधुनिक चिकित्सा के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के अनुरूप, पारंपरिक चिकित्सा की प्रत्येक प्रणाली के लिए अनुसंधान परिषदें मौजूद हैं। अनुसंधान में भी आधुनिक चिकित्सा और आयुष की विशेषज्ञता के तालमेल और पूलिंग की गुंजाइश है।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति, 2017 सभी क्षेत्रों में ठोस नीति कार्रवाई के माध्यम से स्वास्थ्य की स्थिति में सुधार की वकालत करती है। नीति अनुसंधान और एकीकृत प्रथाओं में सरकारी सहायता प्रदान करती है। पारंपरिक और पूरक चिकित्सा 2019 पर विश्व स्वास्थ्य संगठन की वैश्विक रिपोर्ट 21वीं सदी में उत्पन्न अद्वितीय स्वास्थ्य चुनौतियों से निपटने के लिए सर्वोत्तम पारंपरिक और पूरक चिकित्सा (सीएएम) और पारंपरिक चिकित्सा को एकीकृत करने की आवश्यकता को दोहराती है। डब्ल्यूएचओ

एकीकृत स्वास्थ्य देखभाल को विभिन्न पश्चिमी चिकित्सा, पारंपरिक और स्वदेशी, और सीएएम लाइसेंस प्राप्त स्वास्थ्य देखभाल प्रदाताओं के बीच एक सहयोगी, टीम देखभाल दृष्टिकोण के रूप में परिभाषित करता है। एकीकृत देखभाल सह दवा का दायरा बहुत व्यापक है और इसमें रोगी केंद्रित, व्यापक देखभाल की परिकल्पना की गई है। एकीकृत स्वास्थ्य यह मानता है कि आधुनिक प्रणाली और आयुष प्रणालियों की अपनी ताकत और सीमाएं हैं जिससे वे एक दूसरे के पूरक हो सकते हैं। आधुनिक चिकित्सा प्रणाली की ताकत में आपातकालीन प्रबंधन, संज्ञाहरण और शल्य चिकित्सा प्रबंधन, एंटी-माइक्रोबियल थेरेपी, संचारी रोगों का प्रबंधन आदि शामिल हैं। इसके विपरीत, आयुष प्रणालियों में निवारक और प्रेरक स्वास्थ्य (स्वस्थवृत), आहारशास्त्र (आहार-विधि), दैनिक और मौसमी आहार (दिनचर्या और ऋतुचर्य), नैतिक आचरण की वकालत (सद्वृत्ता) और योग की ताकत है जो अच्छे स्वास्थ्य की स्थिति प्राप्त करने में अपना योगदान देता है। आयुष प्रणाली का उद्देश्य व्यक्ति-केंद्रित देखभाल प्रदान करना है, बीमारी के अंतर्निहित कारण को समाप्त करने पर जोर देना है, एक संपूर्ण व्यक्ति शरीर और मन को शामिल करता है। इन प्रणालियों की जराचिकित्सा देखभाल, आंतों के विकार, त्वचा, तंत्रिका संबंधी और मस्कुलोस्केलेटल सिस्टम, ऑटो-प्रतिरक्षा रोग, प्रजनन स्वास्थ्य, मानसिक स्वास्थ्य, गैर-संचारी पुरानी बीमारियों और पुनर्वास में विशेष भूमिका है। जीवनकाल के संदर्भ में, और अधिक सामान्यीकरण की कीमत पर, पारंपरिक चिकित्सा रोकथाम और स्वास्थ्य संवर्धन, पुरानी बीमारियों के प्रबंधन और घर-आधारित देखभाल में उपयोगी है।

आधुनिक चिकित्सा आपात स्थितियों (जैसे स्ट्रोक, दिल के दौरे), दुर्घटनाओं, संक्रमणों, बचपन की स्थितियों और सर्जिकल प्रक्रियाओं की आवश्यकता वाले लोगों को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकती है। एक एकीकृत दृष्टिकोण के अभ्यास के लिए दवा की प्रत्येक प्रणाली की ताकत की समझ और पहचान की आवश्यकता होती है, जिसे उनके संबंधित पाठ्यक्रम में शामिल किया जाना है। क्रॉस-रेफरल के माध्यम से इन प्रणालियों का एकीकरण समग्र और व्यापक देखभाल की गुंजाइश प्रदान करेगा।

कुछ गलत जानकारी वाले लोग एकीकृत दवा को मिक्सोपैथी के रूप में लेबल करते हैं। व्यवसायों और उपभोक्ताओं को दोनों के बीच अंतर करने की आवश्यकता है। यह समझना महत्वपूर्ण है कि यह एकीकरण स्थितियों के प्रभावी और सुरक्षित प्रबंधन के साथ-साथ स्वास्थ्य के संरक्षण, सुरक्षा और कायाकल्प में एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है। अकेले अभ्यास करने के लिए शिक्षा, प्रशिक्षण और लाइसेंस वाले व्यवसायी प्रत्येक प्रणाली का अभ्यास कर सकते हैं और करना चाहिए। एकीकरण का उद्देश्य अपनी पहचान खोए बिना प्रत्येक प्रणाली की सर्वोत्तम प्रथाओं को एक साथ लाना है। इसके विपरीत, 'मिक्सोपैथी' अयोग्य चिकित्सकों द्वारा विभिन्न चिकित्सा प्रणालियों का एक अवैध और अनैतिक अभ्यास है।

भारत में एकीकृत चिकित्सा की एक प्रणाली स्वास्थ्य देखभाल पर होने वाले बढ़ते खर्च, देखभाल की निरंतरता के माध्यम से व्यापक स्वास्थ्य देखभाल के प्रावधान से बच सकती है और सार्वभौमिक स्वास्थ्य देखभाल के एसडीजी-3 को साकार करने में मदद कर सकती है।

आप की बात

क्या सोनाबंदी भी होगी?

घर में रखे पुश्तैनी गहनों की शुद्धता की जांच भी अब कराई जा सकेगी पुश्तैनी गहनों की शुद्धता के आधार पर हाल मार्क सर्टिफिकेट दिया जाएगा। जिसकी रिपोर्ट ज्वेलर, बैंकर्स और गोल्ड लोन कंपनियों को मानना होगा। इस संबंध में भारतीय मानक ब्यूरो हॉलमार्क विभाग के वरिष्ठ वैज्ञानिक ने निर्देश जारी किए हैं बी आई एस का यह फैसला काफी अहम माना जा रहा है अब हाल मार्किंग के बहाने घरों एवं लाकरो में पडा सोना निगरानी दायरे में बाहर आएगा। अभी तक ज्वेलर्स से खरीदे गए सोने की जांच ग्राहक कहीं भी करा सकते थे पर अब घरों में रखे पुराने सोने की हाल मार्किंग किसी भी हाल मार्किंग सेंटर पर कराई जा सकेगी हाल मार्किंग सेंटर उपभोक्ता के गहनों या कलाकृतियों की जांच कर सकेंगे और सत्यापन के बाद परख रिपोर्ट जारी करेंगे उपभोक्ता के पुराने सोने की सर्टिफिकेशन रिपोर्ट को सभी ज्वेलर्स को स्वीकार करना होगा, इसकी न्यूनतम फीस ?236 तय की गई है इसमें एक से लेकर 6 गहनों की हाल मार्किंग हो सकेगी। तब हम यही कहेंगे कि जिस तरह से सरकार ने पहले नोट बंदी की थी उसी तरह से कही ये सोना बंदी भी ना हो एवं पुराना से पुराना सोना लाकर हाल मार्क के केंद्र पर लाकर हॉल मार्क केंद्र पर दिखाना पड़े।

– **मनमोहन राजावत**, शाजापुर

हानिकारक मोबाइल

मोबाइल के आविष्कार ने लोगों को सूचना क्रांति से जोड़ दिया है। लेकिन इसका दुरुपयोग हद से ज्यादा हो रहा है। बच्चे बूढ़े और जवान सभी मोबाइल में ही दिन रात व्यस्त रहते है। मोबाइल पर बातें करते समय न समय का ध्यान और न स्थान का। जिसके कारण हर जगह मोबाइल के कारण जानलेवा दुर्घटनाये हो रही है। इटावा के जसवंत नगर में घना कुहरा होने के कारण ईयर फोन लगाकर गाना सुनते हुये रेलवे ट्रैक पार कर रहे दो युवकों समेत चार लोग ट्रेन की चपेट में आ गए। जिनमे तीन की मौत और एक गम्भीर रूप से घायल हो गया। ईयर फोन लगे होने से मालगाड़ी का हॉर्न और कुहरा होने से ट्रेन दिखाई नही दिया।जिसके कारण यह दुखद हादसा हो गया। प्रत्येक व्यक्ति को सड़क , घर,रेलवे ट्रैक हर जगह मोबाइल का प्रयोग चलते हुए नही करना चाहिये। हर जगह सावधानी बरतने की जरूरत है।सड़क पर ईयर फोन लगा कर गाना सुनने और दोपहिया वाहन चलाते समय मोबाइल से बात नही करनी चाहिये। रेलवे लाइन पार करते समय देखकर कदम बढ़ाना चाहिये। विद्युत चालित ट्रेनों में आवाज कम होती है।इसलिये रेलवे ट्रैक को देखकर पार करना चाहिये। मोबाइल का प्रयोग बच्चो को भी ज्यादा नही करने देना चाहिये।

– **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

वैज्ञानिकों की नज़र उल्का पिंडों पर

हर साल सोशल मीडिया पर खबर आती है कि अंतरिक्ष से धरती पर उल्का पिंड गिरने की संभावना है। उल्का पिंड धरती से नहीं टकराता बल्कि एक भय का वातावरण के मन में भर जाता। अभी सोशल मीडिया पर धरती की और उल्कापिंड के नजदीक से गुजरने की संभावना की बताई जा रही है। ऐसे उल्कापिंडों का परिभ्रमण दोबारा कई वर्षो बाद फिर से संभव होता आ रहा है। पृथ्वी से टकराने का ऐसी अफवाहों पर अंकुश लगाना आवश्यक है क्योंकि अंतरिक्ष में करोड़ो उल्का पिंड तैरते रहते है। जिनकी पृथ्वी से दूरी लाखों करोड़ों मील है। सभी ग्रहों का अपना गुरुत्वाकर्षण है।ऐसे छोटे-छोटे उल्का पिंड पृथ्वी के करीब यानि लाखों किलोमीटर और अत्यंत तेज रफ्तार से गुजरते रहते है। कुछ पृथ्वी की कक्षा में आने के पूर्व नष्ट हो जाते है। भविष्य में संभावित खतरों से पृथ्वीवासियों की रक्षा के लिए नासा वैज्ञानिक, खगोल शास्त्री, आदि की अंतरिक्ष पर नजरें है। खबरों की अफवाओं को फैलने से रोका जाए।

– **संजय वर्मा,** मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते है।

फरमाया

राहुल गांधी को मंदिर में बैठना भी नहीं आता। उन्हें हिन्दू अथवा हिन्दुत्व का ज्ञान भी नहीं है।

– **योगी आदित्यनाथ**
मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश

ऑस्ट्रेलिया की स्वास्थ्य प्रणाली ओमीक्रोन संस्करण प्रसार के कारण होने वाले मामलों में वृद्धि से निपटने के लिए अच्छी तरह से सुसज्जित है।

– **स्कॉट मॉरीसन**
आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री

जब से मैं राज्य का गृहमंत्री बना हूं, पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू तब से मुझसे नाराज हैं।

– **सुखजिंदर सिंह रंधावा**
पंजाब के उपमुख्यमंत्री

यूपी में पहले दंगों का उत्पादन होता था: योगी

मुख्यमंत्री योगी ने अलीगढ़ में हरदुआगंज तापीय विस्तार परियोजना के लोकार्पण सहित 7,000 करोड़ से अधिक की सैकड़ों विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के शासनकाल को दंगों के उत्पादन का काल करार दिया है। सपा सुप्रीमो अखिलेश यादव के सपने में श्रीकृष्ण आने वाले बयान पर तंज कसते हुए योगी ने कहा है जो लोग सपने में भगवान श्रीकृष्ण के आने की बात कहते हैं, आज भगवान कृष्ण भी उन्हें कोस रहे होंगे। इन्हीं लोगों के राज में पहला दंगा मथुरा के कोसीकलां में हुआ। यह लोग कृष्ण नहीं कंस के उपासक हैं और जब इन्हें सत्ता मिली तो मथुरा, वृंदावन, बरसाना में कुछ विकास न किया, अलबत्ता जवाहरबाग कांड करा दिया। अलीगढ़ में मंगलवार को राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड की पहली सुपर क्रिटिकल इकाई 660 मेगावॉट हरदुआगंज तापीय विस्तार परियोजना के लोकार्पण सहित 7,000 करोड़ से अधिक की सैकड़ों विकास

परियोजनाओं के लोकार्पण व शिलान्यास के मौके पर सीएम योगी ने स्थानीय जनता की मांग पर सांसो में नई चीनी मिल स्थापित कराने की घोषणा भी की। सीएम योगी ने कहा कि पहले जनता का पैसा लूटा जाता था, विकास एक परिवार का होता था। वह लोग गरीबों का पैसा दीवारों में चुनवाकर रखते थे ताकि दंगा करा सकें, गरीबों की संपत्ति लूट सकें। आज उसी पैसे को हम लोग जेसीबी से खोदकर निकाल रहे हैं और युवाओं को टैबलेट-स्मार्टफोन दे रहे, गरीबों के घर बना रहे। बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के लिहाज से अहम नई तापीय विद्युत परियोजना को लोकार्पित करते हुए योगी ने कहा कि पहले की सरकारों में बिना बिजली के स्मार्टफोन और लैपटॉप चार्ज ही नहीं हो पाते थे, लेकिन हमारी सरकार निर्बाध रूप से बिजली दे रही है। पिछली सरकारें महंगे दामों पर बिजली खरीदती थी और उसका बोझ जनता पर डाल देती थी। वहीं नहीं लोगों को बिजली भी नहीं मिलती थी। सीएम ने कहा कि यूपी में पहले दंगों का उत्पादन होता था, अब प्रदेश में गन्ने का उत्पादन हो रहा है। आज कोई भी गरीब को प्रताड़ित नहीं कर सकता, गरीबों की जमीन पर कब्जा नहीं कर सकता है क्योंकि उन्हें मालूम है कि अगर वो लूट करेंगे तो पीछे से बुलडोजर भी चलेगा। आज जब लूट करने वालों पर बुलडोजर चलता है तो सबसे ज्यादा परेशानी सैफई में बैठे लोगों को होती है, इटली वाले भाई-बहन को होती है, कभी-कभी बहन जी को भी परेशानी होती है कि माफियाओं पर बुलडोजर क्यों चल रहा है। चुनावों को नजदीक देख सक्रिय हुए विपक्ष की कोरोनाकाल में जनता से दूरी बनाए रखने पर तंज कसते हुए योगी ने कहा कि जो लड़का साल भर स्कूल नहीं जाएगा वो अंतिम महीने में स्कूल जाकर कहेगा कि वह टॉप कर लेगा तो क्या वह कर लेगा। योगी के इस बयान पर मौजूद लाखों की भीड़ ने मोदी-योगी जिंदाबाद के नारे भी लगाए। भाजपा की कथनी और करनी में एकरूपता की बात कहते हुए मुख्यमंत्री ने जनता के सामने मोदी सरकार के सात वर्ष और अपने 5 वर्ष का हिसाब भी रखा। उन्होंने बताया कि हम लोगों ने कहा था कि देश के अंदर से आतंकवाद को समाप्त करेंगे, मोदी जी और अमित शाह जी ने कश्मीर से धारा 370 हटा दिया। फर्क साफ है, जो कहा वो किया। एक कालखंड वह था जब अयोध्या में मंदिर तोड़ा जा रहा था, काशी और मथुरा में मंदिर अपवित्र किए जा रहे थे लेकिन दूसरी ओर मोदी जी ने काशी विश्वनाथ धाम को भव्य स्वरूप दिया। अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बन रहा है।

कार्यक्रम में गन्ना विकास मंत्री सुरेश राणा, ऊर्जा मंत्री श्रीकांत शर्मा, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह, स्थानीय सांसद सतीश गौतम, राजवीर सिंह दिलेर सहित अनेक विधायक तथा अन्य जनप्रतिनिधि, सरकार और भाजपा संगठन के अनेक लोगों की सहभागिता रही।

लगता है कांग्रेस का भोंपू बन गया है मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड: स्वतंत्र देव

● सूर्य नमस्कार को लेकर बोर्ड का रवैया राजनीति से प्रेरित

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को कहा कि सूर्य नमस्कार को लेकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का रवैया राजनीति से प्रेरित है। पर्सनल लॉ बोर्ड को राजनीति से बचना चाहिए। सूर्य नमस्कार योग का ही हिस्सा है जिसे आज पूरी दुनिया यहां तक कि मिडिल ईस्ट के तमाम मुस्लिम देशों ने भी इसे मान्यता दे रखी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आरोग्य से जुड़ी योग और इसकी विविध विधाओं को पूरी दुनिया में मान्यता दिलाकर भारत का गौरव बढ़ाने का काम किया है। अब चुनाव नजदीक है पर्सनल लॉ बोर्ड इस मुद्दे का राजनितिकरण कर रहा है। बोर्ड की हरकत से ऐसा लग रहा है कि वह कांग्रेस को चुनावी लाभ दिलाने के लिए उसका भोंपू बन गया है। कहा कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय ने आजादी के अमृत महोत्सव के तहत देशभर के शैक्षिक संस्थाओं को 1 जनवरी से 7 फरवरी तक बीच सूर्य नमस्कार से जुड़ी गतिविधि कराने के लिए कहा है। इसमें किसी को कोई बुराई नहीं दिखती है लेकिन राजनीति का चश्मा चढ़ाकर मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड गलत बयानी कर रहा है। बोर्ड कांग्रेस के इशारे पर उसे प्राचीन भारतीय ज्ञान पर सवाल खड़ा करने के ही एजेंडे का काम कर रहा है। उन्होंने कहा कि मुस्लिम युवाओं के आइकन मुहम्मद शमी और मुहम्मद कैफ को जब इसमें कोई बुराई नहीं दिखती है तो बोर्ड को इस मामले में नहीं पड़ना चाहिए। बोर्ड को इसमें धर्म के नाम का पर्दा हटा देना चाहिये। उसे युवाओं को बेहतर-अनुशासित जीवन शैली के लिए, योगासन और सूर्य नमस्कार को प्रोत्साहित करने के लिए कदम उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोविड जैसी आपदा में सूर्य नमस्कार और योगासन और प्राणायाम से खुद की शारीरिक क्षमता को दुरुस्त किया था और विपत्ति के समय आरोग्य अर्जित किया। आज दुनिया के करोड़ों लोगों के बीच सूर्य नमस्कार की मान्यता है। दुनिया के दर्जनों मुस्लिम देशों में योगासन के प्रशिक्षण के वैश्विक केंद्र तक चलाये जा रहे हैं। योग और सूर्य नमस्कार को धर्म के चश्मे से देखने की बजाय आरोग्य की प्राचीन भारतीय विधा के रूप में देखा जाना चाहिए। बोर्ड को अवैज्ञानिक और तर्कहीन बयान वापस लेकर सभी को इसका प्रचार करना चाहिए।

सड़कें विकास के नये द्वार खोलती हैं: केशव प्रसाद मौर्य

● उप मुख्यमंत्री ने 10,725 करोड़ लागत की 8413 परियोजनाओं का किया लोकार्पण व शिलान्यास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश में, राज्यों, जनपदों, विकास खण्डों, तहसीलों, ग्राम पंचायतों, राजस्व ग्रामों व मजरों से अच्छी रोड कनेक्टिविटी के साथ जनसामान्य को सुगम यातायात की सुविधा प्रदान करने हेतु उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने मंगलवार को लोक निर्माण विभाग मुख्यालय स्थित विश्वेश्वरैया प्रेक्षागृह में वर्चुअल रूप से प्रदेश के जिलों की 10,725 करोड़ रुपए की कुल 8413 परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इस दौरान 74 सेतुओं व 3503 मार्गों के कार्यों का लोकार्पण भी उपमुख्यमंत्री द्वारा किया गया। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री श्री मौर्य ने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी लोकार्पित व शिलान्यास की गयी परियोजनाओं के शिलापट्ट 3 दिन के अन्दर सम्बन्धित साइट पर समारोह आयोजित करते हुये स्थापित किये जाएं तथा वहां पर क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों व क्षेत्रीय जनता की भागीदारी अनिवार्य रूप से सुनिश्चित की जाय। श्री मौर्य ने कहा इस कार्य की मॉनीटरिंग के लिये लोक निर्माण विभाग मुख्यालय में मॉनीटरिंग सिस्टम डेवलप किया जाय और शिलापट्ट स्थापित किये जाने की सूचना तत्काल उपलब्ध करायी जाए। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सड़कों के बिना विकास अधूरा लगता है, सड़कें विकास के नये द्वार खोलती हैं और प्रदेश में सड़कों व पुलों का जाल बिछाकर उत्तर प्रदेश को सर्वोत्तम प्रदेश बनाने की दिशा में लोक निर्माण विभाग द्वारा बहुत ही सराहनीय कार्य किया गया है। श्री मौर्य ने कहा कि नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, मुख्य जिला मार्ग, अन्य जिला मार्ग और जहां पर 7 मी. तक चौड़ी सड़कें बनी हैं उनसे 5 किमी दूरी तक के गांवों को सम्पर्क मार्गों से जोड़ने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि 2017 से पूर्व प्रदेश में 6000 किमी राष्ट्रीय राजमार्गों की लम्बाई थी, जो अब बढ़कर 12000 किमी हो गयी है। निर्माण कार्यों में सभी बाधाओं को दूर करते हुये, निर्माण कार्यों को कराया गया है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि नयी व आधुनिक तकनीक का उपयोग करके अच्छी व गुणवत्तापूर्ण सड़कें तो बनायी ही गयीं हैं, साथ ही साथ बहुत बड़ी धनराशि की बचत भी की गयी है, जिससे गांवों को सम्पर्क मार्गों से जोड़ने में सफलता प्राप्त की गयी है। मार्गों के डिजाइन में परिवर्तन के फलस्वरूप मार्ग निर्माण की लागत एवं सामग्री की खपत में 20 से 25 प्रतिशत की कमी आयी है तथा इससे पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन को बढ़ावा मिला है। प्रदेश में सड़कों का निर्माण करके प्रदेश के विकास की रफ्तार को तेज किया गया है, इससे जहां पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा वहीं आवागमन की बेहतर सुविधा के साथ-साथ किसानों, व्यापारियों व आम जनमानस को विपणन सुविधाओं का भरपूर लाभ मिलेगा।

इस अवसर पर राज्यमंत्री लोक निर्माण विभाग चन्द्रिका प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि उपमुख्यमंत्री के नेतृत्व में प्रदेश में लोक निर्माण विभाग के कार्यों में ऐतिहासिक प्रगति हुयी है, अच्छी और गुणवत्तापूर्ण सड़कों के निर्माण से जनता को अपने गंतव्य स्थल तक पहुंचने में आसानी तो हो ही रही है, साथ ही समय की बचत भी हो रही है।

ग्रीन कारीडोर प्रोजेक्ट के काम में तेजी लाएं: दुर्गा शंकर मिश्र

● मुख्य सचिव के समक्ष ग्रीन कॉरीडोर प्रोजेक्ट का प्रस्तुतीकरण किया गया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में लखनऊ ग्रीन कॉरीडोर प्रोजेक्ट की बैठक आहूत की गई। परियोजना का प्रस्तुतीकरण लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी द्वारा किया गया। बैठक में नगर निगम व अपट्रॉन की दो हेक्टेयर भूमि को मॉनिटाइजेशन के लिए उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में बताया गया कि उक्त भूमि अभी भी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है। इस पर मुख्य सचिव द्वारा इसके लीगल इश्यू का परीक्षण कराने के लिए विशेष सचिव नगर विकास, नगर आयुक्त व उपाध्यक्ष लविप्रा की समिति गठित करने के निर्देश दिये गये। इसके अलावा माढ़रमऊ गांव में स्थित सिंचाई विभाग की दो हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में मुख्य सचिव द्वारा निर्देशित किया गया कि सिंचाई विभाग इसका पुनः निरीक्षण कर लें तथा अपनी वर्कशॉप की आवश्यकता को मद्देनजर रखते हुए उसे किसी अन्य स्थान पर स्थानान्तरित करें और भूखण्ड को एलडीए को हस्तान्तरित करने के सम्बन्ध में अपनी सहमति प्रदान करें। नजूल विभाग की 12 हेक्टेयर भूमि के सम्बन्ध में मुख्य सचिव द्वारा कहा गया कि शासन द्वारा उक्त भूमि का नियमानुसार परीक्षण करके लखनऊ विकास प्राधिकरण को हस्तान्तरित करने की आवश्यक कार्यवाही शीघ्र की जाए। यह भी निर्देशित किया कि परियोजना के प्रथम चरण का कार्य शीघ्र प्रारम्भ करने के लिए आवश्यक सीड मनी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। बैठक में एसीएस होम अवनीश कुमार अवस्थी, प्रमुख सचिव आवास दीपक कुमार, सचिव नगर विकास अनिल कुमार, मण्डलायुक्त रंजन कुमार, जिलाधिकारी अभिषेक प्रकाश एवं प्राधिकरण के सचिव पवन कुमार गंगवार सहित सम्बन्धित विभागों के अन्य अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

बरेली में कांग्रेस की मैराथन में हुई दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण: गीता शाक्य

लखनऊ। बीजेपी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष गीता शाक्य ने मंगलवार को कहा कि बरेली में कांग्रेस की मैराथन में हुई दुर्घटना दुर्भाग्यपूर्ण है। उससे भी गैर जिम्मेदारी बात कांग्रेस के नेताओं की गलतबयानी है। जिन्होंने मैराथन में हुई घटना पर अनर्गल बयान दिए। आयोजकों ने बच्चियों को लालच देकर उनका इस्तेमाल चुनावी फायदे के लिए किया। घटना के बाद जिस तरह से कांग्रेस ने संवेदनहीनता की है वह शर्मनाक है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने छात्राओं और बच्चियों को बहला फुसला कर आयोजन में तो बुला लिया लेकिन भगदड़ के बाद जिस तरह से नेताओं ने गैर जिम्मेदाराना रवैया अपनाया वह बहुत ही गलत है। उन्होंने घायल बच्चियों के उपचार के लिए न तो कोई प्रबंध किया बल्कि घटना के लिए उन्हें ही जिम्मेदार ठहरा दिया। उन्होंने कहा कि घटना के बाद जिस तरह से कांग्रेस नेताओं ने प्रतिक्रिया दी और अपनी गलती छिपाने के लिए उसकी तुलना वैष्णव देवी मंदिर की दुःखद घटना से की वह बहुत ही गलत और दुर्भाग्यपूर्ण है। कहा कि घटना के समय तत्काल ही बीजेपी के कार्यकर्ताओं और प्रशासनिक के अधिकारियों ने उनके इलाज की व्यवस्था की जबकि कांग्रेसी केवल कंपनी गलती पर पर्दा डाल रहे हैं।

भाजपा नहीं चाहती कि महिलाएं स्वतंत्र व सशक्त हों: सुप्रिया श्रीनेत

● कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ने पूछा सवाल, आखिरकार भाजपा बार-बार महिलाओं, लड़कियों का क्यों कर रही है उपहास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा है कि कल लखनऊ में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने लड़की हूं लड़ सकती हूं जैसे सशक्त अभियान का उपहास उड़ाया। उनका बयान दुर्भाग्यपूर्ण है और महिलाओं की सुरक्षा व सम्मान के मुद्दे को लेकर भाजपा सरकार पर कई सवाल खड़े करता है।

सुप्रिया श्रीनेत मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय पर प्रेस वार्ता कर रही थीं। उन्होंने कहा कि जेपी नड्डा भाजपा के पहले नेता नहीं हैं जिन्होंने ऐसा किया, आखिरकार बार बार भाजपा महिलाओं, लड़कियों का उपहास क्यों कर रही है, उनको लड़कियों के सशक्तिकरण से क्या दिक्कत है, बात साफ़ है वह इस अभियान पर हमला कर रहे हैं क्योंकि वे नहीं चाहते कि महिलाएं स्वतंत्र हों, सशक्त हों। नारी शक्ति से केवल नड्डा ही नहीं उनकी पूरी पार्टी डरती है। महिलाएँ सिर्फ़ कुरीतियों के खिलाफ या संकुचित मानसिकता के खिलाफ ही नहीं लड़ रही हैं बल्कि वह सबसे बड़ी लड़ाई अपने हक़ की लड़ रही हैं। वह समानता की लड़ाई लड़ रही हैं, समान शिक्षा और अवसरों की लड़ाई लड़ रही हैं, और अब वह रुकने वाली नहीं हैं। नड्डा और भाजपा को लगता है कि महिलाएं केवल एक बाथरूम और एक गैस सिलेंडर के लायक हैं। बार बार शौचालय और गैस सिलेंडर का हवाला देकर आखिरकार भाजपा क्या सिद्ध करना चाहती है, शौचालय एक अधिकार है, एक सुविधा है, किसी भी सरकार की ज़िम्मेदारी है, यह महिलाओं के ऊपर कोई उपकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि इसी मानसिकता को बदलने की प्रियंका गांधी ने ठानी है। वह लड़कियों के लिए, एक सुरक्षित परिवेश की बात करती हैं, जहां वह उन्मुक्त हों, निडर हों और हौसले की ऊंची उड़ान भरें। उन्होंने लड़कियों के लिए नौकरी, शिक्षा, स्वावलम्बन, सम्मान, सुरक्षा की क्रांति का आवाहन किया है और इसी बात से भाजपा परेशान है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की ओर से भाजपा अध्यक्ष नड्डा से आधा दर्जन सवाल पूछे हैं।

एक जनवरी 2022 से सचिवालय भत्ता किया गया अनुमन्य

लखनऊ। प्रदेश सरकार ने प्रदेश सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पूर्व निर्धारित दरों एवं शर्तों तथा प्रतिबंधों पर 1 जनवरी 2022 से सचिवालय भत्ता अनुमान किए जाने की स्वीकृति प्रदान कर दी है। इसी प्रकार उत्तर प्रदेश सचिवालय से समकक्षता प्राप्त विभागों एवं कार्यालयों में जहां पूर्व में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सचिवालय भत्ता अनुमन्य हो रहा था। उन कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी पूर्व निर्धारित दरों एवं शर्तों पर 1 जनवरी 2022 से सचिवालय भत्ता अनुमन्य किए जाने की स्वीकृति प्रदान की गई है। इस संबंध में वित्त विभाग द्वारा आवश्यक आदेश जारी कर दिया गया है जारी आदेश 1 जनवरी 2022 से प्रभावी होगा तथा 1 अप्रैल 2020 से 31 दिसंबर 2021 की अवधि में सचिवालय भत्ते का कोई अवशेष भुगतान नहीं किया जाएगा। ज्ञातव्य है कि वित्त विभाग के शासनादेश 12 मई 2020 द्वारा 1 अप्रैल 2020 से यूपी सचिवालय में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों तथा उत्तर प्रदेश सचिवालय से समकक्षता प्राप्त विभागों कार्यालयों में कार्यरत अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देय सचिवालय भत्ता को समाप्त कर दिया गया था।

योगी सरकार का एक ही लक्ष्य विकास भी और विरासत भी

● 70 सालों बाद देश को ऐसा प्रधानमंत्री मिला जिसने काशी का पुनर्निर्माण किया: प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को वाराणसी और मिर्जापुर में पिछड़ा वर्ग सम्मेलन को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक पुत्र के रूप में मां गंगा और काशी के प्रति कर्तव्य को निभाया है। 70 सालों बाद देश को ऐसा प्रधानमंत्री मिला जिसने काशी का पुनर्निर्माण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने काशी कॉरिडोर उद्घाटन के दौरान वहां के श्रमिकों के ऊपर पुष्पों की वर्षा की और परिवार के सदस्य की तरह बैठकर श्रमिकों के साथ भोजन भी किया। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूं कि काशी तो बस शुरुआत भर है, पूरे उत्तर प्रदेश में ऐसे बदलाव देखने को मिलेंगे कि लोग पूरे देश से मुख्यमंत्री योगी द्वारा कराये गए उत्तर प्रदेश के विकास का कार्य देखने यहां आएंगे। मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर का शिलान्यास हो ही चुका है और इस सरकार में शिलान्यास होने के बाद उद्घाटन होने में ज्यादा समय नहीं लगता, ये आप लोग काशी में भी देख चुके हैं और पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे के उद्घाटन में भी। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री ने काशी विश्वनाथ का पुनर्निर्माण कराकर एक ऐतिहासिक कार्य किया है। सदियों पहले काशी का ऐसा भव्य और दिव्य स्वरूप देखने को मिला होगा। आज काशी विश्वनाथ धाम में हमें अतीत के गौरव का एहसास हो रहा है और भारतीय संस्कृति को नई पहचान मिल रही है। योगी सरकार का एक ही लक्ष्य है और वो बिल्कुल साफ है विकास भी और विरासत भी। चाहे सड़क हो, बिजली-पानी हो या स्वच्छता और शिक्षा हर क्षेत्र में काशी में ऐतिहासिक कार्य हुए हैं। उन्होंने कहा कि हमने कई बार देखा है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी की गलियों में रात को ही निकल पड़ते हैं और विकास कार्यों का निरीक्षण करते रहते हैं। आपने ये किसी और नेता के बारे में नहीं सुना होगा। जिस दिन से पीएम मोदी और सीएम योगी ने कार्यभार संभाला है। उन्होंने आजतक कभी एक मिनट की छुट्टी तक नहीं ली। दिन-रात बस देश की सुध।

काशी में लगभग 33.56 करोड़ रुपए से तैयार होगा पावन पथ सर्किट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

योगी सरकार धार्मिक स्थलों तक पहुंचने वाले पावन पथ और मंदिरों का जीर्णोद्धार करा रही है। पावन पथ सर्किट में दस यात्राओं को शामिल किया गया है। पावन पथ यात्रा में 120 मंदिर के दर्शन होंगे। साथ ही इस पथ में पड़ने वाले धार्मिक मान्यता वाले कुंड, तालाब, कूप, घाट, प्राचीन वृक्ष का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा। काशी की सीमा में प्रवेश करते ही आपको पवन पथ सर्किट की सम्पूर्ण जानकारी मिल जाएगी। पावन पथ परियोजना पर लगभग 33.56 करोड़ रूपये खर्च होंगे।

परियोजना में दस महत्वपूर्ण यात्राओं सहित काशी क्षेत्र के भीतर धार्मिक तीर्थ यात्रा को यात्रियों के सुविधाजनक बनाने के लिए की गई है। प्रत्येक पावन पथ यात्रा के लिए साइनेज, यात्रा का इतिहास व महत्व मानचित्र द्वारा प्रदर्शित होगा। जिससे

यात्री पूरी यात्रा के बारे में सरलता से समझ पाए। इसके अलावा पावन पथ और उससे जुड़े करीब 120 मंदिरों और तालाब, कुंड एव अन्य स्थलों का जीर्णोद्धार और सौंदर्यीकरण किया जाएगा। वाराणसी में जल, थल व नभ से जैसे ही आप पग रखेंगे आपको पावन पथ का पथ प्रदर्शक मिल जाएगा। इन पथ प्रदर्शक पर सभी दसों पावन पथों की सम्पूर्ण जानकारी अंकित मिलेगी। जो एक से अधिक भाषा में होगी। पावन पथ सर्किट में 10 यात्राओं को शामिल किया गया है। इसमें अष्ट भैरव यात्रा, नौ गौरी यात्रा, नौ दुर्गा यात्रा, अष्टविनायक यात्रा, अष्ट प्रधान विनायक, एकादश विनायक यात्रा, द्वादश ज्योतिर्लिंग यात्रा, काशी विष्णु यात्रा, द्वादश आदित्य यात्रा, काशी में चार धाम यात्रा है। इतिहास से भी प्राचीन शहर काशी में पूर्व की सरकारों ने सनातन धर्म की आस्था का केंद्र काशी के इन धार्मिक यात्राओं और मंदिरों पर ध्यान नहीं दिया। जिससे इन महत्वपूर्ण धार्मिक यात्राओं के मार्ग और मंदिर गलियों में समय के साथ गुम होते चले गए।

वाराणसी को भारत का महत्वपूर्ण तीर्थ केंद्र माना जाता है। देश विदेश से आने वाले लोगों के लिए, वाराणसी लघु भारत के रूप में सम्पूर्ण भारत को दर्शाता है। इस सर्किट का उद्देश्य, इन प्राचीन मंदिरों एवं इनके पौराणिक महत्व पर प्रकाश डालना और देश के समृद्ध भारतीय संस्कृति को एक बार फिर दुनिया तक पहुंचाना है। अधिकारियों ने बताया कि यात्री पावन पथ के यात्रा को सुगमता और सरलता से कर सके इसके लिए हाईवे व जंक्शन जैसे महत्पूर्ण जगहों पर प्रत्येक यात्रा के पथ की सुविधा के लिए सड़क पर स्टोनमार्कर, रिफ्लेक्टिव पेंट, ग्राफ़िक्स के साथ साइनेज लगाए जाएंगे। रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे, प्रमुख घाटों, अंतरराज्यीय बस डिपो आदि जैसे प्रमुख स्थलों पर यात्रियों को सूचना प्रदान करने के लिए भी साइनेज व मैप लगाए जाएंगे। इसके लिए, पावन पथ यात्रा के प्रत्येक मार्ग के शुरुआत और यात्रा के अंतिम पड़ाव पर भव्य द्वार बनाया जाएगा। वाराणसी में तीर्थयात्रियों के अलावा देश और विदेश से भी अन्य यात्री आते है। इस यात्रा में सभी तरह के यात्रियों को शामिल करने के लिए भी योजना है। इसके लिए बहुभाषी मानचित्र और संबंधित इतिहासए आसपास के क्षेत्रों और तीर्थ स्थलों की सम्पूर्ण जानकारी, स्थानीय लोक साहित्य, स्थानीय पौष्टिक खान पान व पकाने की कला का आनंद और प्राकृतिक विरासत स्थलों सहित पावन पथ के दिलचस्प पहलू प्रदान करना। यात्री पावन पथ पर रात में भी आसानी से जा सके इसके लिए बेहतर मार्ग, अच्छी लाइट की व्यवस्था, अच्छे विश्राम एरिया, लैंडस्केपिंग के साथ अन्य प्राकृतिक साज सज्जा की जाएगी। दूर स्थित साइटों के रास्तो को मुख्यमार्ग से भी जोड़ा जायेगा। पक्के रास्तो पर साइनेज समेत अन्य जानकारी उपलब्ध रहेगी। इस योजना से पर्यटन उद्योग से जुड़े सभी व्यवसाय भी काफी लाभान्वित होंगे। पावन पथ का डीपीआर वीडीए ने शासन को भेज दिया है। अनुमति मिलते ही काम शुरू होगा। इस परियोजना को पूरा करने में लगभग 33.56 करोड़ खर्च होंगे। इसमें पहले चरण में 16.56 करोड़ और दूसरे चरण में 16.98 करोड़ खर्च होगा।

मुख्य सचिव ने की प्रदेश में बन रहे एक्सप्रेसवे की समीक्षा

● एक्सप्रेसवे पर पेट्रोल पम्प, टॉयलेट एवं रेस्टोरेन्ट आदि के कार्य भी साथ-साथ सुनिश्चित किये जाएं

लखनऊ। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र की अध्यक्षता में आयोजित प्रोजेक्ट मॉनीटरिंग ग्रुप की बैठक में बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे, गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस-वे, गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण की प्रगति समीक्षा की गई। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने कहा कि निर्माणाधीन एक्सप्रेसवेज निर्धारित टाइमलाइन के अनुसार पूरे किये जायें। एक्सप्रेसवे पर पेट्रोल पम्प, टॉयलेट एवं रेस्टोरेन्ट आदि के कार्य भी साथ-साथ सुनिश्चित किये जाएं। बैठक में एक्सप्रेसवेज के निर्माण की प्रगति का प्रस्तुतीकरण करते हुए बताया गया कि बुन्देलखण्ड एक्सप्रेसवे की कुल लम्बाई 296.70 किलोमीटर है यह 4 लेन है और इसका 6 लेन तक विस्तारीकरण किया जा सकता है तथा इसकी कुल लागत 14849 करोड़ रुपये अनुमानित है।

गोरखपुर लिंक एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रगति समीक्षा में बताया गया कि 31 दिसम्बर तक करीब 31.99 प्रतिशत कार्य पूरा कर लिया गया है। मेन कैरिजवे को 31 दिसम्बर 2022 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। 31 दिसम्बर 2021 तक 113 कलवर्ट, 74 अंडरपास तथा 3 लघु सेतु का निर्माण पूरा कर लिया गया है। गंगा एक्सप्रेसवे के निर्माण की प्रगति समीक्षा में बताया गया कि करीब 93.03 प्रतिशत भूमि का क्रय, अधिग्रहण किया जा चुका है। परियोजना की कुल लम्बाई 594 किमी है। परियोजना के अंतर्गत 6 लेन चौड़ी सड़क जोकि 8 लेन विस्तारणीय होगी का निर्माण किया जायेगा।

सीबीआई ने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के संबंध में 51 मामले दर्ज किए

भाषा। नई दिल्ली

सीबीआई ने मंगलवार को कहा कि उसने पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के संबंध में अभी तक 51 मामले दर्ज किए हैं और जांच के चार महीनों के भीतर 20 मामलों में आरोपपत्र में 100 लोगों को नामजद किया है। एजेंसी ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने चुनाव के दौरान पश्चिम बंगाल में दुष्कर्म, दुष्कर्म की कोशिश और हत्या के मामलों की जांच करने का सीबीआई को आदेश दिया था। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो के प्रवक्ता आरसी जोशी ने कहा, सीबीआई ने केवल इन मानदंडों को पूरा करते हुए मामले दर्ज किए। एक जनवरी 2022 तक सीबीआई ने करीब चार महीनों में 51 मामले दर्ज किए, 20 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए। 100 से अधिक लोगों को आरोपपत्र में नामजद किया गया है। एजेंसी ने कहा, सीबीआई को अभी तक एनएचआरसी से यौन अपराधों की 29 शिकायतें मिली थी इनमें से सात नियमित मामले दर्ज किए गए और बाकी की कानूनी प्रक्रिया चल रही है। एजेंसी ने बताया कि एनएचआरसी द्वारा भेजे गए दो मामलों को एजेंसी ने राज्य के विशेष जांच दल को भेज दिया है। कलकत्ता उच्च न्यायालय ने इस जांच दल का गठन किया है। जोशी ने कहा, यह बताया जाता है कि कलकत्ता उच्च न्यायालय ने 19 अगस्त 2021 को सीबीआई को हत्या, दुष्कर्म और दुष्कर्म की कोशिश के अपराधों की जांच करने का आदेश दिया था। सीबीआई ने केवल इन मापदंडों का पालन करते हुए मामले दर्ज किए हैं। उन्होंने कहा, यह स्पष्ट किया जाता है कि सीबीआई को 22 दिसंबर 2021 तक एनएचआरसी से यौन शोषण की 29 शिकायतें मिली। इनमें से सीबीआई ने अपराध की प्रकृति के आधार पर दो मामले राज्य एसआईटी को सौंप दिए। उन्होंने बताया कि उच्च न्यायालय के आदेश पर राज्य पुलिस ने भी सीबीआई को 64 घटनाओं की रिपोर्ट भेजी है। जोशी ने कहा, इनमें से सीबीआई ने नियमित मामले दर्ज करते हुए 39 अपराध दर्ज किए, चार की प्रक्रिया चल रही है जबकि 21 मामले राज्य पुलिसाएसआईटी को भेज दिए गए हैं। सीबीआई प्रवक्ता ने कहा कि उच्च न्यायालय में 22 दिसंबर 2021 को स्थिति रिपोर्ट सौंपने के वक्त सीबीआई ने 50 नियमित मामले दर्ज किए थे और चुनाव बाद हिंसा की घटनाओं में एक प्रारंभिक जांच की थी। उन्होंने कहा, स्थिति रिपोर्ट देने के वक्त तक सीबीआई ने 10 मामलों में आरोपपत्र दाखिल किए थे जबकि बाकी के मामलों में प्रक्रिया चल रही है।

केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने करीमनगर जेल में तेलंगाना भाजपा अध्यक्ष से की मुलाकात

हैदराबाद। केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी किशन रेड्डी ने मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी की तेलंगाना ईकाई के अध्यक्ष और सांसद बी. संजय कुमार से करीमनगर में एक जेल में मुलाकात की। प्रदर्शन करने की नाकाम कोशिश को लेकर गिरफ्तारी के बाद जेल में रखा गया है। किशन रेड्डी ने कुमार और अन्य भाजपा नेताओं से करीमनगर जिला कारागार में मुलाकात की। रेड्डी ने आरोप लगाया कि कुमार और अन्य नेताओं पर गैरकानूनी तरीके से आरोप लगाए गए हैं और गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने ट्वीट किया, संजय और अन्य नेता अपने रुख पर अड़िग हैं केसीआर के कठोर शासन से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं। रेड्डी, कुमार के आवास और कैम्प कार्यालय भी गए जहां रविवार रात को पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया था। संजय कुमार को प्रदर्शन करने की नाकाम कोशिश को लेकर गिरफ्तारी के बाद सोमवार को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा गया। भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व ने पुलिस की कार्वाई को लोकतंत्र की हत्या बताया। करीमनगर से लोकसभा सदस्य कुमार को रविवार रात को उस समय हिरासत में लिया गया जब वह जागरण प्रदर्शन करने की योजना बना रहे थे। वे राज्य सरकार के एक आदेश के खिलाफ शिक्षकों और अन्य सरकारी कर्मचारियों के खिलाफ एकजुटता जताते हुए यह प्रदर्शन करना चाहते थे।

बीकानेर में मंगलवार को एनसीसी कैडेटों ने वैक्सीन की खुराक प्राप्त करने के बाद सेल्फी स्टैंड पर तस्वीरें खिंचवाई।

बेतुके बहाने बनाकर बच्चन के बंगले की दीवार गिराने में देर कर रही बीएमसी : महाराष्ट्र लोकायुक्त

मुंबई। महाराष्ट्र के लोकायुक्त ने कहा है कि बृहन्मुंबई महानगर पालिका बीएमसी सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए जुहू में अमिताभ बच्चन के बंगले प्रतीक्षा के परिसर की दीवार को गिराने में देरी करने के लिए बेतुके बहाने बना रही है। महाराष्ट्र के लोकायुक्त न्यायमूर्ति वी एम कनाडे ने मौजूदा स्थिति में कार्य में कम से कम एक साल की देरी होने का जिक्र करते हुए अपने हालिया आदेश में कहा कि नगर निकाय को देरी पर उप अभियंता (सड़क) पश्चिमी उपनगर को नोटिस जारी करना चाहिए।

बंगले के प्लॉट से जमीन का एक हिस्सा नहीं लिया है क्योंकि उसके पास सड़क चौड़ीकरण परियोजना के लिए कोई ठेकेदार नहीं है। शिवसेना के नियंत्रण वाले नगर निकाय ने यह भी कहा कि अगले वित्तीय वर्ष में जब इस उद्देश्य के लिए एक सड़क ठेकेदार की नियुक्ति की जाएगी तो वह दीवार गिरा देगी और जमीन का अधिग्रहण कर लेगी। लोकायुक्त के आदेश में कहा गया, बीएमसी द्वारा दीवार नहीं तोड़ने का कारण सही प्रतीत नहीं होता है। सड़क चौड़ीकरण परियोजना शुरू की जाती है, तो कार्यान्वयन के लिए बीएमसी द्वारा पर्याप्त बजटीय प्रावधान किया जाता है। बीएमसी बेतुके बहाने बनाकर चारदीवारी गिराने में देरी कर रही है। मानसून के दौरान तोड़फोड़ की कोई कार्वाई नहीं की जाएगी। अक्टूबर 2021 में निकाय के कार्वाई न करने को लेकर महाराष्ट्र लोकायुक्त से शिकायत करने वाली कांग्रेस मिरांडा ने कहा कि बीएमसी ने 2019 में बच्चन के बंगले से लगने वाले एक परिसर की चार दीवारी को तोड़ दिया।

सामान में हथियार लेकर चलने के आरोप में हवाई अड्डे से कांग्रेस नेता गिरफ्तार

कोयंबटूर। केरल से कांग्रेस पार्टी के एक नेता को, बिना वैध दस्तावेज के रिवाल्वर और कारतूस लेकर चलने के आरोप में मंगलवार को यहां अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हिरासत में ले लिया गया। पुलिस के अनुसार, पलक्कड़ जिले के पट्टाम्बी नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष केएसबीए थांगल के सामान से रिवाल्वर और सात कारतूस बरामद किए गए। थांगल को अमृतसर जाना था और वह हवाई अड्डे पर बेंगलुरु की ओर रवाना होने वाले विमान में सवार होने जा रहे थे। एयरलाइन के कर्मचारियों को उनके सामान की जांच के दौरान रिवाल्वर का पता चला और इसके बाद सीआईएसएफ को इसकी सूचना दी गई जिसके जवानों ने थांगल को पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया कि थांगल के पास से 0.22 कैलिबर की एक रिवाल्वर और सात कारतूस बरामद किए गए। पुलिस ने कहा कि रिवाल्वर इस्तेमाल करने की हालत में नहीं थी।

विधायक नीतेश राणे के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करने का आश्वासन

मुंबई। महाराष्ट्र पुलिस ने मंगलवार को बंबई उच्च न्यायालय को आश्वासन दिया कि वह राज्य के सिंधुदुर्ग जिले में कथित रूप से हत्या करने की कोशिश के एक मामले में भाजपा विधायक नीतेश राणे के खिलाफ सात जनवरी तक कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं करेगी। न्यायमूर्ति सीवी भडांग की एकल पीठ ने राणे की अग्रिम जमानत याचिका पर सुनवाई के लिए सात जनवरी की तारीख तय की और पुलिस को इस मामले में अपना रुख स्पष्ट करते हुए हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया।

विशेष लोक अभियोजक सुदीप पासबोला ने अदालत को बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि राणे कथित तौर पर मामले के मुख्य साजिशकर्ता थे और वह पूछताछ से बच रहे हैं। पासबोला ने हलफनामा दाखिल करने के लिए समय मांगा, जिसके बाद राणे के वकील नितिन प्रधान ने विधायक को गिरफ्तारी से अंतरिम संरक्षण देने का अनुरोध किया।

प्रधान ने अदालत से कहा, केवल अपमान करने के लिए राणे पर मुकदमा चलाया जा रहा है। वह 24 दिसंबर, 2021 को संबंधित थाने में पेश हुए और उनका बयान दर्ज किया गया। इसके बाद, उन्हें सूचित किया गया कि उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है, जिसके बाद उन्होंने गिरफ्तारी से पहले जमानत मांग की। पासबोला ने कहा कि 24 दिसंबर को जब राणे से पूछताछ की गई थी, तब पुलिस ने मामले की जांच शुरू ही की थी। पासबोला ने कहा, हालांकि, 26 दिसंबर को राणे के एक साथी को गिरफ्तार किया गया, जिसने मामले में उनकी भूमिका का खुलासा किया। हमारी जांच में सामने आया है कि राणे ही मामले का मुख्य साजिशकर्ता है। इसके बाद, उच्च न्यायालय ने कहा कि वह राणे और पुलिस दोनों की दलीलें सात जनवरी को सुनेगा। पासबोला ने फिर अदालत को मौखिक आश्वासन दिया पुलिस सात जनवरी तक राणे के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्वाई नहीं करेगी।

पुलिस को केस डायरी पेश करने का भी निर्देश दिया। केन्द्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे एवं भाजपा विधायक नीतेश राणे ने अपनी याचिका में दावा किया कि राजनीतिक रंजिश के चलते उन्हें हत्या की कोशिश के मामले में फंसाया गया है। सिंधुदुर्ग जिले की सत्र अदालत ने पिछले हफ्ते कंकावली के विधायक नीतेश राणे की अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी। राणे ने याचिका में दावा किया है। कि 30 दिसंबर को हुए सिंधुदुर्ग जिला केन्द्रीय सहकारी बैंक चुनाव में भाग लेने से रोकने के एकमात्र से ही उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

क्विक न्यूज

पुलिस गोलीबारी में मादक पदार्थों का तस्कर घायल

गुवाहाटी। असम की राजधानी गुवाहाटी मे कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश कर रहे 30 वर्षीय एक संदिग्ध मादक पदार्थ तस्कर को गोली मारकर घायल कर दिया गया है। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गोरचुक थाने में दर्ज एक मामले के सिलसिले में सोमवार को ही आरोपी को गिरफ्तार किया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बाद में कहा कि आरोपी कानून प्रवर्तन अधिकारियो को नशीली दवाओ की खेप के पास ले जाने और गुवाहाटी के अज़ारा पुलिस थाना क्षेत्र के जोगीपारा में एक सह-आरोपी को गिरफ्तार कराने के लिए सहमत हो गया। पुलिस अधिकारी ने कहा, रास्ते में, हालांकि, आरोपी ने हमारे अधिकारी अशरफ अली सैकिया पर हमला करके अचानक भागने की कोशिश की। उसे रोकने के लिए, उस पर एक गोली चलाई गई। उसका गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल मई में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार के सत्ता में आने के बाद से कथित तौर पर पुलिस हिरासत से भागने का प्रयास करते हुए कुल 32 आरोपियो को मार गिराया गया और 59 अन्य घायल हो गए। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने असम सरकार से कहा है कि वह पिछले साल मई में सत्तारूढ़ भाजपा के सत्ता में लौटने के बाद से लगातार हो रहे मुठभेड़ों के सभी मामलो का विवरण प्रस्तुत करे।

तस्करी के सोने के साथ दो चचेरे भाई गिरफ्तार

गया (बिहार)। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर जिले के रहने वाले दो चचेरे भाइयो को यहां अलग-अलग छापेमारी में गिरफ्तार किया गया है और उनसे करीब तीन करोड़ रुपए का सोना बरामद किया गया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कथित सोने के तस्कर अलग-अलग ट्रेनों से यात्रा कर रहे थे, और उन्हे सोमवार देर रात रेलवे सुरक्षा बल और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की संयुक्त टीम ने गया जंक्शन पर पकड़ा। आरपीएफ चौकी प्रभारी अजय प्रकाश ने कहा, एक को शिप्रा एक्सप्रेस से गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरे को कालका एक्सप्रेस में पकड़ा गया। दोनो हावड़ा मे अपनी-अपनी ट्रेन मे सवार हुए थे। उन्होने कहा कि दोनों के पास से एक-एक किलोग्राम की तीन-तीन सोने की छड़ें बरामद की गईं। गुप्त सूचना मिलने पर पटना से यहां पहुंची डीआरआई की टीम ने इसकी कुल कीमत 2.88 करोड़ रुपए बताई। आगे की जांच के लिए चचेरे भाइयों को डीआरआई की टीम पटना ले गई।

आरएसएस से जुड़े संगठनों की समन्वय बैठक आज से

हैदराबाद। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) से संबद्ध विभिन्न संगठनो के शीर्ष पदाधिकारियो की तीन दिवसीय समन्वय बैठक का बुधवार से यहां आयोजन किया जाएगा। संघ के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया समन्वय बैठक यहां अन्नोजीगुडा में होगी, जिसमें आरएसएस से संबद्ध विभिन्न संगठनो के शीर्ष पदाधिकारी शरीक होंगे। आरएसएस ने 21 दिसंबर को ट्विटर पर कहा था, सामाजिक जीवन के क्षेत्रों मे काम कर रहे आरएसएस से प्रेरित संगठनो के मुख्य पदाधिकारियों की समन्वय बैठक पांच से सात जनवरी तक भाग्यनगर, तेलंगाना में होगी। संघ की वेबसाइट पर अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख, आरएसएस, सुनील आंबेकर ने कहा है कि यह अखिल भारतीय स्तर की बैठक साल मे एक बार होती है। संबद्ध संगठनो की गतिविधियों की समीक्षा के लिए सरसंघचालक मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, पांच सह-कार्यवाह और संघ के अन्य पदाधिकारियों के साथ बैठक में हिस्सा लेगे। बैठक में भारतीय जनता पार्टी के अध्यक्ष जे पी नड्डा भी हिस्सा लेंगे। इसमें भारतीय मज़दूर संघ के हिरण्यमय पंड्या व श्री बी सुरेंद्रन, विश्व हिंदू परिषद के आलोक कुमार व मिलिंद परांडे सहित 36 संगठनो के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। सभी संगठन शिक्षा, अर्थव्यवस्था और अन्य क्षेत्रों मे सक्रिय हैं। बैठक मे पर्यावरण, परिवार जागरूकता और सामाजिक समरसता तथा इन क्षेत्रों में समन्वित प्रयासों पर भी विशेष चर्चा की जाएगी।

दिल्ली के तुगलकाबाद में रविदास मंदिर के लिए जमीन की पूरी कीमत देने को तैयार : चरणजीत सिंह चन्नी

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने मंगलवार को कहा कि नई दिल्ली के तुगलकाबाद में गुरु रविदास मंदिर के निर्माण के लिए जमीन अधिग्रहण का पूरा खर्च उठाने को उनकी सरकार तैयार है। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर 2019 में तुगलकाबाद में रविदास मंदिर को ध्वस्त कर दिया गया था लेकिन बाद में शीर्ष अदालत ने मंदिर के पुनःनिर्माण की अनुमति दी थी। श्रद्धालुओं का मानना है कि 1509 में सिकंदर लोदी के शासनकाल में गुरु रविदास उस स्थल पर गए थे। एक आधिकारिक आदेश के अनुसार, चन्नी ने कहा कि दिल्ली विकास प्राधिकरण ने हाल में गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर चमरवाला जोहर तुगलकाबाद समिति से, चार सौ वर्ग मीटर जमीन के अधिग्रहण के लिए 4.33 करोड़ रुपए जमा करने को कहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कीमत बहुत अधिक होने के चलते बहुत से लोगों ने पंजाब सरकार से इसमें योगदान देने को कहा है। चन्नी ने कहा कि पंजाब सरकार गुरु रविदास की विचारधारा को पहले से मानती रही है।

श्रीनगर में मौसम की पहली बर्फबारी के दौरान पैदल चलकर आनंद लेते हुए लोग।

केंद्रीय मंत्री शांतनु ने भाजपा के सभी व्हाट्सएप ग्रुप छोड़े

भाषा। कोलकाता

जहाजरानी राज्य मंत्री शांतनु ठाकुर के पार्टी से नाराज होने की चर्चा

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को असहज स्थिति में डालते हुए केंद्रीय मंत्री और मतुआ समुदाय के प्रमुख सदस्य शांतनु ठाकुर ने पार्टी के सभी व्हाट्सएप ग्रुप छोड़ दिए हैं। केंद्रीय जहाजरानी राज्य मंत्री ठाकुर ने मंगलवार को इसकी पुष्टि करते हुए संवाददाताओं से कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि राज्य के भाजपा नेतृत्व को नहीं लगता कि संगठन के भीतर हमारी (मतुआ) कोई महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने यह भी कहा कि क्या भाजपा की राज्य इकाई में अब उनका कोई महत्व है। ठाकुर ने कुछ और कहने से इनकार कर दिया। उन्होंने पीटीआई के फोन कॉल का जवाब नहीं दिया। वह अखिल भारतीय मतुआ महासंघ के संघ अधिपति हैं। बनगांव के सांसद ने कुछ दिन पहले मतुआ समुदाय के कुछ विधायकों को भाजपा की पुनर्गठित राज्य और जिला समितियों में शामिल नहीं किए जाने पर आपत्ति जताई थी। हालांकि उन्होंने कहा था कि वह पार्टी के प्रति वफादार रहेंगे। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया देते हुए भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, हम शांतनु ठाकुर के साथ किसी भी गलतफहमी को दूर कर लेंगे। वह भाजपा परिवार का पूरी तरह हिस्सा हैं। इस संबंध में तृणमूल कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य सुखेंदु शेखर रॉय ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा ने अपने चुनावी लाभ के लिए मतुआ समुदाय का इस्तेमाल किया है। उन्होंने कहा, लेकिन उसे (भाजपा) उनके वास्तविक विकास की चिंता नहीं है। अब यह स्पष्ट हो गया हैं।

सिमी के दो कार्यकर्ताओं को तीन तीन वर्ष का सश्रम कारावास

इंदौर (मध्य प्रदेश)। इंदौर की जिला अदालत ने प्रतिबंधित संगठन सिमी के दो कार्यकर्ताओं को वर्ष 2009 में दर्ज मामले में तीन–तीन साल के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है और 5000–5000 रुपए का जुर्माना लगाया है। जिला लोक अभियोजन अधिकारी कार्यालय से मंगलवार को जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। विज्ञप्ति के मुताबिक प्रथम श्रेणी न्यायिक मजिस्ट्रेट हीरालाल सिसोदिया ने मोहम्मद यूनुस और मोहम्मद शफीक को विरुद्ध क्रियाकलाप संशोधन कानून के संबद्ध प्रावधानों, भारतीय दंड संहिता की धारा 153– धर्म के आधार पर दो समूहों के बीच वैमनस्य फैलाना 153–बी राष्ट्रीय अखंडता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाले बयान और अन्य प्रावधानों के तहत सोमवार को दोषी करार दिया तथा सजा सुनाई। इस्लामिक मूवमेंट ऑफ इंडिया सिमी के दोनों कार्यकर्ताओं पर दो संप्रदायों के बीच आतंक के प्रचार–प्रसार के कार्यों में शामिल होने का जुर्म साबित हुआ।

जम्मू पुलिस को मिलेगी अमेरिकी सिग सॉयर असॉल्ट राइफल व पिस्तौल

जम्मू। जम्मू–कश्मीर पुलिस के जवानों को आतंकवाद रोधी अभियानों को अंजाम देने के लिए जल्द ही अमेरिकी सिग सॉयर असॉल्ट राइफल और पिस्तौल दी जाएगी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सेना ने पाकिस्तान से लगी नियंत्रण रेखा और चीन से लगी वास्तविक नियंत्रण रेखा की रखवाली करने वाले अपने जवानों को पहले ही कई अत्याधुनिक राइफल दी हैं। बल 500 सिग सॉयर–716 राइफल और 100 सिग सॉयर एमपीएक्स 9एमएम पिस्तौल खरीदेगा। जम्मू–कश्मीर पुलिस ऐसे आधुनिक हथियार हासिल करने वाली, शायद देश की पहली पुलिस होगी। सुरक्षा प्राप्त लोगों के लिए तैनात स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप और कर्मियों को इन हथियारों से लैस किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, जम्मू–कश्मीर पुलिस ने हाल ही में सरकारी खरीद पोर्टल जीईएम पर, हथियारों की खरीद के लिए वैश्विक बोलियां आमंत्रित की थी।

समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास के लिए मंथन

अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संचार कांग्रेस में जुटे विश्वभर के विशेषज्ञ

नई दिल्ली। इंटरनेशनल साइंस राइटर्स एसोसिएशन, इंडियन साइंस रायटर्स एसोसिएशन, इंडियन साइंस कम्युनिकेशन सोसाइटी तथा आशा स्पेशल कमेटी ऑन शेयर कम्युनिकेशन के संयुक्त तत्वावधान में 21वीं भारतीय विज्ञान संचार कांग्रेस व प्रथम अंतरराष्ट्रीय विज्ञान संचार कांग्रेस का संयुक्त आयोजन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर हुआ। समाज में वैज्ञानिक दृष्टिकोण के विकास हेतु प्रत्येक वर्ष आयोजित होने वाली संचार कांग्रेस का विषय इस वर्ष साइंस कम्युनिकेशन फॉर पॉलिसी: एडवाइस एंड डिप्लोमेसी था। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आईएपी फॉर साइंस के को–चेयर प्रोफेसर कृष्ण लाल ने की तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में आशा के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर यू हांग किम की गरिमामयी उपस्थिति रही। प्रोफेसर कृष्ण लाल ने विज्ञान संचार के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डाला तथा इसके इतिहास पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत में विज्ञान संचार का पुराना इतिहास रहा है। हमें संचार की विश्वसनीयता तथा वैधता बनाए रखनी चाहिए। प्रोफेसर यू हांग किम ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान संचार की वर्तमान स्थिति, आवश्यकता एवं प्रयासों पर अपना अवलोकन प्रस्तुत किया।

इंडियन नेशनल अकैडमी ऑफ़ इंजीनियरिंग के डॉ. आरके भंडारी, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के इंटरनेशनल कोऑपरेशन के डॉ. एसके वार्ष्णेय ने अपने विचार रखे जबकि भारतीय विज्ञान लेखक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पटैरिया ने बीज वक्तव्य प्रस्तुत किया। उद्घाटन सत्र के उपरांत साइंस कम्युनिकेशन फॉर पॉलिसी: एडवाइस एंड डिप्लोमेसी विषय पर प्रथम वैज्ञानिक सत्र में राउंड टेबल डिस्कशन हुआ जिसकी अध्यक्षता शिकागो राज्य विश्वविद्यालय के प्रोफेसर गाबरैल गोमेज ने की। सत्र में विषय विशेषज्ञ के रूप में यूके के विज्ञान लेखक प्रोफेसर कानन पुराकायस्था, नेपाल की एकेडमी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी से प्रोफेसर अंजना सिंह तथा विज्ञान प्रसार से डॉ. बीके त्यागी की उपस्थित रही। द्वितीय वैज्ञानिक सत्र में साइंस जनरलिज्म, राइटिंग एंड कम्युनिकेशन इन डिजिटल एज विषय पर विषय.संगत प्रस्तुतीकरण हुए। सत्र की अध्यक्षता एमिटी यूनिवर्सिटी के वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रोफेसर केके द्विवेदी ने की। सह अध्यक्ष के रूप में सौगांग यूनिवर्सिटी साउथ कोरिया के प्रोफेसर हक सू किम उपस्थित रहे। सत्र के दौरान अंतर्राष्ट्रीय विज्ञान लेखक संघ यूएसए के पूर्व अध्यक्ष जिम कॉर्नेल, ब्राजील के साओ पाउलो यूनिवर्सिटी से प्रोफेसर मेरिया आएनिस नोग्विरा, जेएनयू से डॉ. अनू सिंह ने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के दौरान अन्य दो वैज्ञानिक सत्रों में प्रमुख रूप से डॉ. राजीव शर्मा प्रोफेसर सुंग क्यूम चूए प्रोफेसर रजनीश तिवारीए डॉ. सनत कुमार शर्मा, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, डॉ. अंशु अरोरा, डॉ. आर एस परोदा, डॉ. फिनार्य लेगोह, डॉ. डेक्लन किराने, डॉ. एनटी लांन, डॉ. काव्यांजलि शर्मा डॉ. संचिता श्रीवास्तव, डॉ. विकास मिश्रा आदि के प्रस्तुतीकरण हुए। सत्र सारांश विज्ञान प्रसार के निदेशक डॉ. नकुल पाराशर ने प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अंत में भारतीय विज्ञान लेखक संघ की वार्षिक सामान्य बैठक हुई जिसमें विगत वर्ष की कार्यवाही प्रस्तुत की गई तथा आगामी त्रिवर्षीय कार्यकारिणी चयन परिणामों की घोषणा चुनाव अधिकारी डॉ. संतराम दीक्षित ने की। इसी दौरान भारतीय विज्ञान लेखक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार पटैरिया को अंतरराष्ट्रीय विज्ञान लेखक संघ के अध्यक्ष चुने जाने पर भी समस्त कार्यकारिणी ने बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन विज्ञान संचारिका पूजा विरमानी एवं डॉ. अंशु अरोरा ने संयुक्त रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन भारतीय विज्ञान लेखक संघ के राष्ट्रीय सचिव डॉ. वीपी सिंह ने किया।

तिरुवनंतपुरम में मंगलवार को पार्टी की बैठक के दौरान केरल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ओमन चांडी, केपीसीसी अध्यक्ष के सुधाकरन, विपक्ष के नेता वीडी सतीसन और रमेश चेन्नीथला

ओमीक्रोन की वजह से...

वृद्धि दर मार्च तिमाही में 0.3 फीसद तक प्रभावित हो सकती है: रिपोर्ट

भाषा। मुंबई

एचडीएफसी बैंक के अर्थशास्त्रियों ने मंगलवार को कहा कि देश में ओमीक्रोन के बढ़ते मामलों पर लगाम लगाने के लिए विभिन्न राज्यों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों के कारण सामान्य आर्थिक गतिविधियों पर दबाव पड़ सकता है, जिसके चलते मार्च तिमाही में वृद्धि दर 0.30 प्रतिशत तक प्रभावित हो सकती है। निजी क्षेत्र के प्रमुख बैंक के अर्थशास्त्रियों ने कहा कि पहले उनका अनुमान था कि चौथी तिमाही में वृद्धि दर 6.1 प्रतिशत होगी, लेकिन ओमीक्रोन के प्रकोप के चलते ए 0.2-0.3 प्रतिशत तक

प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा, राज्यों द्वारा कोविड से संबंधित प्रतिबंधों (लोगों की आवाजाही पर रात का कर्फ्यू, 50 प्रतिशत क्षमता के साथ रेस्तरांओं का संचालन, कार्यालयों में 50 प्रतिशत कर्मचारियों के आने की अनुमति) के चलते वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में आर्थिक गतिविधियों के प्रभावित होने की आशंका है।

अर्थशास्त्रियों ने एक टिप्पणी में कहा कि अधिक राज्यों के प्रतिबंध लगाने, प्रतिबंधों के जनवरी, 2022 से आगे बढ़ने, और वैश्विक पुनरुद्धार में मंदी के चलते इस समय नकारात्मक जोखिम बने हुए हैं। उन्होंने कहा कि भारत में ओमीक्रोन के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं और कुल नए मामलों में से 60 प्रतिशत इस नए स्वरूप के संक्रमण के हैं।

बीएसई को दिसंबर में 207 कंपनियों के खिलाफ निवेशकों की 362 शिकायतें मिली

नई दिल्ली। बीएसई को दिसंबर, 2021 में 207 कंपनियों के खिलाफ निवेशकों की 362 शिकायतें मिलीं। ए शिकायतें मुख्य रूप से शेयर और डिबेंचर प्रतिभूतियां नहीं मिलने से संबंधित थीं। इस अवधि में शेयर बाजार ने 262 सूचीबद्ध कंपनियों के खिलाफ निवेशकों की 473 शिकायतों का निपटान किया। बीएसई ने मंगलवार को बयान में कहा कि माह के दौरान जिन शिकायतों का समाधान किया गया, उनमें से कई पिछली अवधि की थीं। एक्सचेंज ने कहा कि इन कंपनियों के खिलाफ मुख्य रूप से पैसा, शेयर नहीं मिलने, बांड प्रतिभूतियां नहीं भेजे जाने, कॉरपोरेट लाभ और ब्याज नहीं दिए जाने संबंधी शिकायतें मिलीं। माह के दौरान प्राप्त कुल शिकायतों में से 348 सक्रिय कंपनियों के खिलाफ और 14 निलंबित कंपनियों के खिलाफ थीं।

पट्टे पर दफ्तर जगह की मांग 2021 में दो प्रतिशत बढ़ी, 2019 के मुकाबले 45 प्रतिशत कम: रिपोर्ट

नई दिल्ली। देश के सात प्रमुख शहरों में वर्ष 2021 के दौरान दफ्तर के लिए जगह पट्टे पर लेने के मामले में दो प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। संपत्ति के बारे में परामर्श देने वाली कंपनी जेएलएल इंडिया ने यह जानकारी देते हुए कहा कि 2021 में पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग कोरोना वायरस महामारी से पहले की तुलना में 45 प्रतिशत कम है। रिपोर्ट के अनुसार पट्टे पर कार्यालय स्थल की मांग वर्ष 2020 में 2.56 करोड़ वर्गफुट तथा 2019 में 4.78 करोड़ वर्गफुट थी। यह बढ़कर 2.61 करोड़ वर्गफुट हो गई है।

जेएलएल इंडिया ने कहा कि अक्टूबर-दिसंबर 2021 तिमाही के दौरान कार्यालय के लिए जगह पट्टे पर लेने के मामले में 37 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई और यह बढ़कर 1.15 करोड़ वर्गफुट पर पहुंच गई है। यह आंकड़ा पिछली आठ तिमाहियों में सबसे अधिक है। रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2021 के दौरान सूचना प्रौद्योगिकी से जुड़ी कंपनियों का पट्टे पर कार्यस्थल देने की गतिविधियों में सबसे अधिक 39 प्रतिशत का हिस्सा रहा। इसके बाद विनिर्माण उद्योग का 15.4 और लचीले उद्योग का 11 प्रतिशत हिस्सा रहा। वार्षिक आंकड़ों के अनुसार 2021 के दौरान बेंगलूरू में कार्यालय स्थल की मांग 14 प्रतिशत बढ़कर 78.2 लाख वर्ग फुट हो गई, जो वर्ष 2020 में 68.3 लाख वर्ग फुट थी। दिल्ली-एनसीआर बाजार में दफ्तर के लिए जगह की मांग 44 प्रतिशत बढ़कर 47.2 लाख वर्गफुट पर पहुंच गई। यह वर्ष 2020 में 32.7 लाख वर्गफुट थी। वही चेन्नई में कार्यस्थल की मांग पिछले वर्ष दस प्रतिशत घटकर 20.3 लाख वर्गफुट रह गई जबकि वर्ष 2020 में यह मांग 22.7 वर्गफुट थी। हैदराबाद में भी कार्यालय के लिए जगह की मांग 36 फीसदी गिरकर 41.4 लाख वर्गफुट पर आ गई।

क्विक न्यूज

डॉ. रेड्डीज कोविड के इलाज में कारगर मॉलफ्लू को अगले हफ्ते उतारेगी

नई दिल्ली। औषधि निर्माता डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज भारत में कोविड-19 के इलाज के लिए मॉलफ्लू (मॉलनुपिरेविर) दवा को 35 रुपए प्रति कैप्सूल के दाम पर उतारेगी। हैदराबाद स्थित कंपनी ने मंगलवार को कहा कि मॉलफ्लू का एक पत्ता 10 कैप्सूल का होगा। पांच दिन में 40 कैप्सूल के पूरे कोर्स पर।,400 रुपए की लागत बैठेगी। कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि यह कोविड-19 के मरीजों के लिए इलाज का सबसे सस्ता विकल्प होगा। कंपनी ने कहा है कि मॉलफ्लू अगले सप्ताह की शुरुआत से देश भर के बाजारों में उपलब्ध होगी। प्रवक्ता ने कहा, हमारा मुख्य ध्यान उन राज्यों पर है जहां संक्रमण की दर तेज है। डॉ. रेड्डीज ने पिछले साल भारत के लिए मॉलनुपिरेविर के विनिर्माण और आपूर्ति के लिए मर्क शार्प डोहमे (एमएसडी) के साथ गैर-विशिष्ट स्वैच्छिक लाइसेंसिंग करार किया था। इसके तहत निम्न और मध्यम आय वर्ग वाले करीब 100 देशों में इस दवा की आपूर्ति की जाएगी।

क्रेडाई-एनसीआर 5,000 से अधिक निर्माण श्रमिकों, परिजनों का मुफ्त टीकाकरण कराएगा

नई दिल्ली। रियल एस्टेट क्षेत्र का निकाय क्रेडाई-एनसीआर ने मंगलवार को कहा कि कोविड-19 महामारी की रोकथाम के तहत वह 15 मार्च तक 5,000 से अधिक निर्माण श्रमिकों और उनके परिजनों का मुफ्त टीकाकरण कराएगा। क्रेडाई-एनसीआर ने एचटी पारेख फाउंडेशन और एचडीएफसी कैपिटल के साथ मिलकर दिल्ली-एनसीआर में निर्माण श्रमिकों और उनके परिजनों के मुफ्त टीकाकरण के लिए अभियान शुरू किया है। यह टीकाकरण नारायण सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल द्वारा किया जाएगा। क्रेडाई-एनसीआर ने एक बयान में कहा कि गुरुग्राम के सेक्टर 89 में एटीएस मैरीगोल्ड परियोजना में यह पहल शुरू हो गई है। बयान के मुताबिक 15 मार्च 2022 तक गुरुग्राम, नोएडा और गाजियाबाद में विभिन्न निर्माण स्थलों पर 5,000 से अधिक लाभार्थियों को कोविशील्ड वैक्सीन की पहली या दूसरी खुराक दी जाएगी। क्रेडाई-एनसीआर के अध्यक्ष पंकज बजाज ने कहा कि निर्माण क्षेत्र से जुड़े उनके सदस्य समाज के प्रति अपनी प्रतिबद्धताओं और जिम्मेदारियों को पूरा करने के लिए हर संभव कदम उठा रहे हैं।

बीएमडब्ल्यू की 2021 में बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 8,876 इकाई पर

नई दिल्ली। जर्मनी की लक्जरी कार विनिर्माता कंपनी बीएमडब्ल्यू की वर्ष 2021 के दौरान भारत में बिक्री 34 प्रतिशत बढ़कर 8,876 इकाई पर पहुंच गई। कंपनी की बिक्री में पिछले एक दशक के सबसे अधिक वृद्धि हुई है। कंपनी ने बीते वर्ष 8,236 बीएमडब्ल्यू इकाइयों और 640 मिनी इकाइयों की बिक्री की। इसके अलावा बीएमडब्ल्यू मोटरराड ने इस दौरान 5,191 मोटरसाइकलों की बिक्री की। वाहन विनिर्माता कंपनी ने वर्ष 2020 के दौरान सभी वाहनों समेत 6,604 इकाइयों की बिक्री की थी। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया के अध्यक्ष विक्रम पावाह ने एक बयान में कहा,"बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया का अपने तीनों ब्रांडों बीएमडब्ल्यू, मिनी और बीएमडब्ल्यू मोटरराड में मजबूत और लचीला प्रदर्शन बना हुआ है। इनकी बिक्री में अच्छी वृद्धि हुई है। बीएमडब्ल्यू इंडिया ने कहा कि पिछले साल 40 प्रतिशत से अधिक बिक्री स्थानीय रूप से उत्पादित स्पोर्ट्स एक्टिविटी व्हीकल (एसएवी) श्रेणी में हुई। इसमें एक्स।, एक्स3 और एक्स5 जैसे मॉडल शामिल हैं।

यस बैंक का शुद्ध ऋण दिसंबर के अंत तक चार प्रतिशत बढ़कर।,76,422 करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। यस बैंक का शुद्ध ऋण या अग्रिम 31 दिसंबर, 2021 तक लगभग चार प्रतिशत बढ़कर।,76,422 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। यह शुद्ध अग्रिम का शुरुआती आंकड़ा है। बैंक ने मंगलवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि 31 दिसंबर, 2020 तक उसका शुद्ध ऋण।,69,721 करोड़ रुपए था। बैंक द्वारा जारी अस्थाई आंकड़ों के अनुसार, 31 दिसंबर को समाप्त तिमाही के दौरान सकल खुदरा ऋण वितरण 9,233 करोड़ रुपए पर पहुंच गया, जो इससे एक साल पहले की इसी तिमाही में 7,470 करोड़ रुपए था। यस बैंक ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि दिसंबर, 2021 के अंत में बैंक की जमा सालाना आधार पर 26 प्रतिशत बढ़कर।,84,289 करोड़ रुपए हो गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 146,233 करोड़ रुपए थी। वही बैंक का ऋण से जमा अनुपात 31 दिसंबर, 2021 तक 95.7 प्रतिशत पर आ गया, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह 116.1 प्रतिशत था।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र का सकल ऋण दिसंबर अंत तक 23 प्रतिशत बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपए पर

नई दिल्ली। बैंक ऑफ महाराष्ट्र का दिसंबर, 2021 के अंत में सकल ऋण या अग्रिम 23 प्रतिशत बढ़कर 1.29 लाख करोड़ रुपए हो गया। बैंक ने मंगलवार को शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि 31 दिसंबर, 2021 के अंत में उसका सकल अग्रिम।,04,904 करोड़ रुपए रहा। इस अवधि में उसकी जमा 15.21 प्रतिशत बढ़कर।,86,614 करोड़ रुपए पहुंच गई, जबकि एक साल पहले की समान अवधि में यह।,61,971 करोड़ रुपए रही थी। बैंक का कुल कारोबार 2,66,875 करोड़ रुपए से 18.28 प्रतिशत बढ़कर 3,15,666 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। चालू खाता एवं बचत खाते (कासा) का अनुपात दिसंबर के अंत में 55.05 फीसदी रहा। इस दौरान बैंक का सकल निवेश 12 प्रतिशत बढ़कर 72,328 करोड़ रुपए रहा जबकि दिसंबर, 2020 के अंत में यह 64,638 करोड़ रुपए था। हालांकि, बैंक ऑफ महाराष्ट्र के ए आंकड़े अनंतिम है और बैंक के वैधानिक ऑडिटरों की समीक्षा के अधीन होंगे।

भारतीय परिधानों की मांग मजबूत, निर्यात और बढ़ेगा : एईसीपी

नई दिल्ली। आने वाले महीनों में मजबूत मांग रहने और ऑर्डर बुक भरी होने से परिधानों के निर्यात को तगड़ा समर्थन मिलने की उम्मीद है। परिधान निर्यात संवर्द्धन परिषद (एईपीसी) के प्रमुख ए शक्तिवेल ने मंगलवार को कहा कि दुनियाभर के खरीदारों और ब्रांडों से भारतीय परिधान विनिर्माताओं को मिलने वाले ऑर्डर तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके साथ मांग मजबूती होने से भी भारतीय परिधान निर्यात के आने वाले महीनों में ऐतिहासिक स्तर पर पहुंचने की उम्मीद है। रेडिमेड वस्त्रों का निर्यात दिसंबर, 2021 में 22 फीसदी बढ़कर 1.46 अरब डॉलर रहा, जबकि दिसंबर, 2020 में यह 1.20 अरब डॉलर रहा था। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों यानी अप्रैल-दिसंबर, 2021 में कुल परिधान निर्यात 11.13 अरब डॉलर हो गया। शक्तिवेल ने कहा, भारतीय परिधान क्षेत्र ने जबर्दस्त वापसी की है। महामारी की दूसरी लहर के दौरान लगी कई पाबंदियों के बावजूद इसका प्रदर्शन अच्छा रहा है। परिधान निर्यातकों ने तमाम चुनौतियों के बावजूद बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा कि उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना और पीएम-मित्र योजनाएं कपड़ा एवं परिधान क्षेत्रों में भारत को अपनी वैश्विक नेतृत्व वाली स्थिति दोबारा हासिल करने में मददगार बनेंगी। इसके अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और संयुक्त अरब अमीरात के साथ व्यापार समझौतों का त्वरित क्रियान्वयन होने से भारतीय परिधान क्षेत्र और भी अधिक आकर्षक हो सकता है।

मूडीज ने रिलायंस के पांच अरब डॉलर के बॉन्ड निर्गम को बीएए2 रेटिंग दी

नई दिल्ली। मूडीज इंवेस्टर्स सर्विस ने मंगलवार को रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के प्रस्तावित अमेरिकी डॉलर आधारित वरिष्ठ असुरक्षित बॉन्ड को स्थिर दृष्टिकोण के साथ बीएए2 रेटिंग दी है। अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एक जनवरी को कहा था कि वह विदेशी मुद्रा आधारित बॉन्डों के जरिए पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक जुटाएगी और मौजूदा उधारी चुकाने के लिए उसका इस्तेमाल करेगी। रेटिंग एजेंसी द्वारा जारी एक बयान में मूडीज की विश्लेषक श्वेता पटोदिया ने कहा, आरआईएल की बीएए2 रेटिंग कंपनी के आकार और विविध व्यवसायों में इसकी प्रमुख बाजार की स्थिति, इसके प्रबंधन के मजबूत निष्पादन ट्रैक रिकॉर्ड और हमारी अपेक्षा को दर्शाती है कि बीएए2 रेटिंग के लिए इसकी क्रेडिट मेट्रिक्स मजबूत बनी रहेगी।

ओपन एक्सेस श्रेणी में सौर ऊर्जा क्षमता अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में दोगुना बढ़ी

नई दिल्ली। बीते साल अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में देश में बड़े ग्राहकों के लिए सीधे आपूर्तिकर्ता से बिजली खरीद की सुविधा (ओपन एक्सेस) से संबंधित 307 मेगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई। यह 2020 की इसी अवधि में इस श्रेणी में स्थापित क्षमता के मुकाबले 85 प्रतिशत अधिक है। नवीकरणीय ऊर्जा के बारे में जानकारी देने वाली शोध कंपनी मेरकॉम इंडिया रिसर्च ने एक रिपोर्ट में यह कहा है। वर्ष 2020 इसी अवधि में 166 मेगावॉट की क्षमता स्थापित हुई थी। मेरकॉम इंडिया की इंडिया सोलर ओपन एक्सेस मार्केट रिपोर्ट शीर्षक से जारी अध्ययन में कहा गया है कि 2021 में अप्रैल-दिसंबर के दौरान ओपन एक्सेस श्रेणी में 935 मेगावॉट सौर ऊर्जा क्षमता स्थापित की गई। यह वर्ष, 2020 की इसी अवधि में इस श्रेणी में स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता 385 मेगावॉट के मुकाबले 143 प्रतिशत अधिक है।

श्रीलंका ने एक अरब डॉलर के राहत पैकेज की घोषणा की, कर्ज डिफाल्ट न करने की घोषणा

कोलंबो। श्रीलंका सरकार ने गंभीर विदेशी मुद्रा संकट के बीच मंगलवार को 1.2 अरब डॉलर के आर्थिक राहत पैकेज की घोषणा की, और इसके साथ ही वित्त मंत्री बेसिल राजपक्षे ने दावा किया कि देश अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कर्ज डिफाल्ट नहीं करेगा। हालांकि, रेटिंग एजेंसियों ने संकेत दिए हैं कि श्रीलंका अपने ऋण दायित्वों को पूरा करने में असमर्थ है। वित्त मंत्री राजपक्षे ने यहां संवाददाताओं से कहा कि श्रीलंका एक पखवाड़े में 50 करोड़ डॉलर के अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बांड का विधिवत भुगतान करेगा।

उन्होंने कहा कि नए आर्थिक राहत पैकेज के तहत 229 अरब श्रीलंकाई रुपए (1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) खर्च किए जाएंगे, जिसमें अन्य उपायों के अलावा जनवरी 2022 से 15 लाख सरकारी कर्मचारियों, पेंशनभोगियों और विकलांग सैनिकों को प्रति माह 5,000 रुपए (24 अमेरिकी डॉलर) का विशेष भत्ता शामिल है। देश के ऋण दायित्वों के बारे में पूछे गए सवाल पर मंत्री ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सॉवरेन बॉन्ड (आईएसबी) धारकों को फिर से बातचीत के लिए आमंत्रित किया जाएगा। प्रधानमंत्री महिंदा राजपक्षे और राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे के छोटे भाई बेसिल राजपक्षे ने कहा, हमें जुलाई में 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर डालर चुकाने हैं, उनसे पूछा जाएगा कि क्या वे फिर से निवेश करने के इच्छुक। उन्होंने कहा, हम पर तीन देशों चीन, जापान और भारत का बहुत अधिक कर्ज है। इस साल के लिए कुल बकाया 6.9 अरब अमेरिकी डॉलर होगा। राजपक्षे ने कहा कि इस फसल कटाई के मौसम में पैदावार में लगभग 25 से 30 प्रतिशत की कमी का सामना करने वाले किसानों को सब्सिडी दी जाएगी। राजपक्षे ने कहा कि राहत पैकेज से महंगाई नहीं बढ़ेगी, क्योंकि सारा खर्च बजट के भीतर होगा। उन्होंने यह भरोसा भी दिया कि कोई नया कर नहीं लगाया जाएगा। राजपक्षे ने कहा कि सरकार ने अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से राहत पैकेज की मांग को लेकर अभी कोई फैसला नहीं किया है।

कोयला आवंटन में कमी, रेल रैक उपलब्ध नहीं होने से कागज उद्योग बुरी तरह प्रभावित : आईपीएमए

भाषा। नई दिल्ली

एक उद्योग निकाय ने मंगलवार को कहा कि कोयले के कम आवंटन और मिलों तक कोयले के परिवहन के लिए पर्याप्त रेलवे रैक की अनुपलब्धता के कारण देश की कागज मिलों का परिचालन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। भारतीय कागज विनिर्माता संघ (आईपीएमए) ने कहा कि पिछले कई महीनों से कोल इंडिया और उसकी अनुषंगियों ने गैर-बिजली क्षेत्रों की कीमत पर प्राथमिकता के आधार पर ताप विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति को प्राथमिकता दी है। संघ ने बयान में कहा, बिजली क्षेत्राताप विद्युत संयंत्रों को रेलवे रैक के प्राथमिकता के आधार पर आवंटन से समस्याएं और बढ़ गई हैं। केंद्रीय कोयला एवं खान तथा रेल मंत्रियों को भेजे गए पत्र में आईपीएमए ने सरकार से अपील की है कि वह लुगदी और कागज उद्योग के खुद के इस्तेमाल (कैप्टिव) के बिजली संयंत्रों को ताप विद्युत संयंत्र या बिजली क्षेत्र के बराबर कोयले और रेलवे रैक दोनों के प्राथमिकता के आधार पर आवंटन के बारे में विचार करे।

आईपीएमए के अध्यक्ष ए एस मेहता ने कहा, यदि जून, 2021 से पहले आवंटित I निर्दिष्ट खानों से पेपर मिलों को कोयले की आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर बहाल नहीं की जाती है, तो बड़ी संख्या में कागज मिलों को लंबे समय तक बंद करना पड़ सकता है, जिसके चलते बाजार में लेखन और मुद्रण कागज और पैकेजिंग पेपर की कमी हो सकती है। इसका सभी एफएमसीजी, खाद्य और फार्मा क्षेत्रों पर व्यापक प्रभाव पड़ सकता है। आईपीएमए के अनुसार, लुगदी और कागज उद्योग में पूंजी और बिजली गहन आवश्यकता होती है, और उसने अपने कामकाज की जरूरतों को पूरा करने के मकसद से बिजली और भाप की निरंतर आपूर्ति के लिए निजी बिजली संयंत्रों की स्थापना में भारी मात्रा में धन का निवेश किया है। आईपीएमए ने यह भी कहा कि टिकाऊआर्थिक वृद्धि के लिए कागज उद्योग का पुनरुत्थान बेहद जरूरी है क्योंकि पेपरबोर्ड और पैकेजिंग सभी प्रकार के आवश्यक सामान, एफएमसीजी, फार्मास्युटिकल्स, खाद्य उत्पाद, दूध के डिब्बे और स्वच्छता उत्पादों के लिए काफी महत्वपूर्ण हैं।

ओएनजीसी को मिली पहली महिला प्रमुख, अलका मित्तल अंतरिम चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) ने अलका मित्तल को कंपनी का अंतरिम चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक नियुक्त किया है। इसी के साथ वह देश की सबसे बड़ी तेल और गैस उत्पादक कंपनी की पहली महिला प्रमुख बन गई हैं। मित्तल इस पद पर सुभाष कुमार की जगह लेंगी, जो 31 दिसंबर को सेवानिवृत्त हो गए। अर्थशास्त्र में स्नातकोत्तर और वाणिज्य में डॉक्टरेट मित्तल ने 27 नवंबर, 2018 को ओएनजीसी के निदेशक मंडल में शामिल होने वाली पहली महिला बनी थीं। 59 वर्षीय मित्तल किसी तेल एवं गैस अन्वेषण और उत्पादन कंपनी की प्रमुख बनने वाली पहली महिला हैं।

कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने तीन जनवरी को जारी अपने एक आदेश में कहा, मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के ओएनजीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक (सीएमडी) पद का अतिरिक्त प्रभार अलका मित्तल को सौंपने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। आदेश में कहा गया, अलका मित्तल एक जनवरी, 2022 से छह महीने की अवधि या अगले आदेश तक ओएनजीसी की अंतरिम चेयरमैन रहेंगी।

इससे पहले निशि वासुदेव किसी तेल कंपनी की प्रमुख बनने वाली पहली महिला थीं। उन्होंने 2014 में हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की बागडोर संभाली थी।ओएनजीसी ने ट्वीट कर कहा, कंपनी की निदेशक (मानव संसाधन) अलका मित्तल को ओएनजीसी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। इसी के साथ वह कंपनी प्रमुख का पदभार संभालने वाली पहली महिला बन गई हैं।

शेयर बाजारों लगातार तीसरे दिन तेजी, सेंसेक्स 673 अंक चढ़ा, निफ्टी 17,800 अंक के पार

भाषा। मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में तेजी रही। वैश्विक स्तर पर सकारात्मक रुख के बीच चौतरफा लिवाली से बीएसई सेंसेक्स मंगलवार को 673 अंक मजबूत हुआ। कारोबारियों के अनुसार, डॉलर के मुकाबले रुपए की विनिमय दर में गिरावट के बावजूद मजबूत निर्यात आंकड़ों से भी लिवाली को समर्थन मिला। तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स बढ़त के साथ खुला और कारोबार के दौरान इसमें अच्छी तेजी बनी रही। अंत में यह 672.71 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 59,855.93 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 179.55 अंक यानी 1.02 प्रतिशत की तेजी के साथ 17,805.25 अंक पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के शेयरों में एनटीपीसी, पावर ग्रिड, एसबीआई, टाइटन, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एक्सिस बैंक और टीसीएस में 5.48 प्रतिशत तक की तेजी रही। दूसरी तरफ सन फार्मा, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, डॉ. रेड्डीज और इन्फोसिस 1.21 प्रतिशत तक नुकसान में रहे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर

ने कहा, वैश्विक बाजारों में तेजी के साथ घरेलू शेयर बाजारों में मजबूती रही। सूचकांक में मजबूत हिस्सेदारी रखने वाले शेयरों और वित्तीय तथा टिकाऊ उपभोक्ता सामान बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में तेजी से बाजार को समर्थन मिला। कोविड मामलों में तेजी के बावजूद वैश्विक स्तर पर धारणा मजबूत बनी हुई है। इसका कारण कोरोना वायरस के नए स्वरूप का आर्थिक गतिविधियों पर कम प्रभाव पड़ने की रिपोर्ट है। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी के विजयकुमार ने कहा, अमेरिकी शेयर बाजार नए साल के पहले कारोबारी दिन रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंचा। यह वैश्विक शेयर बाजारों के लिए लाभदायक साबित हुआ है। उन्होंने कहा कि अगर विदेशी संस्थागत निवेशकों की सोमवार को वित्तीय खासकर प्रमुख बैंकों में लिवाली उनकी रुचि को लेकर कोई संकेत है, तो यह स्थिति आगे भी जारी रह सकती है। विजयकुमार ने कहा कि महामारी की तीसरी लहर हालांकि चिंता का कारण है। लेकिन बाजार का मत है कि इसका आर्थिक गतिविधियों पर असर पड़ने की आशंका नहीं है। कुल 19 क्षेत्रवार सूचकांकों में 16 लाभ में रहे। बीएसई बिजली, जन केंद्रित सेवा, ऊर्जा और बैंक सूचकांक सर्वाधिक लाभ में रहे। कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन की चिंता के बावजूद वैश्विक शेयर बाजारों में 2022 की शुरुआत जोरदार रही है। एशिया के अन्य बाजारों में जापान का निक्की, हांगकांग का हैंगसेंग और दक्षिण कोरिया का कॉस्पी लाभ में रहे जबकि चीन के शंघाई कंपोजिट में नुकसान में रहा। यूरोप के प्रमुख बाजारों में भी दोपहर कारोबार में तेजी का रुख रहा। इस बीच, अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.27 प्रतिशत मजबूत होकर 79.19 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 30 पैसे टूटकर 74.58 पर बंद हुआ।

पेज एक का शेष

केजरीवाल समेत...

कुछ दिनों से पंजाब, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और गोवा में प्रचार अभियान में जुटे हैं। आम आदमी पार्टी (आप) इन राज्यों में इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव में अपनी किस्मत आजमा रही है। एक दिन पहले ही केजरीवाल ने देहरादून में रैली की थी। यहीं वे संक्रमित हुए हैं।

देश में...

मामले सामने आने के बाद देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 3,49,60,261 हो गई है जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 1,71,830 पर पहुंच गई है। आंकड़ों के मुताबिक 124 और संक्रमितों की मौत के बाद मृतक संख्या बढ़कर 4,82,017 हो गई है। उपचाराधीन मामले संक्रमण के कुल मामलों का 0.49 प्रतिशत हैं जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.13 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटों में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 26,248 मामलों की वृद्धि दर्ज की गई है।

सैनिकों के...

बर्फीले तूफान और तेज़ हवा के अलावा माइनस दस के नीचे के तापमान में काम करना पड़ा। विजयक परियोजना के तहत इसे जोड़ा गया, सामान्य तौर पर ज़ोजी ला दर्रा आमतौर पर सर्दियों के महीनों के दौरान बंद रहता है। बीआरओ शीतकालीन संचालन को बढ़ाने पर उपकरण और कर्मियों को तैनात करके दर्रे पर काम कर रहा है। जनवरी में ज़ोजी ला पास को खुला रखना कठिन काम है और दिसंबर में जोजी-ला को खुला रखने और उसके बाद आने वाले सर्दियों के महीनों के लिए बीआरओ के निरंतर प्रयास के तौर पर देखा जा सकता है। पर्वतीय दर्रे के नीचे 14.2 किलोमीटर लंबी जोजी ला रोड सुरंग के निर्माण में बीआरओ और अन्य एजेंसियां लगी हुई हैं। वर्ष 2018 में इसका उद्घाटन किया गया, एक बार तैयार होने के बाद सुरंग तीन घंटे से अधिक की यात्रा के समय को घटाकर सिर्फ 15 मिनट कर देगी।

कांग्रेस की...

आरोप है कि मैदान में क्षमता से अधिक छात्राएं एकत्रित हुईं। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान इस बारे में पूछे जाने पर कहा कि इस तरह के आयोजन होते हैं तो ऐसी कुछ घटनाएं हो जाती हैं। मगर ए नहीं होनी चाहिए। आगे इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति नहीं होगी। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता अशोक सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा नेतृत्व वाली सरकार द्वारा रची गई साजिश के कारण ऐसा हुआ। जिला प्रशासन को पता था कि मैराथन दौड़ आयोजित की जा रही है, लेकिन उसने सहयोग नहीं किया। इस बीच, बरेली की पूर्व महापौर सुप्रिया एरन ने मैराथन दौड़ में भगदड़ को लेकर संवाददाताओं से कहा, लोग वैष्णो देवी तीर्थ यात्रा पर गए थे, वहां क्या हुआ? आप उस घटना को क्या कहेंगे? यह (दूसरों की) आगे बढ़ने की इंसानी फितरत है। यहां स्कूल में पढ़ने वाली लड़कियां एकत्र हुईं और थोड़ी भगदड़ हो गई। प्रदेश भाजपा ने बरेली की घटना को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। भाजपा ने ट्वीट कर आरोप लगाया, अपनी ओछी राजनीति के लिए मासूम बच्चियों को मोहरा बनाने वाली कांग्रेस की बेशर्मी की पराकाष्ठा है। झांसी में बच्चियों को पिटवाया, लखनऊ में भूखे घुमाया और बरेली में कुचलवाया, शर्म करो प्रियंका वाद्रा।

राष्ट्रीय बाल...

बेरली में कांग्रेस द्वारा आयोजित मैराथन में भड़दड़ जैसे हालात पैदा हुए जिस कारण कई बच्चे एक दूसरे पर गिर गए...प्रथम दृष्टया राजनीतिक गतिविधियों के लिए बच्चों का इस्तेमाल करना किशोर न्याय कानून, 2015 की धारा 75 और कोविड से जुड़े दिशानिर्देशों का उल्लंघन प्रतीत होता है। आयोग ने कहा कि मामले की जांच कराई जाए और किशोर न्याय कानून और भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की जाए। उसने घटना में घायल हुए बच्चों के उपचार के संदर्भ में 24 घंटे के भीतर कार्रवाई रिपोर्ट भी तलब की है।

उत्तराखंड से...

में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं। मुंबई साइबर पुलिस थाने ने ऐप के अज्ञात डेवलपर और उसका प्रचार-प्रसार करने वाले ट्विटर हैंडल के विरुद्ध भी एक मामला दर्ज किया है। इससे पहले पुलिस ने कहा कि इन ट्विटर हैंडल में से कई की प्रोफाइल तस्वीर पगड़ी पहने हुए लोगों की है और पोस्ट में लिखी गई सामग्री पंजाबी भाषा में लिखी गई है, जिसे लेकर माना जा रहा है कि ए गलत पहचान दिखाकर भटकाने का प्रयास है। यह मामला बुली बाई नामक ऐप पर नीलामी के लिए बिना इजाजत सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं के छेड़छाड़ किए हुए चित्र और विवरण डालने का है। एक साल से भी कम समय में ऐसा दूसरी बार हुआ है। पिछले साल सुल्ली डील्स नामक ऐप पर इसी प्रकार की सामग्री डाली गई थी। इस मामले को लेकर बढ़ते आक्रोश के बीच दिल्ली पुलिस ने भी गिटहब से बुली बाई ऐप को बनाने वालों के बारे में जानकारी मांगी है और ट्विटर से भी इससे संबंधित सामग्री को हटाने को कहा है। पुलिस ने ट्विटर से उस खाते के बारे में भी जानकारी मांगी है, जिससे सबसे पहले इस ऐप के बारे में ट्वीट किया गया। कई राजनीतिक दलों के नेताओं ने इस साइबर उत्पीड़न की निंदा करने के साथ ही दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग उठाई है।

उत्तराखंड कांग्रेस...

राम चौहान, जो आम आदमी पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष थे, कांग्रेस में शामिल हो गए। अखिल भारतीय क्षत्रिय सेना के संस्थापक अध्यक्ष गौरव सिंह राणा सोमवार को संगठन के पदाधिकारियों के साथ यहां भाजपा में शामिल हो गए।

सूर्य नमस्कार...

और न ही उसकी उपासना को सही मानते हैं। इसलिए सरकार का यह कर्तव्य है कि वह ऐसे निर्देशों को वापस ले और देश के धर्मनिरपेक्ष मूल्यों का सम्मान करे। हां, यदि सरकार चाहे तो देश-प्रेम की भावना को उभारने हेतु बच्चों से राष्ट्रगान पढ़वाए। मौलाना रहमानी ने कहा कि मुस्लिम बच्चों के लिए सूर्य नमस्कार जैसे कार्यक्रमों में सम्मिलित होने की बिल्कुल भी अनुमति नहीं है और इससे बचना आवश्यक है। गौरतलब है कि शिक्षा मंत्रालय ने 16 दिसंबर, 2021 के अपने एक पत्र के माध्यम से कहा है कि आजादी का अमृत महोत्सव के बैनर तले राष्ट्रीय योगासन खेल परिसंघ ने फैसला किया है कि एक जनवरी से सात फरवरी, 2022 तक 75 करोड़ सूर्य नमस्कार की परियोजना चलाई जाएगी। इसमें यह भी कहा गया है कि 26 जनवरी, 2022 को सूर्य नमस्कार पर संगीत कार्यक्रम की योजना भी है।

मूर्खतापूर्ण बातों...

शरीर का विकास करता है। विहिप के संयुक्त महामंत्री ने कहा कि ऐसे में मुस्लिम समाज से हम अपील करते हैं कि वे ऐसी मूर्खतापूर्ण बातों पर ध्यान न दें और अपने विकास के मार्ग पर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि अपने और नई पीढ़ी के विकास के लिए अगर नेतृत्व में परिवर्तन की जरूरत है तो ऐसा करना चाहिए। मुस्लिम समाज को मुस्लिम पर्सलन लॉ बोर्ड को इस बात का अहसास कराना चाहिए कि वह उनका प्रतिनिधि नहीं है और वह केवल अपने अलगाववादी एजेंडे पर आगे चल रहा है।

सामाजिक कार्यकर्ताओं ने टेस्ला से शिनजियांग में नया शोरूम बंद करने को कहा

बीजिंग(एपी)। सामाजिक कार्यकर्ताओं ने टेस्ला कंपनी से चीन के उत्तर-पश्चिमी प्रांत शिनजियांग में खोले गए एक नए शोरूम को बंद करने की अपील की है, जहां अधिकारियों द्वारा ज्यादातर मुस्लिम जातीय अल्पसंख्यकों के खिलाफ दुर्व्यवहार का आरोप है। इस तरह की अपील शिनजियांग, तिब्बत, ताइवान और अन्य राजनीतिक रूप से संवेदनशील मुद्दों पर स्पष्ट रुख लेने के लिए विदेशी कंपनियों पर दबाव डालती है। दूसरी ओर चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी कंपनियों पर उसके रुख को अपनाने के लिए दबाव डालती है। टेस्ला ने शुक्रवार को शिनजियांग की राजधानी उरुम्ची में अपना शोरूम खोलने की घोषणा की थी। कंपनी ने अपने चीनी सोशल मीडिया खाते पर कहा, आइए, शिनजियांग की पूरी तरह इलेक्ट्रिक यात्रा शुरू करते हैं। अमेरिकी-इस्लामिक संबंध परिषद ने सोमवार को टेस्ला और उसके अध्यक्ष एलन मस्क से शोरूम को बंद करने और नरसंहार के लिए आर्थिक समर्थन को खत्म करने का आह्वान किया। परिषद के संचार निदेशक इब्राहिम हूपर ने एक बयान में कहा कि किसी भी अमेरिकी कंपनी को ऐसे क्षेत्र में व्यवसाय नहीं करना चाहिए।

ठाकुर के सात विकेट से भारत ने मैच में वापसी की

●भारत के 202 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में 229 बनाए

भाषा। जोहानिसबर्ग

सात विकेट लेकर कैरियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले तेज गेंदबाज शार्दुल ठाकुर की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने दक्षिण अफ्रीका को दूसरे क्रिकेट टेस्ट के दूसरे दिन मंगलवार को पहली पारी में अच्छी बढ़त लेने से रोक दिया हालांकि दूसरी पारी में भारत की शुरुआत खराब रही।

भारत के 202 रन के जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने पहली पारी में सिर्फ 229 रन बनाए। भारत के इस प्रदर्शन के नायक रहे ठाकुर जिन्होंने 17.5 ओवर में 61 रन देकर सात विकेट लिए। भारत ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक दो विकेट पर 85 रन बना लिए थे यानी उसके पास 58 रन की बढ़त हो गई है। अपना कैरियर बचाने की कोशिशों में जुटे चेतेश्वर पुजारा 42 गेंद में 35 और अजिंक्य रहाणे 22 गेंद में 11 रन बनाकर खेल रहे हैं। दोनों पर कल तीसरे दिन बड़ी पारी खेलकर भारत को अच्छा स्कोर देने और खराब फॉर्म को अलविदा कहकर अपने कैरियर को बचाने का दारोमदार होगा।

भारत की शुरुआत काफी खराब रही और दोनों सलामी बल्लेबाज 44 के स्कोर पर पवेलियन लौट गए। विराट कोहली की जगह कप्तानी कर रहे के एल राहुल आठ रन बनाकर मार्को जेनसन का शिकार हुए जबकि मयंक अग्रवाल (23) को डुआने ओलिविएर ने पवेलियन भेजा। इसके बाद से पुजारा और रहाणे ने 8.2 ओवर में 41 रन की अटूट साझेदारी की। भारत के लिए दूसरे दिन का हासिल रही ठाकुर की गेंदबाजी जिन्होंने पहले सत्र में तीन, दूसरे और तीसरे सत्र में दो दो विकेट चटकाए। जेनसन (21) को आखिरी सत्र में उन्होंने रविचंद्रन अश्विन के हाथों लपकवाया और लुंगी एंगिडि (0) को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों लपकवाकर दक्षिण अफ्रीका की पारी का अंत किया।

इससे पहले लंच के बाद वाले सत्र में दक्षिण अफ्रीका ने 89 रन जोड़े लेकिन तीन विकेट गंवाए, जिनमें से दो ठाकुर ने लिए। पहले उन्होंने काइल वेरेने को पगबाधा आउट किया जो 21 रन बनाकर लौटे। इसके बाद तेम्बा बावुमा को विकेट के पीछे ऋषभ पंत के हाथों लपकवाया। पिछली गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा करने के बाद अगली ही गेंद पर बावुमा अपना विकेट गंवा बैठे। बावुमा ने 60 गेंद में छह चौकों और अश्विन को जड़े एक छक्के की मदद से 51 रन बनाए। कैगिसो रबाडा खाता भी नहीं खोल सके थे और शमी ने उन्हें मिडआन पर खड़े मोहम्मद सिराज के हाथों लपकवाया। लंच से पहले ठाकुर ने डीन एल्गर (120 गेंद में 28 रन) और युवा कीगन पीटरसन (118 गेंद में 62 रन) को पवेलियन भेजा। पीटरसन का टेस्ट क्रिकेट में यह पहला अर्धशतक है। इसके बाद लंच के समय रासी वान डेर डुसेन को आउट किया जिन्होंने 17 गेंद में मात्र एक रन बनाया। विकेट के पीछे ऋषभ पंत का यह कैच हालांकि जमीन को छूता नजर आ रहा था।

एक समय दक्षिण अफ्रीका का स्कोर एक विकेट पर 88 रन था लेकिन उसने तीन विकेट आधे घंटे में 14 रन के भीतर गंवा दिए। जसप्रीत बुमराह ने 21 ओवर में 49 रन देकर एक विकेट लिया, वहीं मोहम्मद शमी ने 21 ओवर में 52 रन देकर दो विकेट चटकाए। अश्विन और सिराज को भी कोई सफलता हाथ नहीं लगी।

मेजबान कप्तान एल्गर को ठाकुर ने विकेट के पीछे पंत के हाथों लपकवाया। वहीं पीटरसन उनकी शॉर्टपिच गेंद पर चकमा खा गए और दूसरे स्लिप में मयंक अग्रवाल को कैच थमा बैठे। पीटरसन का इससे पहले सर्वोच्च टेस्ट स्कोर 19 रन था। उन्होंने अपनी पारी में नौ चौके जड़े। उन्होंने एल्गर के साथ दूसरे विकेट के लिए 74 रन की साझेदारी की लेकिन इसके बाद ठाकुर ने आकर मैच की तस्वीर की पलट दी।

स्कोर बोर्ड

भारत पहली पारी : 202 रन

दक्षिण अफ्रीका पहली पारी : डीन एल्गर का पंत बो ठाकुर 28, एडेन मारक्रम पगबाधा बो शमी 7, कीगन पीटरसन का अग्रवाल बो ठाकुर 62, रासी वान डेर डुसेन का पंत बो ठाकुर 1, तेम्बा बावुमा का पंत बो ठाकुर 51, काइल वेरेने पगबाधा बो ठाकुर 21, मार्को जेनसन का और बो ठाकुर 21, कैगिसो रबाडा का सिराज बो शमी 0, केशव महाराज का बुमराह 21, डुआने ओलिविएर नाबाद 1, लुंगी एनगिडि का पंत बो ठाकुर 0

अतिरिक्त : 16 रन

कुल योग : 79.4 ओवर में 229 रन

विकेट पतन : 1-14, 2-88, 3-101, 4-102, 5-162, 6-177, 7-179, 8-217, 9-228

गेंदबाजी : बुमराह 21-5-49-1, शमी 21-5-52-2, सिराज 9.5-2-24-0, ठाकुर 17.5-3-61-7, अश्विन 10-1-35-0

भारत दूसरी पारी : केएल राहुल का मारक्रम बो जेनसन 8] मयंक अग्रवाल पगबाधा बो ओलिविएर 23, चेतेश्वर पुजारा नाबाद 35, अजिंक्य रहाणे नाबाद 11

अतिरिक्त : आठ रन

कुल योग : 20 ओवर में दो विकेट पर 85 रन

विकेट पतन : 1-24, 2-44

गेंदबाजी : रबाडा 6-1-26-0, ओलिविएर 4-0-22-1, एंगिडि 3-1-5-0, जेनसन 6-2-18-1, महाराज 1-0-8-0

विजय अभियान जारी रखने उतरेगा आस्ट्रेलिया

●इंग्लैंड के साथ चौथा टेस्ट आज से

भाषा। सिडनी

आस्ट्रेलिया ने पिछले मैच में जीत के नायक रहे स्कॉट बोलैंड को बुधवार से यहां शुरू होने वाले चौथे एशेज टेस्ट क्रिकेट मैच के लिए टीम में बनाए रखा है, जबकि प्रतिष्ठा बचाने की कवायद में लगे इंग्लैंड ने अनुभवी क्रिस ब्रॉड को मौका दिया है। बोलैंड ने मेलबर्न में खेले गए तीसरे मैच में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया। उन्होंने दूसरी पारी में सात रन देकर छह विकेट लिए और इंग्लैंड को दूसरी पारी में 68 रन पर ढेर करने में अहम भूमिका निभाई जिससे आस्ट्रेलिया ने दो मैच शेष रहते ही 3-0 की अजेय बढ़त बनाकर एशेज अपने नाम कर दी। अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड चोट के कारण लगातार तीसरे मैच में नहीं खेल पाएंगे जिससे बोलैंड की अंतिम एकादश में जगह को लेकर चल रही चर्चा भी समाप्त हो गई। आस्ट्रेलिया ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाले मैच के लिए टीम में एक बदलाव किया है। मध्यक्रम के बल्लेबाज ट्रैविस हेड कोविड-19 का परीक्षण पॉजिटिव आने के बाद इस मैच में नहीं खेल पाएंगे। उनकी जगह उस्मान ख्वाजा को लिया गया है। ख्वाजा ने 2019 के बाद टीम में वापसी की है।

इंग्लैंड की कोरोना वायरस से जुड़ी चिंता मैदान से इतर है। उसके मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड और सहयोगी स्टाफ के कुछ सदस्य मेलबर्न में पृथकवास पर हैं और सिडनी मैच के दौरान उपस्थित नहीं रहेंगे।

सिल्वरवुड की अनुपस्थिति में जिम्मेदारी संभाल रहे सहायक कोच ग्राहम थोर्प ने 35 वर्षीय तेज गेंदबाज ब्रॉड को अंतिम एकादश में शामिल किया है। यह इंग्लैंड की टीम में किया गया एकमात्र बदलाव है। ब्रॉड ने श्रृंखला में अब तक केवल एक मैच खेला है जिस पर आस्ट्रेलिया के खिलाड़ियों ने भी हैरानी जताई है। ब्रॉड को ओली रोबिन्सन की जगह लिया गया है जो कंधे की चोट के कारण नहीं खेल पा रहे हैं। आस्ट्रेलियाई आक्रमण की जिम्मेदारी मुख्य रूप से कमिन्स, मिशेल स्टार्क, बोलैंड और स्पिनर नॉथन लियोन पर रहेगी जबकि उनकी मदद के लिए आलराउंडर कैमरन ग्रीन भी टीम में हैं। आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिन्स ने पिच देखने के बाद मिच स्वेपसन के रूप में दूसरा स्पिनर नहीं रखने का फैसला किया।

कमिन्स ने मंगलवार को कहा कि हेजलवुड और झॉय रिचर्डसन ने गेंदबाजी अभ्यास किया लेकिन वे अभी पूरी तरह से फिट नहीं हैं।

टीमें : आस्ट्रेलिया : डेविड वार्नर, मार्कस हैरिस, मार्नस लाबुशेन, स्टीव स्मिथ, उस्मान ख्वाजा, कैमरन ग्रीन, एलेक्स कैरी, पैट कमिंस (कप्तान), मिशेल स्टार्क, नाथन लियोन, स्कॉट बोलैंड।

इंग्लैंड : हसीब हमीद, जाक क्रॉली, डाविड मलान, जो रूट (कप्तान), बेन स्टोक्स, जॉनी बेयरस्टो, जोस बटलर, मार्क वुड, जैक लीच, स्टुअर्ट ब्रॉड, जेम्स एंडरसन।

टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर पत्रकारों से मुखातिब आस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिन्स

रुमेश रत्नायके श्रीलंका के अंतरिम कोच नियुक्त

कोलंबो। पूर्व तेज गेंदबाज रुमेश रत्नायके को जिंबाब्वे के खिलाफ घरेलू श्रृंखला से पहले श्रीलंका टीम का अंतरिम कोच नियुक्त किया गया। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी)ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एसएलसी ने बयान में कहा, श्रीलंका क्रिकेट घोषणा करता है कि रुमेश रत्नायके को जिंबाब्वे के आगामी श्रीलंका दौरे के लिए राष्ट्रीय टीम का अंतरिम कोच नियुक्त किया गया है। श्रीलंका की ओर से 1982 से 1993 के बीच 23 टेस्ट और 70 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय खेलने वाले 58 साल के रत्नायके अभी हाई परफोर्मेस केंद्र में तेज गेंदबाजी कोच की भूमिका निभा रहे हैं। वह मिकी आर्थर की जगह लेंगे जिनके जाने के बाद पिछले साल नवंबर से यह पद खाली था। हाई परफोर्मेस केंद्र में बल्लेबाजी कोच की भूमिका निभा रहे रुविन पेइरिस भी अंतरिम आधार पर जिंबाब्वे के खिलाफ श्रृंखला में सीनियर राष्ट्रीय टीम के लिए काम करेंगे।

PUBLIC NOTICE

General public is hereby informed that our Pigmy Agent Mr. Pran Nath Vinayak, agent code PDSUSP4 has expired on 23 June 2021. All customers belong to him are advised to visit the branch within one month from this notice for balance confirmations. Any difference in balance after this period will not be entertained by the bank.

Sd/- Senior Branch Manager
CANARA BANK
A-257, Derawal Nagar,
G.T.K. Road, Azadpur, Delhi-9

वॉल्वरहैम्पटन के हाथों मैनचेस्टर युनाईटेड को मिली शिकस्त

मैनचेस्टर युनाइटेड के खिलाफ गोल करने के बाद जश्न मनाते जोओ मोटिन्हो (बीच में)

एपी। मैनचेस्टर

मैनचेस्टर युनाइटेड को जोओ मोटिन्हो के 82वें मिनट में किए गए गोल के कारण वॉल्वरहैम्पटन के हाथों इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में 0-1 गोल से हार का सामना करना पड़ा जो राल्फ रंगनिक के कोच बनने के बाद उसकी पहली पराजय है। युनाइटेड के खिलाड़ी मैच में किसी भी समय रंग में नहीं दिखे और जब लग रहा था कि वे किसी तरह से अंक बांटने में सफल हो जाएंगे तब मोटिन्हो ने गोल दाग दिया। वॉल्वरहैम्पटन की ओल्ड ट्रैफर्ड में 1980 के बाद यह पहली जीत है।

रंगनिक के कोच बनने के बाद युनाइटेड को पहले पांच मैचों में हार नहीं मिली थी। इस जीत से वॉल्वरहैम्पटन आठवें स्थान पर पहुंच गया है। उसके 19 मैचों में 28 अंक हैं। युनाईटेड 19 मैचों में 31 अंक के साथ सातवें स्थान पर है।

सेविला ने जीत दर्जकर रीयल मैड्रिड से अंतर कम किया

बार्सिलोना। सेविला ने कैडिज को 1-0 गोल से हराकर स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लिगा में रीयल मैड्रिड की बढ़त को कम किया जबकि एथलेटिक बिलबाओ के लिए ओइहान सांसेट ने हैट्रिक जमाई। लुकास ओकाम्पोस के दूसरे हॉफ में किए गए गोल की मदद से सेविला को यह जीत मिली। इससे उसके और रीयल मैड्रिड के बीच अब केवल पांच अंक का रह गया है। शीर्ष पर काबिज रीयल मैड्रिड के 20 मैचों में 46 और सेविला के 19 मैचों में 41 अंक हैं। रीयल मैड्रिड को रविवार को गेटाफे के हाथों हार झेलनी पड़ी थी जो उसकी सभी प्रतियोगिताओं में पिछले 15 मैचों में पहली हार थी।

बिलबाओ ने एक अन्य मैच में मिडफील्डर सांसेट की हैट्रिक की बदौलत ओसासुना को 3-1 गोल से हराया। विल्लारीयाल ने भी लेवांटे को 5-0 गोल से करारी शिकस्त दी। उसकी तरफ से गेरार्ड मोरेनो ने दो गोल किए। विल्लारीयाल की यह सभी प्रतियोगिताओं में लगातार छठी जीत है।

काइल एमबापे की हैट्रिक से पीएसजी की आसान जीत

पेरिस। स्टार स्ट्राइकर काइल एमबापे की दूसरे हॉफ में की गई हैट्रिक की बदौलत पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने फ्रेंच कप फुटबॉल प्रतियोगिता में वानेस को 4-0 गोल से हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई। गोलकीपर क्लेमेंट पेट्रेल ने दो अच्छे बचाव किए जिसके बाद पीएसजी के सेंट्रल डिफेंडर प्रेसनल किमपेम्बे ने 28वें मिनट में नुनो मेंडेस के कार्नर पर हेडर से गोल किया। वानेस की रक्षापंक्ति ने पहले हॉफ में एमबापे को कोई मौका नहीं दिया लेकिन दूसरे हॉफ में इस शीर्ष स्ट्राइकर के सामने उनकी एक नहीं चली। एमबापे ने 59वें मिनट में स्कोर 2-0 किया और फिर 71वें और 76वें मिनट में गोल दागकर हैट्रिक पूरी की।

बार्सिलोना और बायर्न का संकट और गहराया

बार्सिलोना/बर्लिन। बार्सिलोना के कोविड-19 से संक्रमित खिलाड़ियों की सूची में पेड्री गोंजालेज और फेरान टोरेस का नाम भी जुड़ गया है जबकि जर्मन क्लब बायर्न म्यूनिख की संक्रमण के कारण बुंदेसलीगा की तैयारियों को झटका लगा है। टोरेस मैनचेस्टर सिटी से स्थानान्तरण पर बार्सिलोना से जुड़े हैं। कैंप नोउ में उन्हें बार्सिलोना की जर्सी सौंपी जाने के कुछ घंटों बाद पता चला कि कोविड-19 के लिए उनका परीक्षण पॉजिटिव आया है। बार्सिलोना ने कहा कि टोरेस और पेड्री दोनों का स्वास्थ्य अच्छा है और वे अपने घरों में पृथकवास पर हैं। बार्सिलोना को संक्रमण के कारण अब भी गावी पेज, ओस्मान डेम्बेले, सर्गिनो डेस्ट, फिलिप कॉटिन्हो और अब्दे एजलजौली की सेवाएं नहीं मिल रही हैं।

लगातार दूसरे साल रणजी ट्राफी स्थगित

कोरोना का साया

भाषा। नई दिल्ली

भारत का घरेलू क्रिकेट कैलेंडर एक बार फिर कोरोना महामारी के कारण अस्त व्यस्त हो गया जब बीसीसीआई ने देश में बढ़ते कोरोना मामलों के कारण रणजी ट्रॉफी और कर्नल सी के नायडू ट्रॉफी समेत प्रमुख टूर्नामेंट स्थगित करने का फैसला किया।

रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट का पहला दौर 13 जनवरी से शुरू होना था लेकिन फिलहाल इसे स्थगित कर दिया गया है। हाल ही में बंगाल टीम में कोरोना संक्रमण के छह मामले आए थे जिनमें पांच खिलाड़ी थे। मुंबई के शिवम दुबे भी पॉजिटिव पाए गए जो पृथकवास में हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक विज्ञप्ति में कहा कि रणजी ट्रॉफी और कर्नल सी के नायडू ट्रॉफी इसी महीने शुरू होनी थी जबकि सीनियर महिला टी-20 लीग फरवरी में खेली जानी थी। उन्होंने कहा कि बीसीसीआई अपने खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और मैच अधिकारियों के स्वास्थ्य को लेकर कोई जोखिम नहीं लेना चाहता। यही वजह है कि लगातार दूसरे साल यह टूर्नामेंट टलने की संभावना लग रही है। शाह ने कहा कि बीसीसीआई हालात पर नजर रखे हुए है और उसके अनुसार ही फैसला लिया जाएगा। रणजी ट्रॉफी का आयोजन छह शहरों में होना था जिसमें बेंगलुरू, अहमदाबाद, चेन्नई, तिरूवनंतपुरम, मुंबई और कोलकाता शामिल है। बंगाल क्रिकेट संघ के सचिव अविषेक डालमिया को भी पॉजिटिव पाए जाने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देश के तमाम बड़े शहरों में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। दिल्ली में मंगलवार को 5481 नए मामले आए जबकि मुंबई में 10860 नए मामले आए हैं और अधिकांश ओमीक्रोन वैरिएंट के हैं। बंगाल में एक दिन में 9073 मामले आए हैं। शाह ने कहा कि बीसीसीआई स्वास्थयकर्मियों, राज्य संघों, खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ, मैच अधिकारियों को धन्यवाद देना चाहता है।

पहचान की अपील

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यह व्यक्ति जिसका **नामः** नामालूम, **पुत्रः** नामालूम, **पताः** नामालूम, **उम्रः** 50 साल, **लिंगः** पुरूष, **रंगः** काला, **कदः** 5 फुट 6 इंच, **शरीरः** पतला, **चेहराः** अंडाकार, पहनावाः काले रंग का पजामा, दिनांक 17.06.2021 को एस डी एन अस्पताल के फुटपाथ पर बेहोशी की हालात में मिला व जिसे ईलाज के लिए एस डी एन अस्पताल, दिल्ली में भर्ती कराया गया और जिसे डॉक्टर ने ईलाज के दौरान मृत लाया गया घोषित कर दिया। इस संदर्भ में DD No. 25A, दिनांक 17.06.2020, थाना जीटीबी एन्कलेव, दिल्ली में दर्ज है। मृतक शरीर को पहचान हेतु 72 घंटों के लिए जी टी बी अस्पताल, दिल्ली के मुर्दाघर में रखा गया है।

पुलिस द्वारा हर संभव कोशिश के बाद भी अबतक इस मृतक व्यक्ति के बारे में कोई जानकारी या सुराग नहीं मिल पाया है।

यदि किसी भी व्यक्ति को इस व्यक्ति के परिजनों या परिचित के बारे में कोई जानकारी या सुराग मिले तो अधोहस्ताक्षरी को निम्नलिखित पते पर सूचित करने की कृपा करें।

थाना प्रभारी
थाना जीटीबी एंक्लेव, दिल्ली
DP/678/SHD/2022 फोनः 011-22137444, 7065036031

नाओमी ओसाका ने जीत के साथ सत्र की शुरुआत की

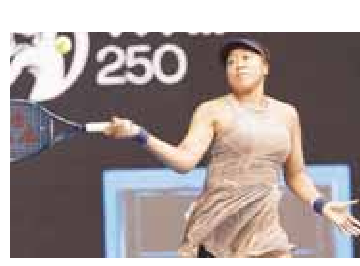

समरसेट टेनिस टूर्नामेंट

एपी। मेलबर्न

आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन नाओमी ओसाका ने यहां चल रहे समरसेट टेनिस टूर्नामेंट में से एक में मंगलवार को अलिजे कॉर्नेट पर 6-4, 3-6, 6-3 से हराकर 2022 सत्र की जीत से शुरुआत की। पिछले साल फरवरी में आस्ट्रेलियाई ओपन जीतने के बाद ओसाका ने पहली बार रॉड लीवर एरेना में वापसी की। सितंबर में यूएस ओपन के तीसरे दौर में लिलाह फर्नांडिस से हारने के बाद यह उनका टूर स्तर पर पहला मैच था। मेलबर्न में खेले जा रहे एक अन्य टूर्नामेंट के पहले दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला ने इरीना कामेलिया बेगु को 7-6 (6), 6-3 से हराया।

एडीलेड में 2020 की फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियातेक ने डारिया सावित्ले को 6-3, 6-3 से हराकर अपने खिताब के बचाव का अभियान शुरू किया। इससे पहले के मैचों में अमेरिकी किशोरी कोको गौफ ने नॉवें की उलरिके ईकेरी को 6-2, 6-1 से हराया। उनका अगला मुकाबला शीर्ष वरीयता प्राप्त ऐश बार्टी से होगा। आस्ट्रेलियाई ओपन 2020 की चैंपियन सोफिया केनिन ने लूसिया ब्रोंजेटी को 7-5, 7-5 से हराया जबकि अनास्तासिया गैसानोवा ने दो घंटे 34 मिनट तक चले मैच में आठवीं वरीयता प्राप्त एलिना स्वितोलिना को 5-7, 6-4, 6-3 से पराजित किया।

जोकोविच को आस्ट्रेलियाई ओपन में खेलने की मेडिकल छूट मिली

मेलबर्न। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को आस्ट्रेलियाई ओपन में भाग लेने के लिए मेडिकल छूट मिल गई है जिससे वह मेलबर्न यात्रा कर सकेंगे। इसके साथ ही टूर्नामेंट में कड़े कोरोना टीकाकरण प्रोटोकाल के कारण उनके खेलने को लेकर लग रही अनिश्चितता का दौर भी खत्म हो गया। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर पोस्ट किया कि उन्हें अपवाद के तौर पर आस्ट्रेलिया जाने की अनुमति मिल गई है। जोकोविच लगातार यह बताने से इनकार कर रहे थे कि उन्होंने कोरोना वायरस का टीका लगवाया है या नहीं जबकि मेलबर्न जाने के लिए यह बताना जरूरी है।

पूर्वोत्तर रेलवे कोटेशन सूचना सं. 02/2022(वाणिज्य विज्ञापन)

मण्डल रेल प्रबन्धक (वा.), पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्न कार्य कोटेशन के आधार पर 90 दिन हेतु मुहरबन्द कोटेशन सूचना सं. 02/2022 (वाणिज्य विज्ञापन-विनायल रैपिंग) आमंत्रित की जाती है- **लखनऊ मण्डल पर कोटेशन के आधार विनायल स्टीकर के माध्यम से मेल एक्स. गाड़ियों के सभी कोचों के भीतर भाग पर प्रत्येक कोच में 90 sq. ft. area विनायल रैपिंग के माध्यम से विज्ञापन 90 दिन हेतु-गाड़ियों की सूची संलग्न है- कोटेशन खोलने की तिथि 11.01.2022**

क्र. सं.	गाड़ी सं.	कहाँ से	कहाँ तक	रैको की सं.	कोचो की सं. (प्रति रैक)	कुल कोचेस की सं.	लाइसेन्स फीस 90 दिन की (₹ में)	अर्नेस्ट मनी (₹ में)
1	12595/96-12571/72	गोरखपुर	आनन्द विहार	2	22	44	₹ 103950/-	₹ 2079/-
2	15023/24	गोरखपुर	यशवन्तपुर	1	22	22	₹ 51975/-	₹ 1040/-
3	15025/26-15058/57	गोरखपुर/मऊ	आनन्द विहार	1	23	23	₹ 54339/-	₹ 1090/-
4	12587/88-15097/98	गोरखपुर/भागलपुर	जम्मुतवी	1	22	22	₹ 51975/-	₹ 1040/-
5	15048/47	गोरखपुर	कोलकत्ता	02	24	48	₹ 113400/-	₹ 2268/-
6	15050/49	गोरखपुर	कोलकत्ता	01	24	24	₹ 56700/-	₹ 1134/-
7	15052/51	गोरखपुर	कोलकत्ता	01	24	24	₹ 56700/-	₹ 1134/-
8	12511/12	गोरखपुर	त्रिवेन्द्रम	02	23	46	₹ 108675/-	₹ 2175/-
9	12589/90	गोरखपुर	सिकन्दराबाद	01	23	23	₹ 54339/-	₹ 1090/-
10	12591/92	गोरखपुर	यशवन्तपुर	01	23	23	₹ 54339/-	₹ 1090/-
11	15005/06-15001/02	गोरखपुर	देहरादून	01	18	18	₹ 42525/-	₹ 851/-
12	15008/07	लखनऊ	वाराणसी सिटी	02	23	46	₹ 108675/-	₹ 2175/-
13	15015/16	गोरखपुर	यशवन्तपुर	1	22	22	₹ 51975/-	₹ 1040/-
14	15021/22-15029/30	गोरखपुर	शालिमार/पुणे	1	22	22	₹ 51975/-	₹ 1040/-

विनायल स्टीकर प्रति कोच (स्क्वायर फिट में): क्रम सं.: 1 से 13 के लिये: 90 स्क्वायर फिट प्रत्येक कोच पर (स्टीकर का आकार 2x1.5 स्क्वायर फिट)। **कोटेशन डालने की तिथि एवं समयः-** 11.01.2022 को 10:00 से समय 14:00 बजे तक **(कार्यालय कार्य दिवस में), कोटेशन खोलने की तिथि एवं समयः** 11.01.2022 को 15:00 बजे, **कोटेशन की अवधिः** 90 दिन। विज्ञप्ति सूचना एवं निविदा प्रपत्र प्रारूप तथा, नियम व शर्तों की सम्पूर्ण जानकारी वेब साइट **"www.ner.indianrailways.gov.in** पर उपलब्ध है तथा मण्डल रेल प्रबन्धक (वाणिज्य) कार्यालय, पूर्वोत्तर रेलवे, अशोक मार्ग लखनऊ से कार्यालय दिवस में पेपर में निकलने की तिथि से भी प्राप्त कर सकते हैं।

मंडल रेल प्रबन्धक/वाणिज्य
लखनऊ

मुजाधि/वाणिज्य-117

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मोबाइल नं. 09794845955 पर SMS करें।

''ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें''

जापानी पीएम का बूस्टर खुराक देने का वादा

जापान ने वापस लौटने वाले निवासियों व अपने नागरिकों को छोड़कर अन्य की यात्रा पर लगायी रोक

एपी। टोक्यो

जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने कोरोना वायरस रोधी टीकों की बूस्टर खुराक देने में तेजी लाने, कोविड-19 के इलाज के लिए आयातित दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करने और तेजी से फैलने वाले ओमीक्रोन स्वरूप से मुकाबले के लिए चिकित्सा इकाइयों का पुनर्गठन करने का मंगलवार को संकल्प लिया।

गत वर्ष अक्टूबर में प्रधानमंत्री का पदभार संभालने वाले किशिदा ने कहा कि उन्होंने इस तरह की तैयारियां करने के लिए नवंबर से सीमा पर सख्त नियंत्रण का आदेश दिया है। जापान ने वापस लौटने वाले निवासियों और जापानी नागरिकों को छोड़कर अन्य की वापसी यात्रा पर रोक लगा दी है।

किशिदा ने कहा कि कोरोना वायरस के अत्यधिक संक्रामक ओमीक्रोन स्वरूप का मुकाबला अब घरेलू उपायों से किया जाएगा, जैसे कि मुफ्त कोरोना वायरस जांच अधिक आसानी से उपलब्ध कराना। उन्होंने कहा कि हालांकि, सीमा पर नियंत्रण जारी रहेगा।

उन्होंने टोक्यो के दक्षिण-पश्चिम में माई स्थानीय शासन क्षेत्र स्थित एक धर्मस्थल पर प्रार्थना करने के बाद संवाददाताओं से कहामैंने प्रार्थना की ताकि हम कोरोना वायरस महामारी पर काबू पा सकें और यह वर्ष आप सभी के लिए एक शानदार वर्ष होगा। जापानी नेता हर साल की शुरुआत में इस धर्मस्थल पर आते हैं, हालांकि पूर्व प्रधानमंत्री योशीहिदे सुगा ने पिछले साल महामारी के कारण यहां आने का कार्यक्रम रद्द कर दिया था।

किशिदा ने कहा कि मर्क कंपनी की गोलियां (दवा) हजारों अस्पतालों में वितरित की गई है और फाइजर की गोलियों (दवा) की खरीद के लिए भी प्रयास चल रहे हैं ताकि उनका इस्तेमाल अगले महीने से कोरोना वायरस के लक्षण वाले मरीजों के उपचार में किया जा सके।

उन्होंने कहा कि ऐसे प्रत्एक व्यक्ति को इलाज के लिए भर्ती किया जाएगा जो कोविड-19 से संक्रमित पाया जाता है और उसे अस्पताल में भर्ती होने की जरुरत है। वहीं ऐसे व्यक्ति जो घर पर रहकर ठीक हो सकते हैं उन्हें चिकित्साकर्मियों की निगरानी में ऐसा ही करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि अन्य सुविधाओं को भी उन लोगों के लिए तैयार किया जाएगा जिन्हें अस्पताल में भर्ती होने की आवश्यकता नहीं है, लेकिन लक्षणों के आधार पर पृथकवास की आवश्यकता है।

हालांकि जापान में हाल ही में कोविड-19 के नए मामलों और होने वाली मौतों की संख्या में कमी आई है, लेकिन ओमीक्रोन स्वरूप के कारण संक्रमण की छठी लहर को लेकर चिंताएं बढ़ रही हैं। हवाई अड्डे, शॉपिंग स्थल और धर्मस्थल नए साल के जश्न के लिए खचाखच भरे हुए हैं।

जर्मनी ने ब्रिटेन सहित नौ देशों को प्रतिबंधों में ढील दी

बर्लिन। जर्मनी ने ब्रिटेन, दक्षिण अफ्रीका और सात अन्य दक्षिणी अफ्रीकी देशों को यात्रा संबंधी उन प्रतिबंधों में ढील दी है जो कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के सामने आने के बाद लगाए गए थे। नौ देशों को जर्मनी की नए 'वायरस स्वरूप क्षेत्रै की सूची से मंगलवार को हटा दिया गया। विमानन कंपनियां और अन्य, उस सूची के देशों से जर्मन नागरिकों और निवासियों के परिवहन तक सीमित हैं। टीकाकरण की स्थिति कुछ भी हो, आने वाले सभी लोगों को 14 दिनों के लिए स्व-पृथकवास में रहना होगा। जर्मनी के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र ने पिछले सप्ताह घोषणा की थी कि उसने देशों के जोखिम संबंधी दर्जे को कम करने की योजना बनाई है। किंतु उसने यह भी कहा था कि 'अल्पकालिक बदलावै किए जा सकते हैं। जर्मनी में ओमीक्रोन के मामले बढ़ रहे हैं, लेकिन अधिकारियों का कहना है कि मौजूदा आधिकारिक आंकड़े अधूरी तस्वीर दिखाते हैं। रोग नियंत्रण केंद्र, रॉबर्ट कोच इंस्टीट्यूट ने मंगलवार को बताया कि पिछले 24 घंटों में कोरोना वायरस के 30,561 नए मामले सामने आए जो एक सप्ताह पहले की अपेक्षा 9,000 ज्यादा हैं।

ओमीक्रोन के चलते अमेरिकी स्कूलों और कार्यस्थलों पर वापसी की संभावना समाप्त

एपी। वाशिंगटन

चार जनवरी (एपी) अमेरिका में कोविड-19 मामलों में विस्फोट के बाद देश भर के कुछ स्कूलों ने छुट्टियों की अवधि को सोमवार को बढ़ा दिया या फिर से शिक्षण के ऑनलाइन माध्यम पर लौट आए हैं जबकि अन्य ने इस बढ़ती भावना के साथ भौतिक रूप से शिक्षण को जारी रखा कि अमेरिकियों को वायरस के साथ सह-अस्तित्व में रहना सीखना होगा।

संक्रमण से डरने वाले शिक्षकों और अपने बच्चों को कक्षा में भेजने की इच्छा रखने वाले अभिभावकों के आवेदनों के बीच उलझे न्यूयॉर्क, मिल्वॉकी, शिकागो, डेट्रायट और उससे आगे के शहरों के स्कूल अत्यधिक संक्रामक ओमीक्रोन के कारण अकादमिक वर्ष के बीच खुद को एक कठिन स्थिति में पा रहे हैं। देश की सबसे बड़ी स्कूल प्रणाली के शहर, न्यूयॉर्क सिटी ने घर ले जाने वाली कोविड-19 जांच किटों के साथ लगभग 10 लाख विद्यार्थियों के लिए कक्षाओं को फिर से खोल दिया और स्कूलों में की जाने वाली जांच संख्या को दोगुना करने की योजना बनाई। शहर के मेयर एडिक एरम्स ने एमएसएनबीसी से कहा, हम सुरक्षित रहेंगे और हम अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए स्कूलों को खुला रखने वाले हैं।

शिक्षक संघ ने जहां मेयर को एक सप्ताह के लिए व्यक्तिगत रूप से शिक्षण स्थगित करने के लिए कहा था, वहीं शहर के अधिकारी लंबे समय से कह रहे हैं कि मास्क एवं जांच आवश्यकताओं और अन्य सुरक्षा उपायों का मतलब है कि बच्चे स्कूल में सुरक्षित हैं। शहर में कर्मचारियों के लिए टीकाकरण जनादेश भी लागू है। शहर में कोविड-19 के नए मामले छुट्टियों से पहले सप्ताह में लगभग 17,000 के दैनिक औसत से पिछले सप्ताह लगभग 37,000 हो गए थे।अमेरिका भर में, कोविड के नए मामले पिछले दो हफ्तों में तीन गुना बढ़कर 4,00,000 से अधिक हो गए हैं, जो रिकॉर्ड में अब तक के उच्चतम स्तर पर है। कई अमेरिकी जांच कराने की जद्दोजहद में लगे हैं।

उच्च संक्रमण दर और उसके कारण कामगारों की कमी बड़े और छोटे नियोक्ताओं पर भारी बोझ डाल रही है। हाल के दिनों में हजारों एयरलाइन कंपनियों ने उड़ानें रद्द कर दीं और कई व्यवसायों ने काम फिर शुरू करने की योजना को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। नीति निर्माता और स्वास्थ्य अधिकारी अर्थव्यवस्था और शिक्षा प्रणाली पर पड़ने वाले असर को लेकर सचेत रहें।

ब्रिटेन में एस्ट्राजेनेका टीके की शुरुआत के एक साल पूरे

लंदन। ब्रिटेन की स्वास्थ्य सेवा ने मंगलवार को कोविड-19 के खिलाफ ऑक्सफोर्ड । एस्ट्राजेनेका टीका की शुरुआत की पहली वर्षगांठ मनाई। उसके कुछ दिन बाद ही भारत में ही यह टीका कोविशील्ड के रूप में शुरू किया गया। ब्रायन पिंकर (82) ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय अस्पताल में 4 जनवरी, 2021 को कोविड टीका लेने वाले दुनिया के पहले व्यक्ति बने। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) ने कहा कि तब से करीब पांच करोड़ एस्ट्राजेनेका टीके दिए जा चुके हैं।

उसके बाद से 170 से अधिक देशों को टीके की करीब 2.5 अरब खुराकें लागत पर दी गई हैं।

उनमें पुणे में सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा निर्मित खुराकें शामिल हैं। ब्रिटेन के स्वास्थ्य मंत्री साजिद जाविद ने कहा कि सरकारी वित्तपोषण की मदद से ब्रिटेन में निर्मित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका टीके ने कोविड के खिलाफ हमारी लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिससे दुनिया भर में अनगिनत लोगों की जान बची है। टीकाकरण की शुरुआत के एक साल पूरा होने के मौके पर उन्होंने लंदन में एक टीकाकरण केंद्र का दौरा किया।

ऑस्ट्रेलिया में बढ़ता जा रहा है कोविड-19 का प्रकोप

सिडनी (**ऑस्ट्रेलिया**)। (एपी) ऑस्ट्रेलिया में कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, जिसके कारण अस्पतालों तथा जांच केन्द्रों पर दबाव लगातार बढ़ता जा रहा है।

ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले शहर न्यू साउथ वेल्स में संक्रमण के 23,131 नए मामले सामने आए। वहां 1,344 लोग अस्पताल में भर्ती हैं। नए मामले 83,376 नमूनों की जांच के बाद सामने आए और संक्रमण दर 28 प्रतिशत रही। विक्टोरिया में कोविड-19 के 14,020 नए मामले सामने आए। वहां, 516 लोग अस्पताल में भर्ती हैं और 108 मरीज गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में हैं। ऑस्ट्रेलिया में बढ़ते संक्रमण के मामलों के बीच कुल संक्रमितों की संख्या 5,00,000 को पार कर गई।

न्यू साउथ वेल्स की मुख्य चिकित्सा अधिकारी केरी चैंट ने सोमवार को लोगों से बेहद जरूरी ना होने तक अस्पताल ना आने की अपील की। उन्होंने कहा, यह जरूरी है कि हम स्वास्थ्य प्रणाली पर अनावश्यक दबाव ना बनाने में अपनी भूमिका निभाएं।

देश के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने पीसीआर जांच केन्द्रों पर दबाव कम करने के लिए संघीय सरकार द्वारा रैपिड एंटीजन जांच मुफ्त कराने की अपील सोमवार को खारिज कर दी।

कोरोना के कई स्वरूपों से बचा सकता है आरएनए आधारित उपचार

वशिंगटन। चूहों पर किए गए एक अध्ययन में सामने आया है कि शरीर की प्रारंभिक वायरस रोधी प्रणाली को तेज करने वाले एक आरएनए अणु से डेल्टा समेत कोरोना वायरस के कई स्वरूपों के विरुद्ध प्रतिरक्षा विकसित हो सकती है। अमेरिका के एल स्कूल ऑफ मेडिसिन के अनुसंधानकर्ताओं के अनुसार इस अणु से कोविड-19 के उन मरीजों के लिए उपचार के नए तरीके उत्पन्न हो सकते हैं जिनका प्रतिरक्षा तंत्र कमजोर हो गया है।

हाल में जर्नल ऑफ एक्सपेरिमेंटल मेडिसिन (जेईएम) नामक शोध पत्रिका में प्रकाशित शोधपत्र के अनुसार, इस अध्ययन से उन विकासशील देशों के लिए कम खर्च वाला इलाज उपलब्ध हो सकता है जहां टीके की कमी है। वायरस का ओमीक्रोन स्वरूप सामने आने से पहले यह अध्ययन किया गया था।

अमेरिका में कम्बोडियाई अमेरिकी नागरिक ने महापौर की शपथ ली

बोस्टन (**अमेरिका**)। अमेरिका में कम्बोडियाई मूल के किसी व्यक्ति को पहली बार महापौर चुना गया है। कम्बोडिया में खमेर रूज (कम्युनिस्ट सरकार) के तानाशाही शासन से बचने के लिए अमेरिका में शरण लेने वाले सोखारी चाऊ को सोमवार को मैसाचुसेट्स के शहर लोवेल का महापौर चुन लिया गया। वह शहर के पहले एशियाई अमेरिकी महापौर भी बन गए हैं। पद की शपथ लेने के बाद चाऊ(49) ने कहा कि ईश्वर अमेरिका पर कृपा करे। मैं एक शरणार्थी था, और अब मैसाचुसेट्स के एक बड़े शहर का महापौर हूं। चाऊ अमेरिकी सामाजिक सुरक्षा प्रशासन में काम करते हैं। उन्होंने कहा कि दुनिया में किसी और जगह ऐसा हो सकता है या नहीं मुझे नहीं पता। मुझे अब भी विश्वास नहीं हो रहा। चाऊ ने अपने उद्घाटन भाषण में, कम्बोडिया से अपने परिवार के बच निकलने और लोवेल में शरण लेने के घटनाक्रम का उल्लेख किया। उन्होंने सोमवार को कहा कि मुझे अपने कम्बोडियाई अमेरिकी होने पर गर्व है, मैं उन अनेक शरणार्थियों के कंधों पर खड़ा हूं जो मुझसे पहले इस शहर में आए थे।

ब्राजील के राष्ट्रपति बोल्सोनारो आंत संबंधी समस्या के कारण अस्पताल में भर्ती

रियो डी जिनेरियो (**ब्राजील**)। ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो को पेट में असहजता महसूस होने के बाद जांच के लिए साओ पाउलो अस्पताल ले जाया गया। सरकार ने एक बयान में यह जानकारी दी। विला नोवा स्टार अस्पताल ने सोमवार सुबह एक बयान में बताया कि राष्ट्रपति को आंत संबंधी समस्या उत्पन्न हो गई थी, हालांकि अब उनकी हालत स्थिर है। अस्पताल ने शाम को एक अन्य बयान में बताया कि बोल्सोनारो की हालत में सुधार है, लेकिन अभी यह तय नहीं हो पाया है कि उनका ऑपरेशन करने की आवश्यकता पड़ेगी या नहीं। बोल्सोनारो (66) के पेट में 2018 में एक राजनीतिक रैली के दौरान चाकू घोंपा गया था। इसके बाद से उनके कई ऑपरेशन हुए हैं। उस वक्त राष्ट्रपति का ऑपरेशन डॉ. एंतोनियो लुइज मैसेडो ने किया था और उन्हीं की टीम साओ पाउलो में उनका इलाज कर रही है। मैसेडो छुट्टी मनाने के लिए बहामास गए हुए हैं और उनके साओ पाउलो लौटने की संभावना है। इस बीच बोल्सोनारो ने ट्विटर पर अपनी एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह अस्पताल के बिस्तर पर लेटे हुए नजर आ रहे हैं। पिछले साल जुलाई में भी आंत की समस्या के कारण बोल्सोनारो को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

इजराइल के तट पर नौसेना का एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट की मौत

यरुशलम। इजराइल के भूमध्यसागरीय तट पर उत्तरी शहर हाइफ़ा के पास सोमवार देर रात नौसेना के एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो इजराइली विमान चालकों की मौत हो गई। इजराइल की सेना ने यह जानकारी दी। सेना ने मंगलवार तड़के बताया कि हेलीकॉप्टर प्रशिक्षण उड़ान भरने के बाद दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में सवार एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सेना ने कहा कि बचाव अभियान चलाने के बाद दो विमान चालकों को मृत घोषित किया गया। हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। इजराइली वायु सेना ने सभी प्रशिक्षण उड़ानों और दुर्घटनाग्रस्त हुए हेलीकॉप्टर की श्रेणी के सभी हेलीकॉप्टर के उपयोग को तत्काल रोकने का आदेश दिया गया है।

नाटो के विदेश मंत्रियों की बैठक कल

ब्रसेल्स। नाटो ने मंगलवार को घोषणा की कि वह 30 सदस्यीय संगठन के विदेश मंत्रियों की इस सप्ताह (शुक्रवार को) डिजिटल बैठक आयोजित करेगा जिसमें यूक्रेन की स्थिति और रूस से होने वाली बातचीत पर चर्चा होगी।

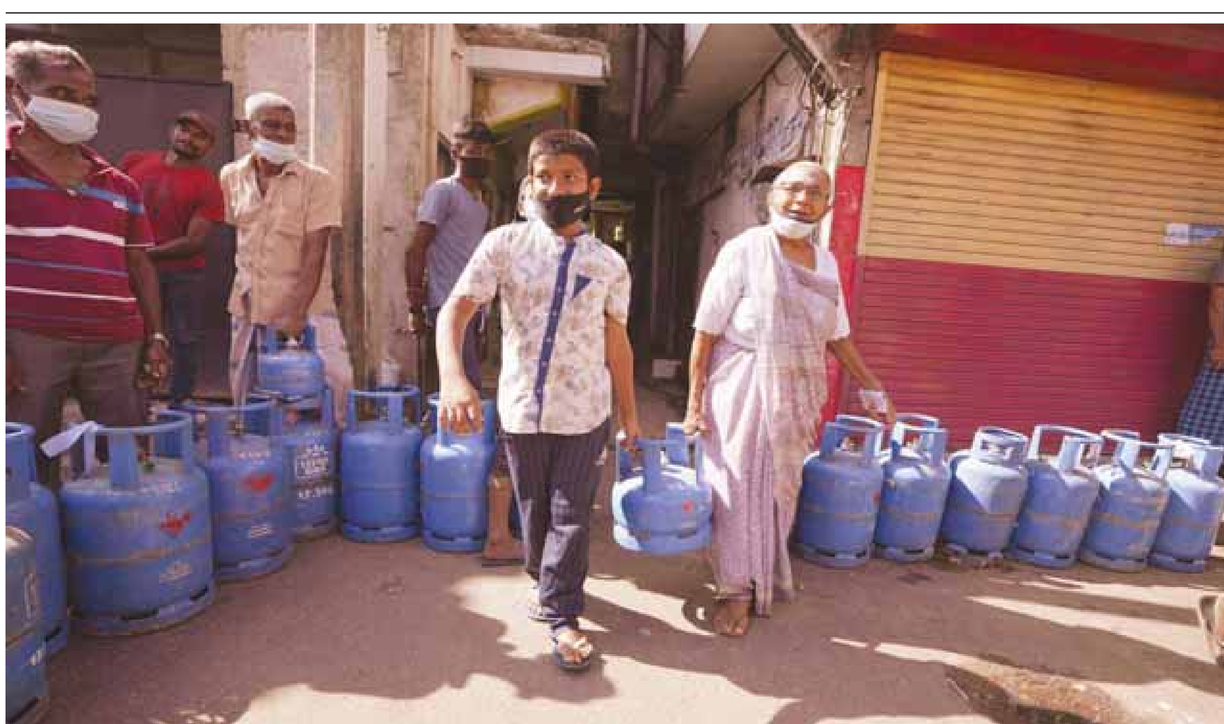

कोलंबो (श्रीलंका) में मंगलवार को आपूर्ति की कमी के दौरान अपने रसोई गैस सिलेंडर की रिफिल के लिए कतार में प्रतीक्षा करते नागरिक

चीन ने परमाणु शस्त्र के विस्तार से किया इनकार

अमेरिकी आरोप को नकारा

भाषा। बीजिंग

चीन ने मंगलवार को अमेरिका के इस आरोप को असत्य बताते हुए खारिज कर दिया कि बीजिंग तेजी से अपने परमाणु शस्त्रागार का विस्तार कर रहा है। साथ ही उसने परमाणु युद्ध को रोकने के लिए और हथियारों की होड़ से बचने पर पांच परमाणु-हथियार संपन्न राष्ट्र के नेताओं को पहला संयुक्त बयान देने के लिए रजामंद करने में महत्वपूर्ण भूमिकौ निभाने का श्रेय भी लिया।

परमाणु-हथियार वाले राष्ट्रों के बीच युद्ध से बचने और रणनीतिक जोखिमों में कमी को अपनी प्रमुख जिम्मेदारियों के रूप में मानते हुए चीन, फ्रांस, रूस, ब्रिटेन और अमेरिका के नेताओं ने सोमवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि हम मानते हैं कि परमाणु युद्ध नहीं जीता जा सकता है और इसे कभी नहीं लड़ा जाना चाहिए। बयान में कहा गया कि चूंकि परमाणु उपयोग के दूरगामी परिणाम होंगे, हम इस बात की भी पुष्टि करते हैं कि परमाणु हथियार - जब तक मौजूद रहेंगे तब तक उन्हें सिर्फ रक्षात्मक उद्देश्यों की पूर्ति करनी चाहिए, आक्रमण को और युद्ध को होने से रोकने का काम करना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थाई सदस्य (पी5) के रूप में इन पांच देशों ने यह भी कहा कि उनका दृढ़ विश्वास है कि इस तरह के हथियारों के और प्रसार को रोका जाना चाहिए। उन्होंने परमाणु खतरों से निपटने के महत्व की भी पुष्टि की और अपने द्विपक्षीय और बहुपक्षीय अप्रसार, निरस्त्रीकरण, और हथियार नियंत्रण समझौतों और प्रतिबद्धताओं के संरक्षण और अनुपालन के महत्व पर जोर दिया।

चीनी विदेश मंत्रालय के हथियार नियंत्रण विभाग के महानिदेशक फू कोंग ने अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के उस आरोप का खंडन किया कि उनकी सरकार अपने परमाणु शस्त्रागार का तेजी से विस्तार कर रही है। कोंग ने बीजिंग में संवाददाता सम्मेलन में कहा, अमेरिकी अधिकारियों ने दावे किए हैं कि चीन अपनी परमाणु क्षमताओं को तेजी से बढ़ा रहा है। मैं यह कहना चाहता हूं कि ए दावे झूठे हैं। अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने नवंबर में एक रिपोर्ट में कहा था कि चीन अपनी परमाणु क्षमता का पहले जताए गए अनुमान की तुलना में अधिक तेजी से विस्तार कर रहा है और उसके पास 2030 तक 1,000 से अधिक हथियार हो सकते हैं। अमेरिका के पास 3,750 परमाणु हथियार हैं।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ की खबर के मुताबिक कोंग ने कहा कि यह पहली बार है जब पी5 नेताओं ने परमाणु हथियारों पर एक संयुक्त बयान जारी किया है और यह भी ध्यान दिलाया कि यह 2000 में संयुक्त राष्ट्र मिलेनियम शिखर सम्मेलन के बाद से एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय मुद्दे पर पी5 नेताओं का एक और संयुक्त बयान है।

हांगकांग से संचालित साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने खबर दी कि चीनी उप विदेश मंत्री मा झाउक्सो ने कहा कि समझौता एक सकारात्मक कदम था और चीन ने इसकी पुष्टि के लिए जोर दिया।

सरकारी सीजीटीएन-टीवी चैनल ने उनके हवाले से कहा कि चीन ने देशों को सकारात्मक और ठोस बयान देने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि 'संयुक्त बयान के परामर्श के दौरान चीन ने इस तरह की महत्वपूर्ण सामग्री को शामिल करने का सुझाव दिया कि किसी भी अन्य राष्ट्र में किसी भी परमाणु हथियार को एक दूसरे पर लक्षित नहीं किया जाना चाहिए, इस प्रकार उसने सकारात्मक और ठोस बयान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

गठबंधन सेना विस्फोटकों से लैस दो ड्रोन मार गिराए

बगदाद। इराक के पश्चिमी अनबार प्रांत में अमेरिकी सैनिकों की मौजूदगी वाले एक सैन्य अड्डे को लक्षित विस्फोटकों से लैस दो ड्रोन विमानों को मंगलवार को मार गिराया गया। गठबंधन सेना के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इससे पहले सोमवार को दो ड्रोन मार गिराए गए थे जो बगदाद हवाई अड्डा पर अमेरिकी सलाहकारों के शिविर की ओर जा रहे थे। आइन अल-असद स्थित रक्षा प्रतिष्ठान द्वारा ड्रोन विमानों को मार गिराया गया था।

कैप्टन हरप्रीत चंडी दक्षिणी ध्रुव की अकेले यात्रा करने वाली भारतीय मूल की पहली महिला बनीं

भाषा। लंदन

ब्रिटिश सिख सेना में भारतीय मूल की 32 वर्षीय अधिकारी एवं फिजियोथेरेपिस्ट हरप्रीत चंडी ने दक्षिणी ध्रुव के लिए बिना समर्थन के अकेले दुर्गम यात्रा को पूरा करने वाली अश्वेत महिला बनकर इतिहास रच दिया है। पोलर प्रीत के नाम से भी जानी जाने वाली चंडी ने अपने लाइव ब्लॉग पर सोमवार को 40 वें दिन के अंत पर 700 मील (1,127 किलोमीटर) की यात्रा करने के बाद अपने सभी किट के साथ स्लेज खींचते हुए और शून्य से 50 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान और लगभग 60 मील प्रति घंटे की गति से चल रही हवा से जूझते हुए इतिहास बनाने की घोषणा की।

उन्होंने लिखा कि मैं दक्षिणी ध्रुव पर पहुंच गई, जहां बर्फबारी हो रही है। अभी मन में बहुत सारी भावनाएं चल रही हैं। मैं तीन साल पहले ध्रुवीय दुनिया के बारे में कुछ नहीं जानती थी और अंत में यहां पहुंचना कितना वास्तविक लगता है। यहां पहुंचना कठिन था और मैं सभी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं। चंडी ने कहा कि यह अभियान हमेशा मुझसे कहीं अधिक था। मैं लोगों को अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने और खुद पर विश्वास करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहती हूं, और मैं चाहती हूं कि आप बिना विद्रोही तमगे के इसे करने में सक्षम हों। मुझे कई मौकों पर ना कहा गया है और कहा गया है कि बस सामान्य काम करो, लेकिन हम अपना सामान्य खुद बनाते हैं।

उन्होंने अपनी यात्रा का एक लाइव ट्रैकिंग मैप अपलोड किया और बर्फ से ढके क्षेत्र में अपनी यात्रा के नियमित ब्लॉग भी पोस्ट किए। चंडी ने उनके ब्लॉग के अंतिम प्रविष्टि में कहा, दिन 40 - समाप्त। प्रीत ने अंटार्कटिका में अकेले अभियान पूरा करने वाली पहली अश्वेत महिला बनने का इतिहास बनाया है।

अमेरिका में सीमा शुल्क द्वारा इकाई पत्रकारों की जांच की समीक्षा जारी

वाशिंगटन। सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा (सीबीपी) की एक विशेष सुरक्षा इकाई की कार्रवाइयों की एक आंतरिक समीक्षा शुरू की गई है, जिसने द एसोसिएटेड प्रेस के एक पत्रकार सहित 20 से अधिक अमेरिकी पत्रकारों की जांच के लिए आतंकवादियों को ट्रैक करने के उद्देश्य से इस्तेमाल किए जाने वाले संवेदनशील सरकारी डेटाबेस का उपयोग किया था।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग की एक रिपोर्ट के अनुसार यह समीक्षा, काउंटर नेटवर्क डिवीजन की गतिविधियों पर केन्द्रित है, जिसने पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के दौरान पत्रकारों की जांच के लिए डेटाबेस का उपयोग किया था। इस डिवीजन ने मीडिया को लीक हुई जानकारी और सूचना के संभावित स्रोतों के रूप में पत्रकारों की जांच के लिए इस डेटाबेस का इस्तेमाल किया था। सीबीपी के प्रवक्ता लुइस मिरांडा ने सोमवार को कहा कि आंतरिक जांच का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि पूर्व प्रशासन के दौरान जो गतिविधियां सवालों के घेरे में रहीं वह एक दुर्लभ वाकया बनी रहें और भविष्य में इस तरह की घटना को रोकने के लिए उचित सुरक्षा उपाय किए जा सकें।

पाक के प्रधान न्यायाधीश ने इमरान को तलब करने की चेतावनी दी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के प्रधान न्यायाधीश गुलजार अहमद ने चेतावनी दी है कि यदि एक कैदी को हिरासत केंद्र से शीर्ष न्यायालय में पेश नहीं किया जाता है तो प्रधानमंत्री इमरान खान को तलब किया जाएगा। मीडिया में मंगलवार को आई खबरों में यह बताया गया है।

प्रधान न्यायाधीश अहमद की अध्यक्षता वाली तीन न्यायाधीशों की पीठ ने अफगानिस्तान सीमा के नजदीक एक सैन्य शिविर पर हमले के आरोपी आरिफ गुल की हिरासत के खिलाफ एक मामले की सुनवाई के दौरान यह कहा। पाकिस्तान के उच्चतम न्यायालय ने कहा कि यदि गुल को हिरासत केंद्र से न्यायालय के समक्ष पेश नहीं किया गया तो वह (शीर्ष न्यायालय) प्रधानमंत्री को तलब करेगा। प्रधान न्यायाधीश ने जब अतिरिक्त महान्यायवादी (अटार्नी जनरल) से सवाल किया कि क्या वे आरोपी को लाए हैं, तब उन्होंने (अतिरिक्त महान्यायवादी ने) जवाब दिया, आरिफ गुल हिरासत केंद्र में है और उसे लाना मुश्किल है। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि यदि उसे नहीं पेश किया जाता है तो अदालतों को सील कर दीजिए।

मोसाद पर परमाणु हथियार बनाने में पाक की मदद करने वाली जर्मन व स्विस कंपनियों पर हमला करने का संदेह

भाषा। यरूशलम

इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद पर उन जर्मन और स्विस कंपनियों को धमकी देने व हमला करने का संदेह है जिन्होंने 1980 के दशक में परमाणु हथियार कार्यक्रम में पाकिस्तान की सहायता की थी। यहूदी देश को डर था कि पाकिस्तान के परमाणु संपन्न होने से उसके लिए अस्तित्व का खतरा पैदा हो सकता है। एक प्रमुख दैनिक ने मंगलवार को यहां एक रिपोर्ट में यह टिप्पणी की।

यरूशलम पोस्ट समाचार पत्र ने एक प्रमुख स्विस दैनिक की रिपोर्ट का हवाला दिया कि अमेरिका ने ऐसी कंपनियों की गतिविधियों को रोकने की असफल कोशिश की थी। उसके बाद उनमें से तीन कंपनियों पर तीन हमले हुए थे जिससे उन संदेहों को बल मिला कि मोसाद ने हमलों को अंजाम दिया और धमकी जारी की थी। स्विस दैनिक न्यू जर्चर जीतुंग (एनजेडजेड) ने रविवार को खबर दी कि पाकिस्तान के परमाणु बम से लैस इस्लामिक राज्य बनने के आसार से इजराइल को आशंका थी कि वह उसके अस्तित्व के लिए खतरा बन सकता है। पाकिस्तान ने 28 मई 1998 को बलूचिस्तान प्रांत में एक साथ पांच भूमिगत परमाणु परीक्षण किए थे। वह पाकिस्तान के परमाणु हथियारों का पहला सार्वजनिक परीक्षण था। उसके बाद उसी साल 30 मई को दूसरा परमाणु परीक्षण किया गया। एनजेडजेड ने कहा पाकिस्तान और ईरान ने 1980 के दशक में परमाणु हथियार विकसित करने के लिए साथ मिलकर काम किया जिसमें जर्मन और स्विस कंपनियों ने उनके परमाणु कार्यक्रम में सहायता की। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि बर्न और वाशिंगटन के अभिलेखागारों के दस्तावेजों से तस्वीर साफ होती है।

थेरानोस की संस्थापक एलिजाबेथ होम्स धोखाधड़ी और साजिश रचने के मामले में दोषी करार

निवेशकों को झूठी दिलासा देने का मामला

एपी। सान जोस (अमेरिका)

अमेरिकी स्टार्टअप कंपनी थेरानोस की संस्थापक एलिजाबेथ होम्स को निवेशकों को धोखा देने के आरोप में जूरी ने सोमवार को दोषी करार दिया। दरअसल इन निवेशकों को होम्स ने यह झूठा भरोसा दिलाया था कि उनकी स्टार्टअप कंपनी ने एक क्रांतिकारी मेडिकल उपकरण विकसित किया है जो रक्त की कुछ बूंदों की जांच कर रोगों की गंभीरता और स्थिति का पता लगा सकता है।

कंपनी के 15 साल के संकट भरे इतिहास में मुख्य कायकारी अधिकारी रहीं होम्स (37) को एक जूरी ने सात दिनों तक विचार विमर्श के बाद धोखाधड़ी के दो आरोपों और साजिश रचने के दो आरोपों में दोषी करार दिया। हालांकि 12 सदस्यीय जूरी ने होम्स को धोखाधड़ी और साजिश रचने के चार अन्य आरोपों से बरी कर दिया। होम्स को प्रत्एक आरोप के लिए अब 20 साल तक की कैद की सजा मिल सकती है।

संघीय अभियोजकों ने होम्स को शोहरत और भाग्य के प्रति आसक्त बताया। हालांकि होम्स ने जूरी के फैसले के बारे में पूछे गए सवालों का कोई जवाब नहीं दिया। अमेरिकी अटार्नी स्टीफन हिंड्स ने महामारी के दौरान मामले को निष्कर्ष तक पहुंचाने के लिए जूरी का शुक्रिया अदा किया और कहा कि होम्स को उनके अपराधों की सजा अब अवश्य मिलेगी।

नया साल, नए लक्ष्य

टीम वीवा ऐसे महिला उद्यमियों के समूह के बारे में बता रही है जो व्यवसाय के विस्तारण पर सलाह देता है

महामारी चमत्कारिक रूप से गायब नहीं हुई थी। हालांकि विगत वर्ष अभी भी कई मायनों में अस्थिर था, मगर इसमें 2020 के मुकाबले निश्चित सुधार था। अच्छी खबर यह है – यह हमने किया! आइए कुल पल के लिए इसके सकारात्मक हिस्सों का जश्न मनाएं।

जैसे ही नया साल शुरू होता है, यहां कुछ मजबूत महिला उद्यमियों के उद्धरण प्रस्तुत हैं जो अपनी यात्रा और बीते वर्ष में हासिल सबकों का उल्लेख कर रही हैं :

अपने मुद्रीकरण और करियर के विकास पर नियंत्रण रखें

'महामारी की शुरुआत से, स्पॉटलाइट मार्केटिंग मिक्स के महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में प्रभावशाली मार्केटिंग पर रही है। पिछले कुछ वर्षों में निर्माता पारिस्थितिकी तंत्र का तीव्र विकास, हर जगह उन विपणक के रातोंरात अहसास से बिजली की गति से टकरा गया जिनके अधिकांश पारंपरिक माध्यम कोविड की दुनिया में पुराने थे। परिणाम प्रभावकारी विपणन की प्रति न केवल एक 'प्रवृत्ति' था, बल्कि प्रतिमान बदलने वाला था। अधिकांश ब्रांडों व एजेंसियों के लिए, मीडिया नियोजन चरण की शुरुआत से ही, डिजिटल सामग्री व प्रभावशाली रणनीति अब सर्वोत्तम विचारबिन्दु है। यह सब उसी समय हुआ है जब प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया इकोसिस्टम में भूकंपीय बदलाव भी देखने को मिले हैं। बाइट डांस के भारत से बाहर निकलने के साथ, भारत के अनेक घरेलू वीडियो शेयरिंग और सोशल कॉमर्स प्लेटफॉर्म में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है, और कुछ वैश्विक मंचों ने भी स्नैपचैट जैसी उल्लेखनीय वृद्धि देखी है, जो हाल ही में भारत में 100 मिलियन उपयोगकर्ताओं को पार कर गया है। इस बीच, फेसबुक/इंस्टाग्राम और गूगल/यूट्यूब सभी किसी न किसी डिजिटल विज्ञापन खर्चों पर कब्जा करना जारी रखते हैं और कंटेंट/इन्फ्लूएंसर मार्केटिंग अभियानों के लिए सबसे लोकप्रिय मंच बने हुए हैं। ब्रांडों की मांग में वृद्धि, और तेजी से जटिल हो रहे मंच परिदृश्य ने दो चीजों – समर्थन और संगठन– की आवश्यकता में क्रिएटर/प्रभावक पारिस्थितिकी तंत्र को छोड़ दिया है। समुदाय को सभी प्रारूपों व प्लेटफॉर्म विकल्पों का संचालन करने, अन्य रचनाकारों के साथ अधिक नियमित रूप से सहयोग करने और सामग्री – विशेष रूप से वीडियो सामग्री – को अधिक कुशलता से बनाने के लिए समर्थन की आवश्यकता होती है। समुदाय को अपनी कमाई को अधिकतम करने और अपनी सामग्री को बड़े पैमाने पर बढ़ाने के लिए ... दूसरे शब्दों में, अपने स्वयं के मुद्रीकरण और करियर के विकास पर नियंत्रण रखने के लिए, संगठन की आवश्यकता है ! सुश्री मालिनी, और हमारे साथी, 2022 और उसके बाद भी अपना समय इसमें लगाते रहेंगे, और हम समुदाय को यह दिखाने के लिए इंतजार नहीं कर सकते कि हमारे पास क्या है! '

(लेखक, मालिनी अग्रवाल, मिसमालिनी एंटरटेनमेंट एंड गर्ल ट्राइब की संस्थापक व रचनात्मक निदेशक हैं।)

ग्राहक-केंद्रितता पर ध्यान दें

पिछले वर्ष ग्राहक–केंद्रितता पर केंद्रित थे। चूंकि हम अपने ग्राहकों के साथ लगातार मजबूती से खड़े रहे हैं और उनकी जरूरतों को पूरी तरह से समझते हुए, हमें बिक्री, विकास और दृश्यता के मामले में उदारता से ईनाम प्रदान किया गया है। विशेष रूप से, हमारे दस लाखवें बिकवाली के क्षण और द डोज वी नीड अभियान के सफल लॉन्च के बाद, हमने 250 प्रतिशत की वृद्धि के साथ अपने उत्पादों की मांग बढ़ती देखी।

यदि आप इस वर्ष अपने व्यवसाय में समान वृद्धि और आत्म विकास पैटर्न की उम्मीद कर रहे हैं – तो आंतरिक रूप से शुरुआत करें। उन नए उत्पादों को तैयार करने की योजना बनाएं जो भविष्य के रसोइयों और बेकर्स के लिए घर पर बेकिंग को आसान बना दें और साथ ही डिप्स, जूस, आदि जैसी पूरक श्रेणियां भी तैयार करें। इसके अलावा, उत्पादन स्तर पर दक्षता बढ़ाने के लिए अधिक से अधिक प्रक्रियाओं में ऑटोमेशन लाना योजना का हिस्सा होना चाहिए। इससे उत्पादन क्षमता और बढ़ेगी।

इसके अलावा, हस्तनिर्मित उत्पादों को मुख्यधारा में लाने से, हमारे नए साल के लक्ष्यों में स्टोर पर नमूना उपलब्धता के जरिए अपने

ग्राहक–संचालित विपणन पैटर्न का लाभ उठाना शामिल होना चाहिए। अपने नए स्टोरों के लॉन्च के साथ, हमें इस बात का अहसास हुआ है कि स्टोर पर सैंपलिंग स्टेशन वास्तव में ग्राहकों को अंतिम खरीदारी करने में मदद करते हैं, और संबंधित स्टोर टीमों के माध्यम से ब्रांड द्वारा प्रस्तुत एक अनुभवात्मक/व्यक्तिगत सेवा प्रारूप के साथ उनका स्वागत करते हैं।

(लेखिका, अदिति हांडा, द बेकर्स डोजेन की हेड बेकर और सह–संस्थापक हैं।)

परिवर्तन स्थिर नहीं है। हम जितनी जल्दी बदलाव के लिए ढल जाएं, उतना ही बेहतर

पिछले दो वर्ष सतत और महत्वपूर्ण परिवर्तनों के अग्रदूत रहे हैं। मजे की बात यह है कि परिवर्तन स्थिर नहीं है –डब्ल्यूएफएच स्थिति में समायोजन की तरह, हम जितनी तेजी से बदलाव के लिए ढल जाएं , उतना ही बेहतर। अब जब हम ई–ऑफिस संरचनाओं में काम करने के अभ्यस्त हो गए हैं, भौतिक कार्यालय स्थलों में सहकर्मियों के साथ बातचीत करते हैं, विशेष रूप से जिनके साथ हम केवल जूम कॉल के माध्यम से मिले हैं, उन्हें समायोजित करने में भी कुछ समय लग सकता है। परिवर्तन कभी भी सहज या आसान नहीं होता है और इसलिए मानसिक स्वास्थ्य – महामारी के दौरान सर्वाधिक महत्वपूर्ण बढ़ते मसलों में से एक था, लोग अब एक संरक्षक या कोच होने के लाभों को समझ रहे हैं।

यहां एक कहावत है – जब बच्चे गणित में कमजोर होते हैं या यदि वे टेनिस या पियानों में सीखना चाहते हैं और उसमें प्रतिस्पर्धी बनना चाहते हैं, तो उनके माता–पिता सर्वश्रेष्ठ ट्यूटर या कोचिंग स्कूल की तलाश करेंगे। इसके अलावा, सिरदर्द, सर्दी या पेट में कीड़े से पीड़ित लोग डॉक्टर के पास जाएंगे और अपने शारीरिक स्वास्थ्य का ख्याल रखेंगे। इन्हीं पंक्तियों के साथ, एक कोच या एक संरक्षक की अवधारणा समान रूप से महत्वपूर्ण है, न केवल कोई समस्या होने पर, बल्कि सामान्य मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी। इस आने वाले वर्ष में, मैं मानसिक स्वास्थ्य के बारे में व्यापक जागरूकता देखना चाहती हूं और अधिक से अधिक लोग स्वाभाविक रूप से एक संरक्षक या एक परावर्तक के रूप में प्रशिक्षकों को ले रहे हैं जो उनके लिए एक दर्पण रखते हैं और उन्हें अपनी जीवन यात्रा को बढ़ाने में सक्षम बनाते हैं।

(लेखक, गीता रामकृष्णन, एक ऑन्कोलॉजिकल कोच और लेखक हैं।)

महिलाएं महिलाओं का साथ देती हैं

2021 एक प्रेरणादायक वर्ष था। भारत ने कोविड की लहर की सवारी की और टीकाकरण के मामले में सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए। जौक में इसका हमारे लिए बहुत सकारात्मक प्रभाव पड़ा, जहां उपभोक्ताओं ने अपनी यात्रा पुनः शुरू की और इसलिए उन्हें नए बैग और वॉलेट की आवश्यकता थी। यह प्रवृत्ति उत्पादों की मांग को और बढ़ाएगी।

स्थानीय व्यवसायों को समर्थन देने की दिशा में भी वर्ष में एक बड़ा बदलाव देखा गया। वोकल फॉर लोकल प्रोत्साहन ने वास्तव में उपभोक्ताओं को एक भारतीय ब्रांड का गर्व से समर्थन करने के लिए प्रेरित किया। अंत में, हमने नायका, बेक्टर फूड्स जैसी महिला नेताओं द्वारा संचालित कंपनियों के कुछ अभूतपूर्व आईपीओ देखे जो मेरे जैसी महिला उद्यमियों के लिए एक बड़ा व्यवसाय बनाने और सार्वजनिक बाजार का समर्थन प्राप्त करने के लिए प्रेरणादायक हैं। मुझे इस साल और भी ऐसी लिस्टिंग की उम्मीद है और वैश्विक स्तर पर उपभोक्ताओं द्वारा महिलाओं के नेतृत्व वाले भारतीय व्यवसायों के लिए समर्थन की उम्मीद है। निजी तौर पर, हमारा लक्ष्य अपने संग्रह का विस्तार करना और हमारी गौरवशाली भारतीय कहानी को दुनिया के सामने ले जाना है।

(लेखक दिशा सिंह, जौक की संस्थापक और सीईओ हैं।)

पुन : आशान्वित

कोविड–19 की दूसरी लहर के कारण 2021 की पहली तिमाही थोड़ी धीमी रही। कोई भी अनैतिक नहीं लगना चाहता था, और हम भी इसके बारे में बहुत संवेदनशील थे क्योंकि यह किसी भी चीज की मार्केटिंग करने का सही समय नहीं था।

हालांकि, साल की दूसरी तिमाही में चीजों में तेजी आई और अब, सब कुछ कमोबेश खुल रहा है, एक बार फिर आशान्वित दिख रहा है। ब्रांडों ने अब अपने विज्ञापनों को विविध धाराओं में आवंटित करना शुरू कर दिया है, जो आश्चर्यजनक है। मुझे उम्मीद है कि यह साल गेम–चेंजर साबित होगा क्योंकि पिछले साल ने अनगिनत नए अवसरों के लिए मंच तैयार किया है। इस साल, हमारे पास अपने उत्पादों के साथ आने वाली प्रभावशाली और प्रतिभाएं थीं, एनएफटी एक तूफान लेकर दुनिया पर राज करने जा रहे थे और बहुत कुछ – परिदृश्य पूरी तरह से बदल रहा है, यही कारण है कि मैं बहुत उत्साहित हूं।

इसके अलावा, मैं आने वाले रुझानों के बारे में भी उत्सुक हूं। उदाहरण के लिए, आज तक, डिजिटल दुनिया एक 2डी विचार थी, लेकिन अब, यह एक शानदार 3डी अनुभव में बदलने की ओर अग्रसर है। इसके अतिरिक्त, निर्माता अर्थव्यवस्था भी निवेश जैसी बड़ी और व्यापक चीजों की ओर बढ़ रही है, और भी बहुत कुछ। 2022 सभी के लिए एक महत्वपूर्ण वर्ष होगा जिसमें सभी के लिए बहुत कुछ है।

(लेखिका, खुशी गोविल, टैलेंट – मिसमालिनी एंटरटेनमेंट की एसोसिएट वाइस प्रेसिडेंट हैं।)

निरंतर ध्यान-भंग होना

पुरानी व्याकुलता को दूर करने के लिए ध्यान को समय और प्राथमिकता देने का सुझाव दे रहे हैं राजयोगी ब्रह्मकुमार निकुंज जी

व्यवहार वैज्ञानिकों के एक समूह द्वारा किए गए एक हालिया अध्ययन से पता चला है कि पिछले एक दशक में, तकनीक (खासतौर पर इंटरनेट)के सौजन्य से, मानव ध्यान अवधि निम्नतम स्तर तक गिर गई है। हम सभी यह अनुभव करते रहे हैं कि आज सब कुछ तेज होता जा रहा है। चाहे वह खाना हो, जो हम खाते हैं, या मनोरंजन, जो हम देखते हैं, या यहां तक कि हमारे काम करने का तरीका भी। संक्षेप में, जीवन की गति तेज हो रही है।

सचमुच, परिवर्तन की दर को लगातार तेज करने की एक अतृप्त इच्छा नजर आती है। उदाहरण के लिए अगर हम रियलिटी शो के प्रतिभागियों को देखें, तो यह स्पष्ट है कि ये प्रतिभागी एक या दो साल के लिए बेहद प्रसिद्ध हो जाते हैं और फिर गुमनामी में गायब हो जाते हैं, क्योंकि जनता में अपने लिए नवीनता की भूख बढ़ती है। नए तकनीकी गैजेट्स में भी ऐसा ही चलन देखा गया है, जहां हम हर हफ्ते एक नया मॉडल सामने आते हुए देखते हैं, जो एक कमजोर मॉडल को बाजार से बाहर और उपभोक्ता के दिमाग से परे कर देता है। नए के प्रति इस भूख में इसके बारे में थोड़ी सी हताशा की हवा है – शायद यह आर्थिक, धार्मिक और राजनीतिक निश्चितताओं के मौजूदा विनाश की भरपाई करने का एक प्रयास है। इसका स्रोत जो भी हो, यह भूख ध्यानभंग होने में योगदान करती है, एक अन्य स्रोत– संचार ईमेल, त्वरित संदेश, एसएमएस, आदि चैनलों का प्रसार है, जिसके परिणामस्वरूप खुलेआम सभी नई चीजों के बारे में अंतहीन बातचीत करने का अवसर मिलता है। ध्यान का यह निरंतर स्थानांतरण अपेक्षाकृत हानिरहित लग सकता है, लेकिन यह एक सूक्ष्म खतरे को छुपाता है: यह जीवन में हमारे सामने आने वाली अनेक कठिनाइयों पर ध्यान केंद्रित करने और बुद्धिमान निर्णय लेने की मानवता की क्षमता को कमजोर कर सकता है। ध्यान का यह बिखराव न केवल ख़ाली समय में, बल्कि काम के दौरान भी होता है।

एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन में युवाओं के बदलते कौशल के साथ शिक्षकों के अनुभव को दर्शाया गया है। उनके द्वारा यह देखा गया कि, हालांकि सूचना तक पहुंचने के उनके कौशल, विशेष रूप से दृश्य रूप में, में वृद्धि हुई है, मगर इस बात के भी प्रमाण हैं कि अस्पष्टता और जटिलता के प्रति उनकी सहनशीलता कम हो रही है। उन्होंने पाया कि इंटरनेट और अन्य स्क्रीन–आधारित तकनीकों के हमारे बढ़ते उपयोग ने दृश्य–स्थानिक कौशल के व्यापक और परिष्कृत विकास को जन्म दिया है। लेकिन वे लाभ हमारी क्षमता के कमजोर होने के साथ–साथ उस तरह की गहन प्रक्रियाओं के साथ भी चलते हैं जो दिमागी ज्ञान अधिग्रहण, आगमनात्मक विश्लेषण, महत्वपूर्ण सोच, कल्पना और चिंतन को कम करती है। सरल शब्दों में, हम कह सकते हैं कि हम तकनीकी रूप से समृद्ध हो रहे हैं लेकिन भावनात्मक रूप से विपन्न हो रहे हैं। मनोवैज्ञानिक और व्यवहार विशेषज्ञों का कहना है कि हमारा दिमाग एक पैराशूट की तरह है और यह खुला होने पर सबसे अच्छा काम करता है। यह भी एक कैनवास की तरह है जिस पर हम सचेत रूप से अपना जीवन गढ़ सकते हैं। हमारे शरीर पर मन का जबरदस्त राज होता है और यह हमारे शरीर में हर चीज को निर्देशित करता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, मन बदलने से हमारे 70 प्रतिशत रोगों को बदला जा सकता है, क्योंकि वे वहीं से उत्पन्न होते हैं। इसकी क्षमता इतनी अधिक है कि अपने सबसे शक्ति शाली चरण में, हमारा मन बाहरी नकारात्मक स्पंदनों व स्थितियों को भी सकारात्मक में बदल सकता है। इसलिए, पुरानी व्याकुलता को दूर करने के लिए, हमें ध्यान को समय व प्राथमिकता देनी चाहिए। उसके लिए हमें सबसे पहले यह देखना होगा कि हमारे मन में किस तरह के विचार पैदा हो रहे हैं, क्योंकि ये ही हमारी खुशी और संतुष्टि की डिग्री तय करेंगे। और ये उस तरह की दुनिया को आकार देंगे जो हम हर पल अपने लिए बना रहे हैं। तो, अपने विचारों की निगरानी करें कि आप क्या बना रहे हैं और क्या नष्ट किया जा रहा है, वे कौन सी प्रवृत्तियां हैं जिन्हें सींचा जा रहा है और वे कौन सी हैं जिन्हें डूबने दिया जा रहा है। सजगतापूर्वक सकारात्मक विचारों को बनाने और बुरे विचारों को नष्ट करने की जिम्मेदारी संभालें। अब से कुछ कदम दूर आपको जो प्राप्त होगा उसे अच्छी तरह से बनाने की जिम्मेदारी संभालें।

बढ़ रहा है बांझपन

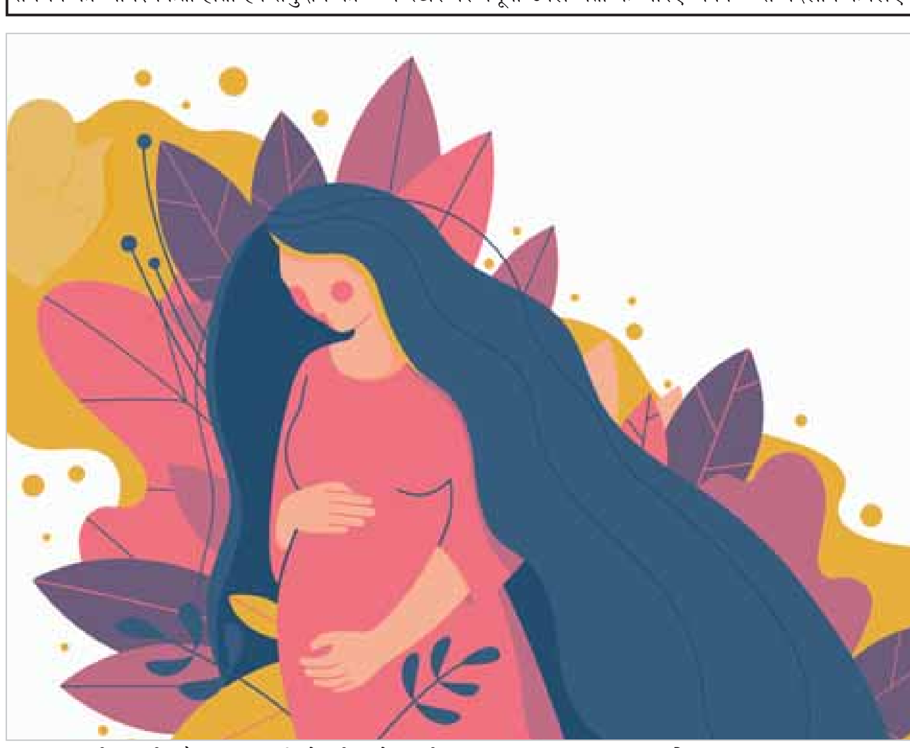

उत्तरी कश्मीर के बारामूला जिले की रहने वाली रुकाया जान ने छत्तीस साल की उम्र में शादी की थी। भारत में, जहां लड़कियों को एक बच्चे के रूप में शादी करने के लिए मजबूर किया जाता है, रुकाया का अपने करियर पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय कठिन था। घाटी में कम अवसरों के होने से, उन्हें दिल्ली की ओर पलायन करना पड़ा। आज, वह इकतालीस साल की हैं और गर्भधारण के लिए संघर्ष कर रही हैं।

रूकाया, जो अब एक गृहिणी है और पिछले पांच सालों से मां बनने के लिए संघर्ष कर रही हैं, ने कहा, ''2007 और 2012 के बीच, मैंने नई दिल्ली में एक निजी कंपनी में काम किया। नौ साल पहले, मेरे पिता के निधन के बाद, मुझे अपनी मां की देखभाल करने के लिए वापस लौटना पड़ा क्योंकि उनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं था। यहां, अपने गृहनगर में, मैंने एक अच्छी नौकरी की तलाश शुरू की और छत्तीस साल की होने तक संघर्ष चलता रहा। शादी करने में पहले ही बहुत देर हो चुकी थी।''

2019–21 के लिए हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण (एनएफएचएस) से पता चलता है कि केंद्र शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर में, कुल प्रजनन दर (टीएफआर) में तेज गिरावट आई है – एक महिला के

जम्मू-कश्मीर में कुल प्रजनन दर में गिरावट के कारणों पर चर्चा कर रहे हैं मुदस्सर कुल्लू

अपने जीवनकाल में बच्चों की औसत संख्या दो से 1.4 – जो 2015–16 के बाद से दो के राष्ट्रीय औसत से काफी कम है, जब इस तरह का अंतिम सर्वेक्षण किया गया था।

विशेषज्ञों के अनुसार, देर से शादियों, जो जम्मू–कश्मीर में बेहद आम हो गई हैं, ने घाटी में बांझपन को बढ़ा दिया है। इसके अलावा, अन्य योगदान कारक भी हैं। कश्मीर की जानी–मानी स्त्री रोग विशेषज्ञ, डॉ फरहत जबीन ने बताया कि कश्मीर में पुरुषों व महिलाओं में प्रजनन क्षमता में गिरावट के लिए कई कारक जिम्मेदार हैं। उन्होंने बताया, ''कश्मीर में बांझपन बढ़ रहा है, खासकर उन महिलाओं में जो तनाव या हार्मोनल असंतुलन से पीड़ित हैं ।''

एनएफएचएस के अनुसार, कम से कम 60 प्रतिशत विवाहित कश्मीरी महिलाएं पॉलीसिस्टिक डिम्बग्रंथि सिंड्रोम या अधिक प्रजनन स्वास्थ्य समस्याओं की रिपोर्ट करती हैं, जो कि राष्ट्रीय औसत 40 प्रतिशत से अधिक है, जो बच्चे के जन्म को प्रभावित करती है।

डॉ जबीन ने आगे कहा कि गरीबी, बेरोजगारी और आर्थिक समृद्धि की इच्छा देर से विवाह करने के पीछे के मुख्य कारण हैं। उन्होंने सुझाव दिया, ''जहाँ तक संभव हो, देर से शादी से बचना चाहिए क्योंकि 35 साल की उम्र के बाद गर्भधारण की संभावना कम हो जाती है।''

कम प्रजनन दर समान रूप से मानसिक स्वास्थ्य विकारों के कारण भी होती है। जो महिलाएं गर्भधारण नहीं कर पाती हैं, वे भी इस तरह के विकारों से पीड़ित होती हैं। घाटी के जाने माने मनोचिकित्सक डॉ. मुश्ताक मारगूब के अनुसार, टकराव ने कश्मीर में लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भारी असर डाला है, जिससे बांझपन भी होता है। ऐसे कई मरीज हैं जो अवसाद से पीड़ित हैं और यह उनके शारीरिक व प्रजनन स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है।

1991 में, जम्मू और कश्मीर में टीएफआर 3.6 था जो 2019–20 में घटकर 1.4 हो गया। यह इंगित करता है कि यहां की महिलाएं अपने जीवनकाल में दो से कम बच्चों को जन्म देती हैं। जबकि राष्ट्रीय औसत प्रजनन दर दो प्रतिशत है, बिहार में सबसे अधिक तीन प्रतिशत है, जम्मू और कश्मीर में शहरी क्षेत्रों में 1.2 प्रतिशत और ग्रामीण क्षेत्रों में 1.5 प्रतिशत है। हालांकि, टीआरएफ में इस गिरावट को कुछ डॉक्टरों और विशेषज्ञों द्वारा परिवार नियोजन के संदर्भ में भी सकारात्मक रूप से देखा जाता है क्योंकि लोग गर्भनिरोधक के उपयोग के प्रति अधिक जागरुक हो गए हैं।

श्रीनगर की अड़तीस वर्षीय अदीबा जान दो से अधिक बच्चे पैदा करना पसंद नहीं करती हैं। पेशे से शिक्षिका अदीबा के आठ और पांच साल के दो बच्चे हैं। अदीबा ने कहा, ''आजकल, दो से अधिक बच्चों की देखभाल करना बेहद मुश्किल हो जाता है, खासकर कामकाजी पेशेवरों के लिए।''

इसी तरह, कश्मीर में समाजशास्त्र की शोधार्थी साइमा जान ने बताया कि घाटी में कैसे शहरी क्षेत्रों में ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में टीएफआर में अधिक गिरावट देखी गई है। उनका मानना है, ''शहरी क्षेत्रों में, महिलाएं अधिक सशक्त होती हैं और अपने करियर या निजी जीवन को चुनने में सक्षम होती हैं। वे गर्भ निरोधकों के उपयोग से भी अच्छी तरह वाकिफहैं। अधिकांश जोड़े दो से अधिक बच्चों को पसंद नहीं करते हैं।''

टीआरएफ में गिरावट को जम्मू–कश्मीर में मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली है। इसके लिए सकारात्मक और नकारात्मक दोनों कारकों के गहन विश्लेषण की आवश्यकता है। जैसा कि जम्मू और कश्मीर के स्वास्थ्य विभाग में काम करने वाली डॉ रेहाना कौसर कहती हैं, '' शहरी क्षेत्र में कम टीएफआर कई कारणों से योगदान देता है, लेकिन हमें यह पता लगाने की जरूरत है कि प्रत्येक कारक कितना योगदान देता है।'' उचित जांच और शोध के बिना इसका जम्मू–कश्मीर के आर्थिक और सामाजिक पहलुओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

– चरखा फीचर्स

ऊंचाइयों पर रणवीर

रणवीर सिंह सोचते हैं कि ऐसे किरदार करना जरूरी है जिनकी यादें हमेशा के लिए हों :

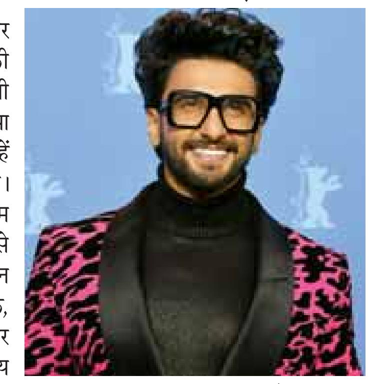

83 के साथ अभिनेता रणवीर सिंह ने नई ऊंचाईयां हासिल की हैं। उनकी फिल्मोग्राफी बहुमुखी प्रतिभा, जोखिम लेने वाला रवैया और रेंज पेश करती है जो उन्हें बाकी हिस्सों से अलग करती है। बैंड बाजा बारात से लेकर राम लीला तक, बाजीराव मस्तानी से लेकर पद्मावत में अलाउद्दीन खिलजी की भूमिका निभाने तक, सिम्बा से गली बॉय तक और अब 83, जिसमें वह भारतीय क्रिकेट के दिग्गज कपिल देव बनने के लिए स्क्रीन पर घुल जाते हैं, अभिनेता ने अपने आकार से सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया है। –फिल्म के बाद कलात्मकता फिल्म को स्थानांतरित करना।

उनसे यह पूछने पर कि भारतीय सिनेमा के इतिहास में लगातार अपनी जगह बनाने वाले पात्रों को चित्रित करने के लिए उन्हें क्या प्रेरित करता है, सिंह कहते हैं, ''मैंने कुछ बड़े जोखिम उठाए हैं। यदि कोई उच्च जोखिम शामिल नहीं है तो यह मेरे लिए कुछ नहीं करता है। जोखिम जितना अधिक होगा, भुगतान उतना ही अधिक होगा। मैं एक मुक्त बहने वाली आत्मा की तरह हूं। मैं परिभाषित नहीं होना चाहता क्योंकि मुझे लगता है कि किसी व्यक्ति को एक बॉक्स में रखना सीमित है। मैं होशपूर्वक और अवचेतन रूप से अपनी फिल्मोग्राफी को आकार दे रहा हूं। और मैं इसे और अधिक करने जा रहा हूं क्योंकि कोई दूसरा रास्ता नहीं है। मैं वास्तव में उम्मीद कर रहा हूं कि फिल्म निर्माता मुझे ऐसी भूमिकाएं देते रहेंगे जहां मैं वास्तव में कुछ कर सकूं।''

सुपरस्टार ने आगे कहा, ''आज लगान जैसी फिल्म को 20 साल हो गए हैं लेकिन मुझे लगान याद है। मुझे फिल्म, किरदार याद हैं। इसलिए, मेरे लिए, ऐसे किरदार करना महत्वपूर्ण है जिनकी स्मृति हमेशा बनी रहे और जो मेरी पसंदीदा फिल्म, लाइफ इज़ ब्यूटीफुल जैसी पीढ़ियों से लोगों को खुशी दे, जिसे मैं कई बार देख सकता हूं, यह अभी भी मेरे दिल को छू जाती है . ऐसी फिल्में जो आपको हंसा सकती हैं, रुला सकती हैं और हमेशा हमेशा के लिए आपका मनोरंजन कर सकती हैं – वे ऐसी फिल्में हैं जिनका मैं हिस्सा बनना चाहता हूं। मैं स्टार बनने से पहले पहले एक अभिनेता हूं।''

सिंह अगली बार वाईआरएफ के जयेशभाई जोरदार, शंकर की उनकी ब्लॉकबस्टर अन्नियां की रीमेक, रोहित शेट्टी की सर्कस और करण जौहर की रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई देंगे।